(हिन्दी दैनिक)

न्यूज गाइड

आपका देश आपकी बात...

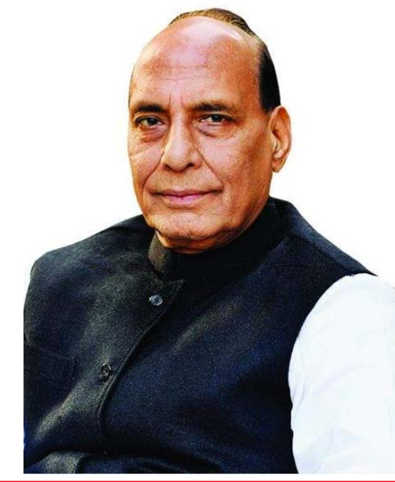

वर्ष : 14, अंक : 82 पृष्ठ : 8 www.newsguide.in Email: newsguidelko@gmail.com लखनऊ, मंगलवार, 10 जनवरी 2023 मूल्य : 1.50

वरुण गांधी की चीनी मिलों को चेतावनी .... 3 लोकतंत्र के मर्यादा मार्ग पर कदमताल की वेला....4 एमएस धोनी ने कहा कि टीचिंग ...7

अगले माह बेंगलुरु में होगा एयरो इंडिया शो, 'मेक-इन-इंडिया की दिखेगी ताकत : राजनाथ सिंह

(एजेंसी)

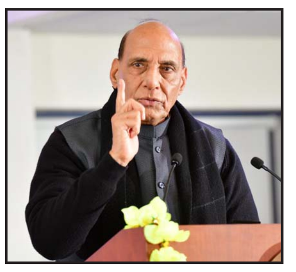

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन की बढ़ती आक्रामकता के बीच कहा कि भारत एक 'पदानुक्रमित विश्व व्यवस्था में विश्वास नहीं करता है जहां कुछ देशों को दूसरों से श्रेष्ठ माना जाता है। उन्होंने कहा कि अन्य देशों के साथ भारत के संबंध सार्वभौम समानता और पारस्परिक सम्मान पर आधारित हैं। आगामी 'एयरो इंडिया प्रदर्शनी के सिलसिले में राजदूतों के गोलमेज सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि भारत के अंतरराष्ट्रीय संबंध मानवीय समानता और गरिमा के मूल तत्व द्वारा निर्देशित हैं। उन्होंने कहा कि भारत ग्राहक या उपग्रह (आश्रित) राष्ट्र बनने या बनाने में विश्वास नहीं रखता। रक्षा मंत्री ने कहा कि 'मेक इन इंडिया की दिशा में भारत के राष्ट्रीय प्रयास न तो (अलगाववादी) हैं और न ही वे अकेले देश के लिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने विभिन्न सैन्य उपकरणों के उत्पादन के लिए भारत के साथ साझेदारी की खुली पेशकश भी की। एशिया की सबसे बड़ी एयरोस्पेस प्रदर्शनी कहे जाने वाले 'एयरो इंडिया के 14वें संस्करण का आयोजन 13 से 17 फरवरी तक बेंगलुरु में किया जाएगा। इस आयोजन में राजदूतों को आमंत्रित करते हुए उन्होंने कहा, (हम ग्राहक या उपग्रह राष्ट्र बनाने या बनने में विश्वास नहीं करते हैं, और इसलिए, जब हम किसी भी देश के साथ साझेदारी करते हैं, तो यह संप्रभु समानता और आपसी सम्मान के आधार पर होती है।) दक्षिण चीन सागर, पूर्वी चीन सागर और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की सैन्य ताकत को लेकर वैश्विक चिंताएं बढ़ रही हैं।सिंह ने कहा, (साझेदारी और संयुक्त प्रयास) दो प्रमुख शब्द हैं जो भारत के रक्षा उद्योग सहयोग को अन्य देशों से अलग करते हैं। उन्होंने कहा, (भारत विश्व व्यवस्था की एक पदानुक्रमित अवधारणा में विश्वास नहीं करता है, जहां कुछ देशों को दूसरों से श्रेष्ठ माना जाता है।) रक्षा मंत्री ने कहा कि 'मेक-इन-इंडिया कार्यक्रम में 'मेक-फॉर-द-वर्ल्ड (दुनिया के लिये) समाहित है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता की पहल भारत के भागीदार देशों के साथ (साझेदारी के नए प्रतिमान) की शुरुआत है। राजनाथ सिंह ने कहा, (रक्षा अनुसंधान और विकास व विनिर्माण के क्षेत्र में, यह रक्षा अनुसंधान, विकास और उत्पादन में संयुक्त प्रयासों और साझेदारी के वास्ते आप सभी के लिए एक खुली पेशकश में तब्दील हो जाता है।) सिंह ने कहा, (जब हम अपने मूल्यवान साझेदार देशों से रक्षा उपकरण खरीद रहे होते हैं, तो अक्सर वे तकनीकी जानकारी साझा करते हैं, भारत में विनिर्माण संयंत्र स्थापित कर रहे होते हैं और विभिन्न उप-प्रणालियों के लिए हमारी स्थानीय फर्मों के साथ काम कर रहे होते हैं।

आईएएस खेमका का बदला विभाग, 4 एचसीएस के तबादले

(एजेंसी) चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने एक आईएएस और 4 एचसीएस अधिकारियों के स्थानांतरण एवं नियुक्ति आदेश जारी किए हैं। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अशोक खेमका को अभिलेखागार विभाग का अतिरिक्त मुख्य सचिव लगाया गया है। स्थानांतरित किए गए एचसीएस अधिकारियों में रादौर के उपमंडल अधिकारी (नागरिक) को हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड का जांच अधिकारी लगाया गया है। पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक (प्रशासन) अमित कुमार-।। को रादौर का उपमंडल अधिकारी (नागरिक) लगाया गया है। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी), कैथल और एचएसवीपी, कुरुक्षेत्र के संपदा अधिकारी मयंक भारद्वाज को रेवाड़ी का सिटी मजिस्ट्रेट लगाया गया है।

यूपी की तर्ज पर जयपुर में चला 'गहलोत का बुल्डोजर

(एजेंसी) जयपुर। जिस तरह से उत्तर प्रदेश में सीएम योगी आदित्यनाथ का बुलडोजर अपराधियों की संपत्तियों पर चल रहा है, उसी तर्ज पर राजस्थान में भी सीएम गोहलोत का बुलडोजर चलता नजर आने लगा है। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की प्रवर्तन शाखा ने उस पांच मंजिला इमारत को सोमवार को ढहा दिया जिसमें हालिया पेपर लीक प्रकरण के मुख्य आरोपी सुरेश ढाका का कोचिंग सेंटर था। ढाका का नाम हाल में ग्रेड-2 शिक्षक भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में प्रमुख आरोपी के रूप में सामने आया था। प्राधिकरण की प्रवर्तन शाखा ने ''अधिगम कोचिंग इंस्टिट्यूटश्की इमारत को उपनियमों के खिलाफपाया और दो बार नोटिस दिया था, लेकिन कोचिंग मालिक से कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिलने के बाद सोमवार सुबह इमारत को गिरा दिया गया। यह भवन गुर्जर की थड़ी, गोपालपुरा बायपास मुख्य रोड पर है। जेडीए की प्रवर्तन शाखा के प्रमुख रघुवीर सैनी ने बताया, ''संस्थान का भवन दो आवासीय भूखंडों पर बना था। सड़क पर भी अतिक्रमण किया गया था, इसलिए भवन मालिक अनिल अग्रवाल और कोचिंग सेंटर संचालक सुरेश ढाका, भूपेन्द्र सारण, धर्मेंद्र चौधरी और छाजू लाल जाट को नोटिस दिया गया था। इनसे अवैध निर्माण व अतिक्रमणों को हटाने तथा अपना जवाब आठ जनवरी तक देने को कहा गया था। इनकी ओर से संतोषजनक जवाब नहीं मिलने के बाद इमारत को आज ध्वस्त कर दिया गया। राजस्थान पुलिस ने दिसंबर में द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा के पेपर लीक मामले में अब तक 37 अभ्यर्थियों समेत कुल 55 लोगों को गिरफ्तार किया है।

जम्मू कश्मीर और पंजाब में राहुल गांधी की सुरक्षा होगी कड़ी, एजेंसियां अलर्ट पर

(एजेंसी)

नई दिल्ली। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के पंजाब और जम्मू कश्मीर में प्रवेश को लेकर सुरक्षा एजेंसियों ने दोनों जगह पुख्ता तैयारी कर ली है। सूत्रों के मुताबिक दोनों राज्य संवेदनशील हैं, ऐसे में राहुल गांधी की सुरक्षा को लेकर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने सुरक्षा रिव्यू भी किया है। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा उचित सुरक्षा बलों की तैनाती और स्थानीय पुलिस से समन्वय की प्रक्रिया भी की जा रही है। जानकारी के मुताबिक इसी महीने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पंजाब और फिर जम्मू कश्मीर पहुंचेगी। इसी को लेकर केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने पंजाब और जम्मू कश्मीर पुलिस के साथ संपर्क साधा है और जिस जिस जगह से राहुल की यात्रा गुजरेगी, वहां की जानकारी साझा करने को कहा है। यात्रा के दौरान सीआरपीएफ के साथ दोनों राज्यों की पुलिस भी बड़ी संख्या में तैनात की जाएगी। दरअसल पिछले कुछ महीनों में पंजाब और जम्मू कश्मीर में जो घटनाएं हुई हैं, उसको लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं और हर लोकेशन की रेकी की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक राहुल गांधी जेड प्लस सुरक्षा प्राप्त व्यक्ति हैं। यही वजह है कि इन संवेदनशील राज्यों में सुरक्षा के इंतजाम भी उसी स्तर पर किए जा रहे हैं। वहीं खुफिया एजेंसी आईबी ने भी अपनी थ्रेट परसेप्शन रिपोर्ट सौंपी है। इसी के बाद राहुल गांधी की सुरक्षा का रिव्यू किया गया है।

बिहार भाजपा संगठन में बदलाव की तैयारी, कई जिलाध्यक्षों की छुट्टी तय

(एजेंसी) पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में एनडीए को जनादेश मिलने के कुछ ही समय के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के महागठबंधन के साथ जाने के बाद सत्ता से दूर हुई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बिहार में अभी से ही लोकसभा और विधानसभा की तैयारी में जुटी दिख रही है। भाजपा बिहार के साथ केंद्र में फिर से अपनी सरकार बनाने को लेकर भाजपा लगातार कोशिशें कर रही है। इसी को लेकर पार्टी संगठन स्तर पर भी बड़ा बदलाव करने जा रही है। इसी के तहत भाजपा वैसे जिलाध्यक्षों को हटाने जा रही है, जिनका दो टर्म पूरा हो गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने समान नागरिक संहिता लागू करने को उत्तराखंड, गुजरात की समितियों के खिलाफ याचिका की खारिज

(एजेंसी)

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के कार्यान्वयन के लिए समितियों के गठन के उत्तराखंड और गुजरात सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ ने कहा कि यह याचिका यूसीसी बनाने के लिए गुजरात और उत्तराखंड द्वारा गठित समितियों के गठन को चुनौती दे रही है। पीठ में शामिल न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा ने याचिकाकर्ताओं के वकील से कहा कि अनुच्छेद 162 इंगित करता है कि राज्यों की कार्यकारी शक्ति का विस्तार विधायिका की अनुमति तक है। पीठ ने कहा, समिति के गठन को चुनौती नहीं दी जा सकती। शीर्ष अदालत ने कहा कि अनूप बरनवाल और अन्य द्वारा दायर याचिका योग्यता से रहित है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, इसमें क्या गलत है? उन्होंने केवल अपनी कार्यकारी शक्तियों के तहत एक समिति का गठन किया है, जो अनुच्छेद 162 देता है। याचिकाकर्ताओं के वकील ने अदालत से याचिका पर विचार करने का आग्रह किया। पीठ ने कहा, समवर्ती सूची की प्रविष्टि 5 पर गौर करें। पीठ ने याचिकाकर्ताओं के वकील से कहा कि राज्य सरकारों द्वारा समितियों का गठन करने में कुछ भी गलत नहीं है, क्योंकि संविधान का अनुच्छेद 162 कार्यपालिका को ऐसा करने की शक्ति देता है। पीठ ने वकील से कहा या तो वह याचिका वापस ले लें या इसे खारिज कर दिया जाएगा। समितियों के गठन को चुनौती देते हुए वकील ने कहा कि यह असंवैधानिक है। इस मामले में संक्षिप्त सुनवाई के बाद शीर्ष अदालत ने याचिका खारिज कर दी। उत्तराखंड सरकार ने पिछले साल मई में यूसीसी के कार्यान्वयन के लिए एक मसौदा प्रस्ताव तैयार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई के नेतृत्व में 5 सदस्यीय पैनल का गठन किया था। गौरतलब है कि गोद लेने, तलाक, उत्तराधिकार, संरक्षकता, विरासत, रखरखाव, विवाह की आयु और गुजारा भत्ता के लिए धर्म और लिंग-तटस्थ समान कानून बनाने के लिए केंद्र सरकार को निर्देश देने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिकाओं का एक बैच लंबित है। पिछले हफ्ते एक सुनवाई के दौरान केंद्र ने शीर्ष अदालत से कहा था कि यह विधायी नीति का मामला है।

हीरा कारोबारी नीरव मोदी के एचसीएल हाउस की कीमत घटी

डीआरटी ने फिर दिया नीलामी का आदेश

(एजेंसी)

मुंबई। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले में भगोड़ा हीरा कारोबारी नीरव डी. मोदी की एक संपत्ति का कोई खरीदार नहीं मिलने पर इसकी कीमत घटा दी गई है और डीआरटी ने कुछ अन्य प्रमुख संपत्तियों के साथ इसकी फिर से नीलामी का आदेश दिया है। पिछले हफ्ते डीआरटी-वसूली अधिकारी अजीत त्रिपाठी ने 22,13,16,39,411 रुपये के बकाया के एक हिस्से की वसूली के लिए मरोल में एचसीएल हाउस के साथ ही तीन अन्य संपत्तियों को ई-नीलामी के लिए रखा था। पहले इसका आरक्षित मूल्य 52 करोड़ रुपये था, जिसे अब डीआरटी-1 की घोषणा के अनुसार घटाकर 40 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

इसके अलावा डीआरटी ने लोअर परेल में पॉश पेनिनसुला पार्क बी की 20वीं मंजिल पर कार्यालय संख्या 2001-2002 सहित मोदी की अन्य संपत्तियों को नीलामी ब्लॉक में रखा है। जिसका आरक्षित मूल्य 66 करोड़ रुपये और 1.72 करोड़ रुपये से अधिक है। मोदी की एक और संपत्ति, नरीमन प्वाइंट में मफतलाल सेंटर की छठी मंजिल के साथ-साथ चार पार्किंग स्लॉट भी ई-हैमर के तहत 62 करोड़ रुपये के आरक्षित मूल्य के साथ जाएंगे।

पेडर रोड स्थित ग्रोसवेनर हाउस में मोदी का 4-बीएचके फ्लैट 15.87 करोड़ रुपये के आरक्षित मूल्य के साथ नीलामी के लिए जा रहा है। एचसीएल हाउस और ग्रोसवेनर हाउस पर भार या बकाया ज्ञात नहीं है और सभी संपत्तियों की नीलामी जहां है जैसी है और जैसी है जो है के आधार पर की जाएगी। ई-नीलामी 10 फरवरी के लिए निर्धारित है। इसके पहले तीन फरवरी को डीआरटी द्वारा पुणे में योपुन हाउसिंग स्कीम में मोदी के दो फ्लैटों की 18 करोड़ रुपये में नीलामी तय की गई है। पीएनबी बनाम फायरस्टार इंटरनेशनल लिमिटेड से संबंधित नई नीलामी सूची में मोदी और उनके समूह की कंपनियों जैसे बेंटले प्रॉपर्टीज प्रा. लिमिटेड, मैक बिजनेस एंटरप्राइजेज प्रा. लिमिटेड, एएनएम एंटरप्राइजेज प्रा. लिमिटेड, एनडीएम एंटरप्राइजेज प्रा. लिमिटेड, नीशाल ट्रेडिंग प्रा. लिमिटेड शामिल हैं। बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में भारत डायमंड बोर्स में एक ही पते पर पंजीकृत अन्य कंपनियां हैं।

शाहीन बाग ड्रग जांच से एनसीबी को अंतर्राष्ट्रीय सिंडिकेट का भंडाफोड़ करने में मिली मदद

(एजेंसी)

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहीन बाग के एक ड्रग रैकेट मामले में चल रही जांच में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने एक पूरे अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया। जिसके पंजाब, उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से संबंध थे। एनसीबी ने पंजाब में अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट के खिलाफएक विशेष अभियान के दौरान शाहीन बाग मामले के इनपुट के बाद कनेक्शन का पता लगाया। एनसीबी के उप महानिदेशक (डीडीजी) ज्ञानेश्वर सिंह ने कहा, शाहीन बाग की जांच ने हमें पूरे अंतर्राष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ करने के लिए प्रेरित किया। हमने शाहीन बाग, मुजफ्फरनगर के अपने मामलों में अटारी के सीमा शुल्क मामले के साथ संबंध पाया है। जैदी हैदर राजी मुख्य आरोपी है, उसने ड्रग्स की पूरी खेप भेजी थी। अब तक एनसीबी ने अंतर्राष्ट्रीय सिंडिकेट के 16 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है जो भारत में ड्रग्स की आपूर्ति कर रहे थे। इस ऑपरेशन के तहत पिछले एक साल में कुल 34 किलो हेरोइन, 23 किलो नशीला पाउडर और अन्य ड्रग्स जब्त किया गया है। मामले में जनवरी में पांच गिरफ्तार किए गए थे, जिनकी पहचान अमनदीप चानिया, गुरमेल सिंह उर्फ गैरी, रावलजीत उर्फ रावल वडाला, जैदी हैदर राजी और मोहम्मद इमरान के रूप में हुई है। एनसीबी इस मामले पर एक साल से अधिक समय से काम कर रही है। 15 नवंबर, 2022 को एनसीबी की चंडीगढ़ जोनल यूनिट ने पंजाब के लुधियाना जिले में एक अंतरराष्ट्रीय हेरोइन सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया था। आरोपी संदीप सिंह के होश में आने से एनसीबी ने 20.326 किलोग्राम हेरोइन जब्त की। डीडीजी ने कहा कि छापेमारी के दौरान एनसीबी ने लुधियाना से संचालित इस अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट की पूरी श्रृंखला का भंडाफोड़ किया। लुधियाना में दो गुप्त प्रयोगशालाओं को भी सील कर दिया गया है, जहां अफगान नागरिकों द्वारा हेरोइन की प्रोसेसिंग की जाती थी। ज्ञानेश्वर सिंह ने कहा कि इस ऑपरेशन को अंतर-एजेंसी सहयोग और एनसीबी के विभिन्न क्षेत्रों सहित विभिन्न केंद्रीय एजेंसियों और काउंटर इंटेलिजेंस पंजाब पुलिस ने इस ऑपरेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दिल्ली हाई कोर्ट ने पूछा, क्या 'जोशीमठ पर सुप्रीम कोर्ट में भी कोई मामला लंबित है

(एजेंसी)

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने उत्तराखंड के जोशीमठ में जमीन धंसने के मामले से जुड़ी एक याचिका पर याचिकाकर्ता को यह जानकारी हासिल करने के लिए कहा कि क्या सुप्रीम कोर्ट में भी इस मुद्दे पर कोई मामला लंबित है ? अधिवक्ता रोहित दांद्रियाल ने मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ के समक्ष अपनी याचिका को सूचीबद्ध करने के लिए पेश किया। इस पर पीठ ने इसी प्रकार के लंबित मामले पर जानकारी हासिल करने के बाद उसके समक्ष आने के निर्देश दिए। पीठ ने कहा कि अगर इसी समस्या पर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका है तो क्या हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्च, दोनों को इसे देखना चाहिए? इस पर जानकारी लीजिए और उसके बाद आप इसका जिक्र कर सकते है।

पहले पता कीजिए अधिवक्ता ने अपनी याचिका में जोशीमठ में जमीन धंसने के मुद्दे की जांच के वास्ते सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अगुवाई में समिति गठित करने के लिए केन्द्र सरकार को निर्देश देने तथा प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की अपील की है। बद्रीनाथ और हेमकुंड साहिब सहित कुछ तीर्थ स्थलों तथा अंतरराष्ट्रीय स्कीइंग स्थल औली का प्रवेश द्वार कहलाने वाला जोशीमठ 'जमीन धंसने की समस्या का सामना कर रहा है और यहां जगह जगह मकानों, सड़कों आदि में दरारें नजर आ रही हैं। याचिका में जोशीमठ में रहने वाले 3000 से अधिक लोगों की समस्याओं को रेखांकित करते हुए कहा गया है कि लगातार भूमि धंसने के कारण कम से कम 570 घरों में दरारें आ गई हैं। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि पिछले वर्षों के दौरान जोशीमठ शहर में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय तथा ऊर्जा, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा की गई।

केजरीवाल के खिलाफविरोध प्रदर्शन, पुलिस ने बीजेपी कार्यकर्ताओं पर वाटर कैनन का किया इस्तेमाल

(एजेंसी)

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई ने आम आदमी पार्टी (आप) के पार्षदों पर पिछले सप्ताह दिल्ली नगर निगम की बैठक में हंगामा करने का आरोप लगाते हुए इस मामले में सोमवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास के पास विरोध प्रदर्शन किया। वहीं, प्रदर्शन कर रहे बीजेपी कार्यकर्ताओं पर दिल्ली पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। भाजपा की दिल्ली इकाई के कार्यकारी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पार्टी नेता और कार्यकर्ता जमा हुए और उन्होंने आप तथा उसके संयोजक केजरीवाल के खिलाफनारे लगाये। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को चंदगीराम अखाड़ा से मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ने से रोक दिया। यह जगह केजरीवाल के सरकारी आवास से कुछ ही दूरी पर है। सचदेवा ने कहा कि दिल्ली नगर निगम के सदन में 6 जनवरी को जो कुछ हुआ, अत्यंत शर्मनाक है। आप पार्षदों ने महिलाओं समेत भाजपा पार्षदों पर हमला किया। हम आप की गुंडागर्दी का जवाब देने के लिए तैयार हैं। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि आप पार्षदों ने निगम के सदन में शोर-शराबा किया और एल्डरमैन (सदस्यों) को शपथ लेने से रोककर संविधान का अपमान किया। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के नव निर्वाचित सदन की शुक्रवार को हुई पहली बैठक हंगामेदार रही। आप पार्षदों ने उप राज्यपाल द्वारा मनोनीत 10 (एल्डरमैन) सदस्यों को पहले शपथ दिलाने का विरोध किया। इसे आप और भाजपा के सदस्य आपस में भिड़ गए, उन्होंने एक दूसरे पर कुर्सियां फेंकीं और धक्कामुक्की की। इस वजह से सदन की बैठक को महापौर और उपमहापौर का चुनाव कराए बिना ही स्थगित कर दिया गया।

रिलायंस एडीएजी के चेयरमैन अनिल अंबानी को आयकर विभाग के नोटिस पर हाईकोर्ट ने उठाए सवाल

(एजेंसी)

मुंबई । बंबई हाईकोर्ट ने रिलायंस एडीएजी के चेयरमैन अनिल अंबानी के खिलाफकर चोरी के एक मामले में आयकर विभाग की तरफ से भेजे गए नोटिस पर सोमवार को सवाल खड़ा करते हुए कहा कि काला धन अधिनियम के कुछ प्रावधान पिछली तारीख से किस तरह लागू किए जा सकते हैं। जस्टिस गौतम पटेल और जस्टिस एसजी डिगे की खंडपीठ ने अंबानी की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि कोई व्यक्ति यह किस तरह जान सकता है कि सरकार भविष्य में क्या करने वाली है। अंबानी ने इस याचिका में आयकर विभाग से भेजे गए कारण-बताओ नोटिस को चुनौती दी है। न्यायालय ने इस मामले की सुनवाई 20 फरवरी तक के लिए स्थगित करने के साथ ही अंबानी के खिलाफ कोई भी सख्त कदम न उठाने के अपने सितंबर, 2022 के आदेश को आगे के लिए बढ़ा दिया। आयकर विभाग ने 8 अगस्त, 2022 को अनिल अंबानी को 420 करोड़ रुपये की कथित कर अपवंचना के मामले में नोटिस भेजा था। इस नोटिस में अंबानी के खिलाफ काला धन कर आरोपण अधिनियम 2015 की धाराओं 50 एवं 51 के तहत अभियोग चलाने की बात कही गई थी। इन धाराओं के तहत अधिकतम 10 साल के कारावास का प्रावधान है। सुनवाई के दौरान जस्टिस पटेल ने कहा, 'कोई व्यक्ति एक निश्चित तरीके से बर्ताव करता है... फिर सरकार उसे पिछली तारीख से अपराध घोषित कर देती है।

संक्षिप्त समाचार

तस्करी करने वाला शख्स कोलकाता हवाई अड्डे से गिरफ्तार, गुटखा पाउच में ले जा रहा था डॉलर

(एजेंसी) नई दिल्ली। कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि उन्होंने एक व्यक्ति को गुटखा पाउच में छिपाकर रखी गई 4,000 डॉलर की तस्करी करने की कोशिश में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के मुताबिक, खुफिया सूचनाओं के आधार पर रविवार को इस शख्स को पकड़ा गया। एक सीमा शुल्क अधिकारी ने कहा, आव्रजन औपचारिकताओं के बाद वह बैंकॉक जाने वाला था। हमने उसे रोका और उसके सामान की तलाशी ली, तब हमने देखा कि वह डॉलर की तस्करी कर रहा था। तलाशी के परिणामस्वरूप गुटखा पाउच के अंदर छिपाए गए 4,000 डॉलर बरामद हुए। अधिकारी ने कहा कि बरामद विदेशी मुद्रा को सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 110 के तहत जब्त किया गया है। यात्री को सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 104 के तहत गिरफ्तार किया गया है।

अन्नामलाई विवि अनुसूचित जाति/जनजाति के छात्रों को मुफ्त में ड्रोन चलाने की देगा ट्रेनिंग

(एजेंसी) चेन्नई। तमिलनाडु का अन्नामलाई विश्वविद्यालय जल्द ही अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के युवाओं को मुफ्त में ड्रोन चलाना सिखाएगा, जिससे उन्हें रोजगार के अवसर प्राप्त करने में मदद मिलेगी। प्रशिक्षण अन्ना विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर एयरो स्पेस रिसर्च (सीएएसआर) द्वारा आयोजित किया जाएगा। सीएएसआर 61,000 रुपये प्रति व्यक्ति की लागत से ड्रोन प्रशिक्षण दे रहा है और एससीध्एसटी युवाओं के लिए यह कोर्स मुफ्त है। देश में ड्रोन सेक्टर फलफूल रहा है और तमिलनाडु कई उद्देश्यों के लिए ड्रोन का सफलतापूर्वक उपयोग कर रहा है। आवेदन जल्द ही आमंत्रित किए जाएंगे और ट्रेनिंग पोंगल की छुट्टियों के बाद शुरू होगा। सीएएसआर के अधिकारियों के अनुसार, प्रत्येक बैच 20 युवाओं को ट्रेनिंग देगा। छात्रों को 10 साल की वैधता के साथ अप्रूव्ड ड्रोन रिमोट पायलट लाइसेंस से सम्मानित किया जाएगा।

प्रवासी भारतीय सम्मेलन में बोले पीएम मोदी 'इंदौर स्वच्छता के साथ स्वाद की भी राजधानी'

(एजेंसी) इंदौर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इंदौर में प्रवासी भारतीय सम्मेलन में कहा कि इंदौर स्वच्छता के साथ स्वाद की भी राजधानी है। प्रधानमंत्री मोदी ने मध्य प्रदेश और इंदौर की समृद्धि की चर्चा की और यहां की खूबियों के बारे में बताया। साथ ही कहा कि लोग कहते है कि इंदौर एक शहर है, मगर मै कहता हूं कि इंदौर एक श्दौरश् है जो समय से आगे चलता है, अपनी विरासत को लेकर चलता है। इंदौर स्वच्छता के साथ स्वाद की भी राजधानी है। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां के सराफा बाजार और छप्पन दुकान का भी जिक्र किया। इसके अलावा यहां के पोहा, साबूदाने खिचड़ी, शिकंजी की भी चर्चा की और कहा कि खान पान के मामले में इंदौर लाजवाब है। इससे पहले मोदी विशेष विमान से इंदौर पहुंचे। हवाई अडडे पर राजयपाल मांगू भाई पटेल, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेशाध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी इंदौर में ब्रिलिएन्ट कन्वेन्शन सेन्टर में 17वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में शामिल होकर दोपहर दो बजकर 35 मिनट पर विमानतल से नयी दिल्ली के लिये रवाना होंगे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कर करेत्तर एवं राजस्व कार्यो की मासिक समीक्षा बैठक

संवाददाता

अंबेडकर नगर । जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन की अध्यक्षता में कर करेत्तर एवं राजस्व कार्यो की मासिक समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित किया गया। बैठक में कर करेत्तर एवं राजस्व संग्रह, भू राजस्व, वाणिज्य कर, स्टांप देय, व्यापार कर, बैंक देय, रॉयल्टी,आबकारी, परिवहन, विद्युत देय आदि की समीक्षा में जिन जिन विभागों के लक्ष्य के सापेक्ष वसूली कम पाई गई उन उन विभागों को जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देश दिया गया कि लक्ष्य के सापेक्ष वसूली में तेजी लाया जाय। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने समस्त उप जिलाधिकारीध् तहसीलदार को निर्देश देते हुए कहा कि वसूली में और तेजी लाया जाए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने समस्त उप जिलाधिकारीध् तहसीलदारध् नायब तहसीलदार को निर्देशित किया गया कि अपने कोर्ट पर नियमित रूप से सुनवाई किया जाए।जिससे लम्बित मुकदमों का यथा शीघ्र निस्तारण हो सके।बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आई. जी. आर. एस. पर डिफाल्टरध्लंबित प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सदानंद गुप्ता, अपर उप जिलाधिकारी मोहनलाल गुप्ता, समस्त उप जिलाधिकारी/ तहसीलदार/नायब तहसीलदार ,जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी, संबंधित विभाग के अधिकारी तथा राजस्व विभाग के अधिकारीध् कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहें ।

आवारा पशुओं के आतंक से किसान बदहाल,नहीं हो पा रही फसलो की रक्षा

संवाददाता

अंबेडकर नगर । प्रदेश सरकार ने भले ही प्रदेश में गोवंश को संरक्षण देने के लिए करोड़ों खर्च कर गोशालाएं बनवाई है। क्षेत्र में कुछ गोशालाओं को संचालन तो ठीक-ठाक तरीके से हो रहा है।निराश्रित गोवंश की समस्या हल होने का नाम नहीं ले रही है। सड़कों पर घूम रहे अन्ना गोवंश राहगीरों के लिए मुसीबत बन चुके हैं। छुट्टा गोवंश सड़क पर दुर्घटना के कारण बन रहे हैं। ये छुट्टा गोवंश किसानों की फसलों में घुस जाते हैं। जिससे किसान रात-रात भर फसल की रखवाली के लिए जागता है। क्षेत्र में करीब छह माह में रोड पर गोवंशों से बाइक आदि टकराकर दर्जनों लोग घायल हो चुके हैं। फसल बचाने के लिए किसानों के रात की नींद हराम हो गई है। किसान रात में सड़क किनारे एक झुंड बनाकर बैठते हैं जबकि किसान खेतों में मचान बनाकर छुट्टा मवेशियों से फसल की रखवाली करने को मजबूर हैं। हाड़कंपाऊ ठंड में किसानों के लिए फसल की रखवाली करना सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी है।शासन ने निराश्रित गोवंश की समस्या हल करने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को आदेश जारी कर रखे हैं। जितने आवारा पशु गौशाला में शरण पाए हैं, उससे कहीं ज्यादा सड़कों व खेतों में घूम रहे हैं। सड़कों पर घूमने वाले गोवंश दुर्घटना का कारण बन रहे हैं। वहीं ग्रामीण इलाकों में निराश्रित मवेशी किसानों की फसलों के लिए मुसीबत बने हुए हैं। किसान अपने खेत के आसपास रहकर फसलों की रखवाली का प्रयास कर रहे हैं। तमाम किसान खेत खलिहान में मचान बनाकर फसलों की रखवाली करने को मजबूर हैं। इससे किसान रात में भी चौन की नींद नहीं सो पा रहे हैं।

एबीवीपी सुल्तानपुर टीम से सात कार्यकर्ता प्रान्त दायित्व हेतु चयनित

संवाददाता

सुल्तानपुर ।अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद काशी प्रांत का 62वां प्रांत अधिवेशन विकास भारती के सचिव पद्मश्री श्री अशोक भगत, अभाविप की राष्ट्रीय मंत्री साक्षी सिंह, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ छगनभाई पटेल, राष्ट्रीय मंत्री हरिकृष्ण नागोथू, पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय संगठन मंत्री घनश्याम शाही जी, काशी प्रांत संगठन मंत्री अभिलाष जी , प्रांत अध्यक्षा प्रो सुचिता जी, प्रांत मंत्री अतेंद्र जी की गरिमामयी उपस्थिति में वाराणसी में संपन्न हुआ। यहाँ सुल्तानपुर जनपद से जिला संयोजक शुभेन्द्रवीर सिंह को काशी प्रान्त खेल आयाम का प्रान्त संयोजक बनाया गया, मनीषा पाल को कला मंच की प्रान्त सह संयोजक ,शशिकांत दुबे को प्रान्त कार्यसमिति सदस्य, शुभम पाण्डेय को सोशल मीडिया का प्रान्त सह संयोजक, रुद्र प्रताप को प्रान्त कार्यकारिणी सदस्य, प्रशांत सिंह प्रान्त कार्यकारिणी सदस्य, प्रतिमा प्रान्त कार्यकारिणी सदस्य घोषित की गई। सुल्तानपुर विभाग का नया संगठन मंत्री रजनीश जी को बनाया गया है। जिला संगठन मंत्री प्रकाश जी का दायित्व परिवर्तन कर अब उन्हें जौनपुर का जिला संगठन मंत्री बनाया गया है।विभाग प्रमुख डॉ संतोष अंश ने सुल्तानपुर से प्रान्त दायित्व हेतु घोषित सभी को हार्दिक शुभेच्छा देते हुए कहा कि यह परिषद हेतु इनके समर्पण और निष्ठा के साथ

परिश्रम का प्रतिफल है जो इनकी उपलब्धता प्रान्त विस्तृत रूप में प्राप्त कर परिषद की ध्येय यात्रा आगे बढ़ाना चाहता हैं। जिला प्रमुख विंदु श्रीवास्तव, तहसील प्रमुख डॉ पल्लवी तिवारी, नगर प्रमुख डॉ देवेंद्र प्रताप सिंह ने भी सभी को शुभकामनाएं दी। सुल्तानपुर से सात लोगों के प्रान्त दायित्व में जाने पर यहाँ के कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है।

महिला कांस्टेबल शीतल गुप्ता ने महिला सुरक्षा को किया जागरूक

संवाददाता

अंबेडकर नगर । बसखारी-पुलिस अधीक्षक अजीत कुमार सिन्हा एवं अपर पुलिस अधीक्षक संजय राय के निर्देश पर शहर में एंटी रोमियो स्क्वाड महिला कांस्टेबल शीतल गुप्ता ने बसखारी बाजार समेत सार्वजनिक स्थानों पर चेकिंग अभियान चलाया। महिलाओं को सुरक्षा संबंधी जानकारी दीं और मनचले तत्वों को चेतावनी दी। मिशन-शक्ति अभियान के तहत सोमवार को बसखारी में एंटी रोमियो स्क्वाड ने शहर के चौराहा, गली, मंदिरों व भीड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर चेकिंग अभियान चलाया। स्क्वाड सदस्यों ने बालिकाओं और महिलाओं

को सुरक्षा संबंधी सलाह देकर उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। बालिकाओं को यूपी पुलिस द्वारा चलाई जा रही सुरक्षा संबंधित सेवाएं जैसे विमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108 और पुलिस अधिकारियों के सीयूज नंबर के बारे में जानकारी दी।

विधुत विभाग है या गडबड झाला,विभाग में भर्ती किसी और पद के वेतन भुगतान पर और वेतन आईटीआई होल्डर का

संवाददाता

सुल्तानपुर। विधुत विभाग में भर्ष्टाचार की जड़े इतनी अन्दर तक फैली है कि जितना खोदो उतनी लम्बी नजर आती है।ये खत्म होने का नाम ही नही ले रही है।बीते दिन मीडिया ने ओरियन कंपनी के सुपरवाइजर के कारनामे से अवगत करवाया था। एक कर्मचारी से है जिस पर भरष्टाचार का आरोप लगा हुआ है।विधुत महकमे से सेवाएं समाप्त हुई, लेकिन फिर उसी महकमे में तैनाती मिल गयी।जानकारी के मुताबिक उ.प्र. पॉवर कारपोरेशन निविदा संविदा कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष आनन्द अग्रहरि के भर्ष्टाचार की शिकायत जिले में पूर्व में तैनात रहे विधुत चोरी परिवर्तन दल के दरोगा निसार अहमद ने की थी।क्षेत्र में विधुत चोरी चेकिंग के दरोगा निसार अहमद को जिलाध्यक्ष आनन्द अग्रहरि के खिलाफ विधुत चोरी करवाने व क्षेत्र में अवैध धन वसूली का आरोप लगा था।जिसकी दरोगा ने लिखित शिकायत लखनऊ मुख्यालय सहित जिले में तैनात रहे पूर्व अधीक्षण अभियंता धीरज सिन्हा से की थी।जिस पर कार्यवाही करते हुए पूर्व अधीक्षण अभियंता ने कार्यदायी संस्था ओरियन कंपनी को जिलाध्यक्ष आंनद अग्रहरि को कार्यमुक्त करने का निर्देश दिया था।प्रोजेक्ट मैनेजर रंजीत झा ने आनन्द अग्रहरि को कार्य मुक्त कर दिया था। लगभग साल भर विधुत विभाग की सेवाओं से दूर रहे आनन्द अग्रहरि ने अपनी दोबारा तैनाती के लिए अधीक्षण अभियंता कार्यालय में हाई बोल्टेज ड्रामा किया था।धरने पर संविदाकर्मियों को लेकर बैठे जिलाध्यक्ष को दोबारा विधुत विभाग में वापसी मिली थी।वही जब आनन्द अग्रहरि से दूरभाष पर दोबारा विभाग में नौकरी करने की बात की गई।तो आनन्द अग्रहरि ने विभाग में वापसी की बात को नकार दिया।वही जब अधिशाषी अभियंता लंभुआ से आनन्द अग्रहरि के विभाग में कार्य करने पर पूछा गया सवाल तो अधिशाषी अभियंता ने आनन्द अग्रहरि के गारवपुर में पोस्टिंग होने की पुष्टि कर दिया। आखिर आनन्द अग्रहरि को झूठ क्यों बोलना पड़ा।

लेखपाल व अधिवक्ता का विवाद को लेकर वकीलों ने किया चक्का जाम

संवाददाता

उतरौला(बलरामपुर)। लेखपाल व अधिवक्ताओ के बीच चल रहे विवाद को लेकर वकीलो ने सोमवार को तहसील गेट के सामने चक्का जाम कर विरोध जताया।वकीलों के न्यायालय कार्य का बहिष्कार के चलते फरियादियो को वापस लौटना पड़ रहा है। अधिवक्ता संघ अध्यक्ष वीरेन्द्र सिन्हा के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर में नारेबाजी कर चक्का जाम कर विरोध जताया और भ्रष्ट प्रशासन के विरुद्ध आर पार की लड़ाई का ऐलान किया।पूर्व अध्यक्ष मारकंडे मिश्र ने कहाकि अधिकारियों की हठ धर्मिता के चलते गरीबो को न्याय नही मिल

पा रहा है तहसील लूट का अड्डा बन चुका है।महेंद्र पांडेय ने कहाकि भ्रष्ट अधिकारियो के कारण विवाद की स्थिति बनी हुई है दर्ज फर्जी मुकदमे को समाप्त किया जाय। अधिवक्ताओ का तहसील परिसर में मागों को लेकर सातवें दिन भी क्रमिक अनशन जारी है। क्रमिक अनशन के दिन मार्कण्डेय मिश्र,मलिक नाजिर ,मो असगर ,नवीन प्रजापति,अब्दुल सत्तार, भूषण लाल,राम सागर शर्मा,रामदेव मिश्र, राम सागर वर्मा व धर्मेश तिवारी क्रमिक अनशन पर बैठे।वकीलो के आंदोलन के चलते 23 दिसम्बर से न्यायिक कार्य प्रभावित है , बबर अली इजहारुल हैं, प्रवेश गुप्त,व शमशाद चौधरी सहित अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे।

275 पेटी शराब के साथ 8 तस्कर गिरफ्तार,ट्रक में लादकर 20 लाख की शराब ले जा रहे थे तस्कर

संवाददाता

अयोध्या । अयोध्या पुलिस ने चेकिंग के दौरान आठ शराब तस्करों को पकड़ा। पुलिस ने आरोपियों के पास से 275 पेटी शराब बरामद किया है। यह कार्रवाई एसटीएफऔर पुलिस ने की। पुलिस ने बताया कि तस्कर ट्रक में डाबर की दवाओं के बीच छिपाकर ले जा रहे थे। जिले में एसएसपी मुनिराज के निर्देश पर पुलिस अपराधियों के खिलाफ अभियान चला रही है। कोतवाल मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि 275 पेटी शराब के साथ 8 तस्करों को पकड़ा है। पुलिस ने एक स्कॉर्पियो भी मिली है। उन्होंने बताया कि वाहन स्वामी को भी आरोपी बनाया गया है। आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज किया गया है। ट्रक हरियाणा से सिलीगुड़ी असम जा रहा था। जिसे बिहार में शराब को उतारना था। असम के सिलीगुड़ी का डाबर का माल ट्रक में लदा हुआ है। पुलिस अधीक्षक मधुबन सिंह ने पत्रकार वार्ता कर अयोध्या कोतवाली पुलिस और एसटीएफकी संयुक्त कार्यवाही की प्रसंशा की है। उन्होंने कहा कि अयोध्या पुलिस लगातार अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही कर उनके हौसले पस्त कर रही है। उन्होंने बताया कि शराब हरियाणा से सीतामढ़ी बिहार के लिए तस्करी करके ले जायी जा रही अवैध शराब जिसको उसके गैंग के सदस्य स्कार्पियो तथा बडे कंटेनर मे लेकर जा रहे है। इस सूचना पर को.अयोध्या,एसटीएफ व आबकारी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा लखनऊ दृ गोरखपुर हाई-वे मुख्य मार्ग पर भोला ढाबा के सामने समय प्रातरू 05.00 बजे स्कार्पियो को पकडा गया। इसके अंदर से 10 पेटी रायल जनरल ब्रांड (प्रत्येक सीसी 375 एम0एल0) तथा आठ तस्कर बैठे मिले। जिनसे पूछताछ की गयी तो इनके द्वारा बताया गया कि हम लोग एंडवांस पार्टी में चल रहे हैं हमारे पास बतौर सैम्पल माल हैस बाकी माल लेकर कंटेनर संख्या यूपी 21 बीएन 8796 आ रहा है। थोडी देर बाद वह कंटेनर भी आया जिसको आवश्यक बल प्रयोग करके रोका गया तथा बैठे हुए व्यक्तियों से नाम पता पूछने पर उनके द्वारा बताया गया कि हम लोग डाबर के उत्पादों को पैकेटो के बीच में मे हरियाणा वाली शराब को कार्टूनो के बीच मे छिपाकर तस्करी करते हुए बिहार ले जा रहे है। जिनकी निशान देही पर 265 पेटी कंटनेर मे व 10 पेटी अवैध शराब स्कार्पियो में तथा डाबर ब्रान्ड के कुल 1710 बाक्स के बीच मे उत्पाद बरामद हुए। बरामद शराब का कोई कागजात इनके पास नही मिला। डाबर के उत्पादों की बिल्टी मौजूद है। उक्त बिल्टी अम्बाला से सिलीगुडी तक डाबर का माल भरा है। अभियुक्त गणों से गहन पूछताछ की गयी तो इनके द्वारा बताया गया कि हमलोग सामूहिक रुप से 3.5 लाख रुपये मे चण्डीगढ से खरीदकर सीतामढी बिहार मे जाकर करीब 10 लाख रुपयो में बेंचते है।

ट्रक-ट्रैक्टर ट्राली में भिड़ंत, दो की मौत,एक हुआ घायल

संवाददाता, गोण्डा । जिले में कड़ाके की ठंड में गोंडा अयोध्या मार्ग पर पाण्डेय बाजार के पास पत्थर लदे ट्रक और गन्ना लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली में आमने-सामने जोरदार भिडंत हो गई। इस भीषण सड़क हादसे में ट्रक ड्राइवर अमरनाथ और ट्रैक्टर चालक राज कुमार की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। जबकि ट्रैक्टर पर बैठा दूसरा साथी केशव प्रसाद गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। सड़क हादसा उस वक्त हुआ जब एक ट्रक पत्थर लोड करके अयोध्या रोड से गोंडा की तरफजा रहा था। जबकि बहराइच जिले के बिशेसरगंज से ट्रैक्टर ट्रॉली पर गन्ना लादकर कुंदरखी बजाज चीनी मिल जा रही थी। अचानक पाण्डेयपुर बाजार के पास अनियंत्रित ट्रक गन्ना लदा ट्रैक्टर ट्रॉली से टकरा गया।टक्कर इतनी जोरदार थी की ट्रैक्टर की चपेट में आकर ट्रक ड्राइवर अमरनाथ की मौत हो गई। वही ट्रैक्टर ट्रॉली चालक जो बहराइच जिले का बताया जा रहा है। उसकी भी ट्रक की चपेट में आने से मौत हो गई। जबकि ट्रैक्टर पर बैठा अन्य साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।घटना की सूचना स्थानीय लोगो ने पुलिस को दी। तत्काल खोरहसा चौकी की पुलिस घटना स्थल पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों को जिला अस्पताल भेजा गया। जहां ट्रक ड्राइवर अमरनाथ और ट्रैक्टर ड्राइवर राज कुमार को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जबकि घायल केशव को जिला अस्पताल में एडमिट कर इलाज किया जा रहा है। जहां उसकी हालत सामान्य बनी हुई है।

महिलाओं की आधी भागीदारी हो, अपने दम पर लड़ेंगे निकाय चुनाव : ओपी राजभर

संवाददाता

बस्ती। सुभासपा की महिला हक अधिकार महारैली में राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर पहुंचे। यहां उन्होंने कहा कि महिलाओं की आबादी आधी है। इसलिए उनकी हर क्षेत्र में आधी भागीदारी होनी चाहिए। वह राजनीति के क्षेत्र में लोकसभा और विधानसभा में, सरकारी, प्राइवेट नौकरियों और शिक्षण संस्थाओं में उनकी 50 प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए। ओपी राजभर ने कहा कि महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने के लिए निरंतर आवाज उठाई जाएगी। महिलाओं को उनका अधिकार दिलाया जाएगा। कड़ाके की ठंड में भी जनता जिस उत्साह के साथ उनके साथ दिखाई दे रही है। वह पार्टी की ताकत को दर्शाता है। भोजपुरी अंदाज में रैली में शामिल लोगों से बात की। उन्हें अपने साथ जोड़ और नारे लगवाए। कहा कि शराब बन्दी की मांग को लेकर सरकार को घेरा जाएगा। महिलाएं एकजुट हुई तो प्रदेश में शराबबंदी हो जाएगी। शराब बंदी पर सवाल पूछे जाने पर ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि बिच्छू बहुत छोटा होता है, लेकिन जब डंक मारता है तो ऊंट को भी फेच्कुर आ जाता है। मंत्र बहुत छोटा होता है, लेकिन भगवान को भी बस में कर लेता है। उनका झुकाव जनता से है, शराब बंदी कैसे होगी इसकी पूरी तैयारी में पार्टी लगी है। पूर्वांचल को अलग राज्य बनाने का समर्थन किया और कहा कि पूर्वांचल की आबादी 9 करोड़ है। इसे अलग स्टेट बनना चाहिए। कहा कि निकाय चुनाव पार्टी अपने दम पर लडेगी। लोकसभा चुनाव अभी दूर है, समय आएगा तब बताएंगे कि कहां चलेंगे। अखिलेश यादव के पुलिस मुख्यालय में पुलिस अफसर से चाय की जगह जहर देने की बात पर कहा कि यह अच्छी बात नहीं है। एक तरफ सुरक्षा में पुलिस लेकर चलते हैं और दूसरी तरफ अविश्ववास करना उचित नहीं। वह अपनी सुरक्षा हटा लेते तब अविश्वास करते। यह उनको शोभा नहीं देता।

25 हजार का इनामी गिरफ्तार, रेप के मामले में था वांटेड

संवाददाता

बस्ती। जिले में दुष्कर्म के मामले में वांछित 25 हजार रुपए के इनामिया को लालगंज पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उस पर थाना क्षेत्र की एक युवती के साथ दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयास कर रही थी। जानकारी के अनुसार लालगंज थाना क्षेत्र की एक युवती इसी थाना क्षेत्र के बानपुर गांव निवासी झिनक उर्फ राजेन्द्र चौहान के साथ काम करती थी। आरोपी झिनक के पास उसका पैसा बकाया हो गया था, जिसे देने के बहाने उसने उसे बुलाया और जबरिया उसके साथ सम्बन्ध बनाए।

जब उसने विरोध जताया तो उसे मारपीट कर घायल कर दिया। उसके बकाया रूपए भी नहीं दिए। इसके बाद पीड़ित युवती ने लालगंज थाने पर तहरीर दी। तहरीर के आधार परपुलिस ने मामले में आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म, मारपीट और गबन की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया। मुकदमा दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार हो गया, उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। एसपी आशीष श्रीवास्तव ने उसकी गिरफ्तारी के लिए 25 हजार रूपए का इनाम घोषित किया था। लालगंज थाना प्रभारी महेश सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर मामले में अक्ट्बूबर 22 को सुसंगत धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। उसकी गिरफ्तारी के लिए 25 हजार रूपए का इनाम घोषित किया गया था। मुखबिर की सूचना पर उसे सोमवार को बानपुर कस्बा के पास से गिरफ्तार किया गया। आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर उसे न्यायालय के लिए रवाना किया गया है।

घने कोहरे की चादर में ढका पूरा जनपद

संवाददाता, अंबेडकरनगर। नववर्ष की शुरुवात के साथ ही मौसम ने ऐसी करवट बदली की ठंड में हुए अचानक इजाफे से लोगों की मुश्किलें बढ़ती साफ नजर आई।अचानक बढ़ी ठंड से जहां लोगों को कंपकंपाने के लिए मजबूर कर दिया, वहीं कई लोग घरों से बाहर जाना भी मुनासिब नहीं समझ रहे।सोमवार सुबह पूरा शहर कोहरे की चादर से ढका नजर आया। सुबह के समय सड़कों पर कोहरा दिखाई दिया। कुछ ही दूर खड़े वाहन नजर नहीं आ रहे थे। रोजाना मौसम का मिजाज बदलता जा रहा है।घना कोहरा होने के कारण शहरों तथा मुख्य सड़कों पर विजिबिलिटी इतनी कम थी कि महज 20-40 मीटर की दूरी तक देख पाना लोगों तथा वाहन चालकों के लिए मुश्किल हो गया था। ग्रामीण क्षेत्रों में तो कोहरे के कारण हालात और भी बुरे थे। सुबह-शाम ठंड पड़ रही है। रविवार को दिन में धूप निकलने से लोग राहत महसूस कर रहे थे। रविवार को धूप निकलने से लोगों के चेहरे खिले हुए थे परंतु सोमवार को अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। सुबह के समय सड़कों पर कोहरा छाया हुआ है।सड़कों पर चलने वाले वाहन कुछ ही दूरी पर नहीं दिखाई दे रहे हैं। हर तरफकोहरा ही कोहरा छाया है। मौसम भी काफी ठंडा हो गया है। बच्चों का स्कूल बंद होने के कारण अभिभावक राहत की सांस ले रहे हैं। दिनभर कोहरा छाए रहने का आसार दिखाई दे रहा है।वहीं लोगों ने इस कड़ाके की ठंड से निजात पाने के लिए आग तथा हीटरों का सहारा लिया।

आगामी 21जनवरी को आरबीट्रेशन वादों के निस्तारण हेतु विशेष लोक अदालत का आयोजन

संवाददाता, अम्बेडकर नगर। माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के आदेशानुसार एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों के अनुपालन में माननीय जनपद न्यायाधीश् अध्यक्ष महोदय, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अम्बेडकरनगर के आदेशानुसार दिनांक 21.01.2023 दिन शनिवार को जनपद न्यायालय, अम्बेडकरनगर में आरबीट्रेशन वादों के निस्तारण हेतु विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। उक्त विशेष लोक अदालत में ऐसे समस्त मामले जो आरबीट्रेशन निष्पादन वादों से सम्बन्धित मामले हैं और माननीय जनपद न्यायाधीश महोदय एवं अन्य अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश के न्यायालयों पर लम्बित हैं, सुलह समझौता के आधार पर निस्तारित किये जायेंगे अतरू जनपद के आमजन को सूचित किया जाता है कि दिनांक 21.01.2023 को आरवीट्रेशन के निष्पादन वादों के निस्तारण हेतु आयोजित होने वाली विशेष लोक अदालत में अपने आरबीट्रेशन वादों को सुलह-समझौता के आधार पर अधिक से अधिक संख्या में निस्तारित करवाकर आगामी विशेष लोक अदालत का लाभ उठायें।

तीन मृतक आश्रितों को डीएसओ ने दी रोजगार की सौगात

संवाददाता, सुल्तानपुर । जिला पूर्ति अधिकारी जीवेश कुमार मौर्य ने तीन उचित दर विक्रेता के निधन के बाद उनके बच्चों को रोजगार की सौगात दी है। शहर से सटे घरहां ग्राम निवासी जफर अली, अरमान अहमद निवासी चोपड़ा गली और नारायणपुर के निखिल सिंह को सस्ते गल्ले की दुकान का लाइसेंस जिला आपूर्ति विभाग में सौंपा गया है। मृतक आश्रितों को विरासत के रूप में दुकान सौंपी गई है। डीएसओ ने माला पहनाकर सभी नए उचित दर विक्रेताओं का स्वागत अभिनंदन किया। इस मौके पर उचित दर विक्रेता संघ के पदाधिकारी मनोज दुबे समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

जंगल में मिली डेड बॉडी की हुई शिनाख्त, जालंधर जा रहा था युवक

संवाददाता, सुल्तानपुर। शनिवार को बल्दीराय थाना क्षेत्र के हैधना खुर्द गांव के लकेहटा पुल के समीप जंगल में मिले शव की पहचान हो गई है।मृतक की पहचान सौरभ सिंह सोमवंशी उर्फ डब्लू (38) पुत्र उदयराज सिंह निवासी शिवनाथपुर थाना कुमारगंज अयोध्या के रूप में हुई है।मृतक घर से एक जनवरी को जालंधर जाने के लिए निकला था।मृतक तीन भाइयों में सबसे छोटा था।उसकी पत्नी जूही व एक दो वर्षीय पुत्र है।मृतक के पिता ने बताया कि बेटे का फोन घर पर छूट गया था।उदय राज सिंह मूल निवासी प्रतापगढ़ जिले के बहुचरा के है।नरेंद्र देव् यूनिवर्सिटी में सर्विस के दौरान यही घर बनाकर रहने लगे।

ग्राम प्रधानों ने प्रदर्शन कर मनरेगा के कार्यों का किया बहिष्कार

संवाददाता, उतरौला(बलरामपुर)।प्रधानों ने मनरेगा का समय से भुगतान नहीं किए जाने पर सोमवार को ब्लाक परिसर में नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री उ0प्र0सरकार को संबोधित 16सूत्रीय ज्ञापन खंड विकास अधिकारी उतरौला सुमित सिंह को सौंपा। प्रधान संघ ने ज्ञापन देकर मनरेगा में एनएमएमएस प्रणाली से हाजिरी पर रोक लगाने, मनरेगा से कराए गए सभी विकास कार्यों का शीघ्र भुगतान करने और पांच जनवरी से प्रत्येक ग्राम पंचायतों का मस्टररोल शून्य करने की मांग की है। चेताया कि मांग पूरी नहीं होने पर संगठन आरपार की लड़ाई लड़ने को बाध्य होगा। प्रधान संघ अध्यक्ष ज्ञानेंद्र वर्मा ने बताया कि शासन के ढुलमुल रवैये से सभी ग्राम प्रधान आहत है। 9 जनवरी से ब्लॉक के सभी ग्राम सभाओं में काम बंद कर हड़ताल शुरू किया जा रहा है। मांगें न पूरी होने तक हड़ताल जारी रहेगा इससे पूर्व ब्लाक सभागार में ग्राम प्रधान संघ के ब्लाक अध्यक्ष ज्ञानेंद्र वर्मा के नेतृत्व में ग्राम प्रधानों ने बैठक की। बैठक में सभी ग्राम प्रधानों ने मनरेगा के विकास कार्यों का बहिष्कार करने का निर्णय लिया। इस दौरान बहलोल नियाजी,कुर्बान अली,शहजादे हुसैन,खालिद उमर खां,मुमताज अहमद खां,छोटे सिद्दीकी,अमरनाथ वर्मा,सुधीर यादव, अवकात अली समेत अन्य ग्राम प्रधान मौजूद रहे।

डीएम के आदेश के बाद भी सुल्तानपुर जिले में खुला रहा विद्यालय

संवाददाता, सुल्तानपुर। जिले में डीएम रवीश गुप्ता ने पिछले दिनों कक्षा 1 से 8 तक 14 जनवरी तक विद्यालय को बंद करने का जहां आदेश दिया था।वही भीषण ठंड,शीतलहर व घना कोहरा को देखते हुए कल रविवार की रात सभी माध्यमिक विद्यालय को 9 और 10 जनवरी तक अवकाश घोषित किया गया था। लेकिन डीएम रवीश गुप्ता के बातों को स्कूल प्रशासन हल्के से लेता नजर आया। पूरा मामला है जिले के शास्त्री नगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल का है। जहां बंदी के आदेश के बाद भी विद्यालय प्रशासन ने विद्यालय को खोल रखा है। जिसका वीडियो व फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।अब देखना यह होगा कि भीषण ठंड शीतलहर व घना कोहरा को देखते हुए जब कड़ी चेतावनी के बाद भी विद्यालय खुला रहा तो बेसिक शिक्षा अधिकारी व डीएम रवीश गुप्ता की तरफसे इस विद्यालय पर क्या कार्रवाई की जाएगी।

कोहरे के चलते 8वीं तक स्कूल 14 जनवरी तक बंद

संवाददाता, अयोध्या। ठंड के प्रकोप को देखते हुए अयोध्या जनपद के कक्षा एक से आठ तक के सभी स्कूल 14 जनवरी तक बंद रहेंगे। बीएसए संतोष कुमार राय ने सभी स्कूलों को निर्देश दे दिए है। वहीं कक्षा नौ से कक्षा 12 तक के स्कूल सुबह दस बजे से 2 बजे तक खुलेंगे। जिन विद्यालयों में प्री बोर्ड परीक्षाओं प्रस्तावित नहीं है। ऐसे विद्यालय 14 तक बंद रहेंगे। कड़ाके की ठंड को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा राज्य के स्कूलों में अवकाश को लेकर संबंधित नोटिस जारी किया गया था। विभिन्न जिलों में जिलाधिकारियों द्वारा एक आधिकारिक नोटिस जारी किया गया है। नोटिस के अनुसार 14 जनवरी तक कक्षा 8 तक के सभी स्कूल बंद रहेंगे। बीएसए संतोष कुमार राय ने बताया कि 14 जनवरी तक सभी सरकारी और गैर सरकारी स्कूल बंद रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

संरक्षण गृह में बंदी किशोर की संदिग्ध मौत, न्यायिक जांच की सिफारिश

संवाददाता, लखनऊ। मुजफ्फरनगर जिले के एक सरकारी किशोर संरक्षण गृह में 17 साल के लड़के की संदिग्ध हालात में मौत के मामले की न्यायिक जांच की सिफारिश की गयी है। जिला परिवीक्षा अधिकारी सतीश गौतम ने बताया कि रविवार को एक सरकारी संरक्षण गृह में बंद हिमांशु (17) नामक किशोर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी थी। जिला प्रशासन ने मामले की न्यायिक जांच की सिफारिश की है।इसके लिये जिला न्यायाधीश को पत्र लिखा गया।कोतवाल आनंद देव मिश्रा ने बताया कि हिमांशु को पिछले साल हत्या के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था लेकिन नाबालिग होने के कारण 23 मई 2022 को संरक्षण गृह भेजा गया था। रविवार को हिमांशु बेसुध हालत में पाया गया था। उसे जिला अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। किशोर का शव पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है।

साहू समाज चढ़ाएगा भगवान गुरु गोरक्षनाथ को खिचड़ी भोग'

संवाददाता, लखनऊ। साहू समाज, जिला लखनऊ द्वारा महेश चंद्र साहू (साहू बंधु) वरिष्ठ उपाध्यक्ष के कार्यालय मकबूल गंज में बैठक आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता चेयरमैन राम चंद्र साहू ने की। कार्यवाहक अध्यक्ष गोविन्द साहू नई कार्यकारिणी के गठन के साथ ही आगामी कार्यक्रम 15 जनवरी भगवान गुरु गोरक्षनाथ को संक्रांति पर्व पर खिचड़ी भोग चढ़ाया जाएगा। वही महामंत्री अनुराग साहू ने बताया कि इस बार कार्यक्रम डालीगंज स्थित माधव मंदिर में आयोजित होगा जिसमे खिचड़ी भोग वितरण तथा असहाय व्यक्तियों को कंबल वितरण करने का निर्णय लिया गया। अध्यक्ष रामपाल साहू बैठक कहा कि पूरे देश के साथ पूर्वांचल में मकर संक्राति यानि की खिचड़ी का विशेष महत्व है क्योंकि मान्यता है कि गोरखपुर में भगवान गोरक्षनाथ वास करते हैं और उनका सबसे प्रिय भोजन खिचड़ी है ।

यूपी एसटीएफ ने अन्तर्राज्यीय स्तर पर अंग्रेजी शराब की तस्करी करने वाले गिरोह के 8 सदस्य गिरफ्तार

संवाददाता

लखनऊ। यूपी एसटीएफ को अन्तर्राज्यीय स्तर पर अवैध अंग्रेजी शराब की तस्करी करने वाले गिरोह के 8 सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 275 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब सहित टाटा कन्टेनर ट्रक बरामद किया गया हैं।जिनकी पहचान रुफ्ल,अकरम निवासी जिला करनाल (हरियाणा) ,सारिक ,रफाकत, चौधरी राजा,वारिस अली निवासी शामली, तालिब निवासी अमरोहा व रुफ्ल पुत्र मिन्ना निवासी ग्राम मुंडी गड़ी थाना घरौंडा जिला करनाल (हरियाणा) के रूप मे हुई है। इनकी गिरफ्तारी भोला ढ़ाबा लखनऊ-गोरखपुर नेशनल हाईवे कोतवाली, अयोध्या सुबह 5 बजे हुई हैं। एसटीएफ को सूचना मिली थी कि अन्तर्राज्यीय गिरोहों द्वारा पंजाब, हरियाणा से अवैध अंग्रेजी शराब की तस्करी उत्तर प्रदेश के रास्ते बिहार व उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में की जा रही है। इस सम्बन्ध में डॉ. राकेश कुमार मिश्र अपर पुलिस अधीक्षक एसटीएफ लखनऊ के नेतृत्व मे टीम द्वारा अवैध अंग्रेजी शराब की तस्करी करने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोहों के विरूद्ध कार्यवाही की गई है। एसटीएफटीम लखनऊ-गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मुखबिर द्वारा बताये हुये स्थान पर पहुँचकर वाहन का इंतजार करने लगे। एसटीएफ टीम द्वारा समुचित तैयारी के साथ स्थानीय आबकारी विभाग को सूचित करते हुए उक्त वाहन को भोला ढाबा थाना क्षेत्र अयोध्या कोतवाली के पास रोककर चेक किया गया। तो उक्त कन्टेनर ट्रक में डाबर प्रोडक्ट के सामान के बीच में व्यवस्थित ढ़ंग से अवैध अंग्रेजी शराब छिपाकर रखी गयी थी। जिस पर उक्त कन्टेनर ट्रक पर लदी अवैध अंग्रेजी शराब को कब्जे में लेकर 8 अभियुक्तों को मौके से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों को थाना कोतवाली जनपद अयोध्या में आबाकारी अधिनियम दाखिल कर अग्रिम विधिक कार्यवाही स्थानीय पुलिस द्वारा की जा रही है।

बाजार खाला एसीपी ने ऐशबाग लकड़ी मंडी में कंबल वितरण किया

संवाददाता, लखनऊ। ममता का पर्याय बन चुकी ममता चौरिटेबल ट्रस्ट ने ठिठुरन बढ़ी ठंड में जन कल्याणकारी कार्यों को आगे बढ़ाते हुए ऐशबाग लकड़ी मंडी में कंबल वितरण किया, ममता चैरिटेबल ट्रस्ट के चीफट्रस्टी एवं नर सेवा नारायण सेवा के पुरोधा राजीव मिश्रा ने लाभार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि हम आपके ऊपर कोई एहसान नहीं कर रहे,आप हमारे भाई बहन बेटियाँ,माताएं है हम आपके चरणों को प्रणाम कर अपील करते है कि इस शीत लहर के प्रकोप से स्वयं भी बचे और अपने परिवार को भी बचाए,जीवन अमूल्य है,ममता चैरिटेबल ट्रस्ट भरोसा दिलाता है कि रात दिन हमारे कार्यकर्ता सड़कों,चौराहों, सार्वजनिक स्थानों पर पहुंच कर जरूरत मंद की को कंबल मुहैया कराती रहेगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ऐशबाग लकड़ी मंडी के अध्यक्ष एवं ममता चौरिटेबल ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी देवाशीष देव, सहायक पुलिस आयुक्त बाजार खाला सुनील कुमार शर्मा, थाना प्रभारी अजय नारायण सिंह एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे ।

वरुण गांधी की चीनी मिलों को चेतावनी

गन्ने का बकाया भुगतान दें, नहीं तो होगा प्रदर्शन : वरुण

संवाददाता

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के पीलीभीत क्षेत्र से सांसद वरुण गांधी ने कहा है कि चीनी मिलें किसानों के गन्ने का बकाया भुगतान जल्द कर दें नहीं तो फिर प्रदर्शन का सामना करने के लिए तैयार रहें। वरुण गांधी ने अपने क्षेत्र के अर्सियाबोज गांव में एक जनसंवाद कार्यक्रम में कहा कि चीनी मिले किसानों का भुगतान तुंरत कर दे नहीं तो वो किसानों के साथ मिलों के गेट पर सभा करेंगे। इसमें स्थानीय दो चीनी मिलों का नाम विशेष तौर पर लिया है। उन्होंने देश में बेरोजगारी की स्थिति पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, एक करोड़ सरकारी पद खाली पड़े हैं, सरकार को खाली पद भरने चाहिये। किसानों ने सांसद के सामने आवारा पशुओं का मुद्दा उठाया और कहा कि आवारा पशु फसल को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसपर गांधी ने कहा कि सरकार और प्रशासन को इस समस्या का जल्द समाधान करना चाहिए। पुलिस विभाग की भी काफी शिकायतें आ रही हैं। किसानों ने एक चौकी प्रभारी की शिकायत की जिसे गांधी ने मंच से फटकार लगाई।पीलीभीत लोकसभा क्षेत्र की पांच विधानसभा सीटों में एक बरेली जिले की बहेड़ी विधानसभा सीट भी शामिल है, बाकी पीलीभीत, बरखेड़ा, पूरनपुर और बीसलपुर सीटें पीलीभीत जिले की हैं।

पुलिस मुख्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन करने वाले सपा कार्यकर्ताओ पर पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बीते रविवार समाजवादी पार्टी के नेता व सोशल मीडिया ट्विटर के हेड मनीष जगन अग्रवाल को लखनऊ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। आरोप था कि वह समाजवादी पार्टी नामक ट्विटर अकाउंट के हैंडलर है, जिससे आपत्तिजनक टिप्पणी की जा रही थी। इसी मामले में सपा नेताओं ने पुलिस मुख्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन कर दिया। जिसके चलते पुलिस ने उन पर कार्रवाई करते हुए एफ आईआर दर्ज कर ली है। बता दें कि कल यानी रविवार को मनीष जगन अग्रवाल की गिरफ्तारी के बाद समाजवादी पार्टी प्रमुख और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव लखनऊ पुलिस मुख्यालय पहुंच गए। इस दौरान यूपी पुलिस मुख्यालय के बाहर सपा कार्यकर्ताओं और नेताओं ने धरना देना शुरू कर दिया। इस धरना प्रदर्शन में सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य भी शामिल थे। नेता और कार्यकर्ता ने पुलिस मुख्यालय के गेट पर बैठ कर जमकर हो-हल्ला किया। इस दौरान पुलिस ने बताया कि प्रदर्शन के दौरान हो-हल्ला कर रहे इन तमाम नेताओं और कार्यकर्ताओं ने धारा 144 लागू होने के बाद भी इसका उल्लंघन किया है। जिसके बाद पुलिस ने इनके खिलाफ मामला दर्ज किया। इसी को लेकर अब खबर सामने आ रही है कि पुलिस ने समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिए है। बता दें कि यह एफआईआर पुलिस ने पुलिस मुख्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन करने के मामले में की है। नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफधारा 144, बिना इजाजत धरना देने समेत अन्य धाराओं में भी दर्ज किया है। यह एफआईआर सुशांत गोल्फ सिटी थाने में दर्ज की गई है।

सेना के मेजर की कार में आग लगायी, मामला दर्ज

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के पॉश इलाके गोमती नगर के विशाल खंड में होटल में डीजे बजाने से मना करने पर कथित तौर पर कुछ लोगों ने सेना के मेजर के घर के सामने खड़ी कार में आग लगा दी। अपर पुलिस उपायुक्त अली अब्बास के मुताबिक, पुलिस ने इस घटना में दो नामजद और चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और उनकी तलाश कर रही है।

पुलिस ने बताया कि विशाल खंड में रहने वाले मेजर अभिजीत सिंह के घर के पास होटल मिलानो कैफे है। आरोप है कि रविवार देर रात कैफे में तेज आवाज में डीजे बज रहा था। इस पर मेजर ने कैफे संचालकों से डीजे बंद करने को कहा। लेकिन संचालाकों ने उनकी बात नहीं सुनी और मेजर और कैफे संचालकों के बीच कहासुनी हो गयी। बाद में पुलिस के हस्तक्षेप के बाद डीजे बंद हो गया। पुलिस को दी गयी शिकायत के मुताबिक मेजर का आरोप है कि डीजे बंद हो जाने के बाद वह घर आकर सो गए। सुबह साढ़े तीन बजे उनकी पोर्टिको में आग की लपटें नजर आईं। उनकी कार जलती हुई मिली। जब तक वह आग पर काबू पाते, उनकी कार पूरी तरह से जल चुकी थी। अपर पुलिस उपायुक्त अब्बास ने बताया कि मेजर अभिजीत सेना में कार्यरत हैं और आजकल छुट्टियों में अपने घर आये हुए हैं। मेजर की तहरीर के अनुसार, सोमवार सुबह करीब तीन बजे कुछ नवयुवकों ने उनकी गाड़ी का शीशा तोड़ा और उसमें आग लगा दी। तत्काल पुलिस और अग्निशमन विभाग की गाड़िया मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। थाना गोमतीनगर में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में होटल के दो कर्मचारियो के खिलाफ नामजद व चार अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश की जा रही हैं।

घुमंतू गिरोह की दस्तक से पुलिस अलर्ट

लखनऊ में डीजीपी ने गशत बढ़ाने के दिए निर्देश, 10 साल की घटनाओं के संदिग्धों पर रखें नजर

संवाददाता

लखनऊ। यूपी डीजीपी देवेंद्र सिंह चौहान ने शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों में घुमंतू गिरोह (बावरिया, कच्छा बनियान) के अपराध और अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा है कि ठंड का मौसम आते ही घुमंतू गिरोह की सक्रियता बढ़ जाती है। इससे निपटने के लिए पुराने मामलों को संज्ञान में लेते हुए अलर्ट मोड पर आ जाए। सभी जिले के अधिकारी स्थानीय थानेदार के संग गशत करने के साथ संदिग्ध लोगों का सत्यापन का काम शुरू करें। डीजीपी ने सभी जिले के पुलिस अधिकारियों से कहा है कि सर्दियों में रात्रि के समय घुमक्कड़, बावरिया, कच्छा बनियानधारी अपराधियों की गतिविधियां बढ़ जाती है। इनकी रोकथाम के लिए पुरानी घटनाओं की समीक्षा के आधार पर हॉट स्पॉट चिह्नित करते हुए गशत शुरू करने के साथ संदिग्ध लोगों की धर पकड़ तेज की जाए। इसके लिए विशेष तौर पर रात की गशत सुबह तक नियमित कराई जाए। इस दौरान हूटर, सायरन, फ्लैश लाइट का प्रभावी प्रयोग किया जाए। पुलिस ने सर्दियों में लूटपाट की घटनाओं की रोकथाम के लिए गशत शुरू कर दी है। साथ ही ग्राम-मोहल्ला सुरक्षा समितियों को भी एक्टिव किया है। जिससे किसी भी प्रकार की घटना होने पर पुलिस सक्रिय हो सके। साथ ही संदिग्ध लोगों के विषय में जानकारी मिलते ही कार्रवाई हो। डीजीपी के आदेश मिलते ही पुलिस अलर्ट मोड पर आ गई है। इसके चलते ग्रामीण इलाकों, रेलवे पटरी किनारे, झोपड़ पट्टी और किराये पर आने वालों लोगों के सत्यापन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। घुमंतू गिरोह के बदले रूप ने बढ़ाई पुलिस की चुनौती। घुमंतू गिरोह ने समय के साथ अपने अपराध का तरीका बदला है। यह लोग बस्ती में किराए पर कमरा लेकर आस-पास के लोगों से घुल मिल जाते हैं और रात को घटनाओं को अंजाम देते। बावरिया, कच्छा-बनियान जैसे घुमंतू गिरोहों के अपराध करने का तौर तरीका बेहद खतरनाक है। मूल रूप से राजस्थान के भरतपुर इलाके की यह जनजाति घटना के वक्त हिंसा करते हैं। यह लोग हथियारों की जगह लोहे की राड का इस्तेमाल करते है और विरोध पर इसी से हमला करते है। वारदात को अंजाम देने के लिए वह लोकल स्तर पर पिकअप, टेंपो और आटो किराये पर लेकर घूमते हैं। जिससे चेकिंग या पुलिस के रोके जाने पर ड्राइवर मैनेज कर सके। साथ ही यह लोग अब जींस और टी शर्ट पहनकर घूमते है जिससे इन पर कोई शक न कर सके। घुमक्कड़ अपराधियों के ठहरने के ठिकानों विशेष रूप से शहर, कस्बों के बाहरी इलाकों, रेलवे लाइन एवं सड़कों के आस-पास लगे अस्थायी टेन्टो पर चेकिंग करायी जाए। रेलवे स्टेशन के आस-पास, कालोनियों में जीआरपी के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर गशत, चेकिंग की कार्यवाही प्रभावी रूप से की जाये। लावारिस वाहन, एकान्त व सूनसान इलाको में खड़े वाहनों की प्रभावी चेकिंग होगी। रात्रि में शराब ठेकों, ढाबों इत्यादि के पास भी संदिग्धों की चेकिंग होगी। विगत 10 वर्षो में इस प्रकार के अपराधों में संलिप्त रहे अपराधियों को सूचीबद्ध करते हुये उनके सत्यापन की कार्यवाही हेतु अभियान चलाया जाए। गैंग का गैंगचार्ट तैयार कर नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। इन अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोलने की कार्यवाही भी की जाये ताकि इनकी निगरानी हो सके।

दो साल में रोडवेज की दो दर्जन से ज्यादा बसें हुई खाक

जो हैं, उनमें भी अनेक खस्ताहाल, रुट पर रवानगी से पूर्व बस की टेक्निकल जांच की जरूरत

संवाददाता

लखनऊ। रोडवेज बसों के बेड़े को बढ़ाने की बात खूब हो रही हैं लेकिन जो हैं उनकी ही दशा ठीक नही कही जा सकती है। किसी के शीशे टूटे तो किसी के हॉर्न नही बॉडी की आवाज इतनी ज्यादा कि हॉर्न बजाने की जरूरत नहीं। बारिश छत ऐसे टपकती हैं जैसे छत छलनी हो। परिवहन निगम की मंशा है कि निगम की 25 फीसदी बसें हो और अनुबंधित बसें 75 फीसदी हो। इस बाबत प्रस्ताव और मसौदा रेडी है, मंजूरी मिली तो यह फार्मूला लागू हो जायेगा।हालांकि ज्यादातर रोडवेज कर्मी इसके पक्ष में नही है। रोडवेज कर्मचारी कल्याण संघ के अध्यक्ष डीके त्रिपाठी ने तो यहाँ तक कहा कि यह निजीकरण की दिशा में ही रखा जाने वाला कदम है। इससे कर्मचारियों और निगम दोनों का नुकसान होगा। प्रदेश में रोडवेज बसों का बेड़ा भले ही काफी बड़ा है लेकिन, उसकी खस्ता हालत किसी से छिपी नहीं है। जो बसें चलने लायक नहीं है, उन्हें भी दौड़ाया जा रहा है। जो निगम की सम्पति है, उसकी समुचित देखरेख न होने के कारण क्षति हो रही है। बीते दो साल में दो दर्जन से ज्यादा बसे जलकर खाक हो गई। कारण कुछ भी हो, निगम की क्षति हुई। 24 माह में रोडवेज की 25 बसों में आग लगी। यात्रियों को किसी तरह से शीशा तोड़कर निकाला गया। अभी इन बसों से जल्द निजात मिलने की उम्मीद नहीं है। राजधानी के करीब ही नवंबर व दिसंबर माह में उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की दो बसों में आग लग चुकी है। 28 नंवबर को अयोध्या रोड पर चिनहट के आगे कैसरबाग डिपो की जनरथ बस में चलती बस में आग लग गई। यात्रियों को जैसे-तैसे उतारा गया। इस घटना में लखनऊ क्षेत्र के सेवा प्रबंधक सहित तीन निलंबित हुए हैं। 11 दिसंबर को बंथरा में आजाद नगर डिपो की चलती बस में आग लगी। फोरमैन सहित अन्य पर कार्रवाई हुई है। चित्रकूट क्षेत्र में आग की घटनाएं ज्यादा होने पर कार्रवाई हुई है। शार्ट सर्किट से 13 बसे जली। डीजल टैंक डैमेज होने व वाहन की टक्कर से दो-दो बसें सड़कों पर स्वाहा हो गईं। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने 29 दिसंबर को परिवहन निगम की समीक्षा की थी उसी में मामले सामने आये। मंत्री ने सात दिसंबर को निर्देश दिया था कि खस्ताहाल बसों को बेड़े से हटाएं। एमडी संजय कुमार पांच प्रतिशत बसों को हटाने का आदेश दे चुके हैं।मिली जानकारी के मुताबिक मेरठ क्षेत्र मे एक,सहारनपुर दो,अलीगढ़ तीन, मुरादाबाद एक,इटावा तीन, कानपुर दो, लखनऊ एक,गोरखपुर एक,वाराणसी दो,चित्रकूट पांच,देवीपाटन एक और नोएडा क्षेत्र में एक बस जलकर खाक बनी है। 13 बार बसों में शॉर्ट सर्किट होने के कारण आग लगी। शार्ट सर्किट होना तो दुर्व्यवस्था की ओर ही इशारा करता है। मिली जानकारी के मुताबिक आगरा, गाजियाबाद, बरेली, झांसी, अयोध्या, प्रयागराज, आजमगढ़ और हरदोई में आग की कोई घटना नहीं हुई लेकिन अन्य कोई क्षेत्र ऐसा नहीं, जहां बसे जलकर बर्बाद न हुई हो। यदि डिपो या वर्कशॉप से प्रॉपर चेकिंग के बाद बस की रुट पर रवानगी की जाये तो शायद घटनाओं में कमी लाई जा सके। जो बसे अनुबंधित हैं, उनकी भी हालत की पड़ताल निगम प्रशासन की जिम्मेवारी है। कई बार अनुबंधित बसों में भी शीशे नदारद और छत टपकती है, मगर यात्रियों को सफर करना पड़ता है।

भारतीय परंपरा में विज्ञान विषय' पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

संवाददाता

लखनऊ। रसायन विज्ञान विभाग नवयुग कन्या महाविद्यालय लखनऊ व विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में 'भारतीय परंपरा में विज्ञान विषय' पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में प्रो.पी के मिश्रा, ए.के. टी.यू के कुलपति प्रो. पी. के मिश्रा डा. आर के सिंह, प्राचार्य रामेश्वरम इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड ट्रेनिंग अतिथि वक्ता के रूप में उपस्थित रहें। विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के क्षेत्र संयोजक प्रो. जयशंकर पांडे एवम प्रांत अध्यक्ष प्रो. रजनी रंजन सिंह जी, उपाध्यक्ष डा. सुभाष मिश्रा एवम प्रदेश सचिव डा. मंजुल त्रिवेदी उपस्थित रहें। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. मंजुला उपाध्याय एवं अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं बी. एस. सी. की छात्रा आयुषी शर्मा के मंत्रोच्चारण से किया गया। तत्पश्चात बी.एस सी द्वितीय वर्ष की कीर्ति रस्तोगी द्वारा सरस्वती वंदना पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया गया। माननीय कुलपति प्रो. मिश्र ने भारतीय विमर्श में पर्यावरण पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया किस प्रकार मनुष्य अपनी लोभी, महत्वकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रकृति एवं प्राकृतिक संसाधनों का दोहन कर रहा है। उन्होंने प्रदूषणों के विभिन्न कारणों पर प्रकाश डालते हुए चमड़ा उद्योग, कृत्रिम सौंदर्य प्रसाधन उत्पाद एवं जीव जंतुओं को मारने से पर्यावरण पर होने वाले हानिकारक प्रभावों के विषय में जानकारी दी। तथा उन्होंने वेस्ट इज वेल्थ के दृष्टिकोण को निरर्थक बताया।उन्होंने भारतीय परिप्रेक्ष्य में किस प्रकार पुरातन समय से अपने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर जोर दिया गया है उसको उन्होने कई संस्कृत मंत्रों द्वारा पंच तत्वों के संरक्षण के महत्व को समझाया। उन्होंने वैश्विक स्तर पर यूरोपीय देशों में किस प्रकार से केवल मनोरंजन हेतु जीव-जन्तुओं को मारे जाने का उदाहरण दिया। उन्होंने अपने व्याख्यान के अंत में वृक्षारोपण, जल संरक्षण, दैनिक अपशिष्ट के पुन: चक्रण का को अपनी दिनचर्या में शामिल करने पर जोर दिया। मरना सबको है, मरना कोई नहीं चाहता खाना सबको है, उगाना कोई नहीं चाहता। इन पंक्तियों के साथ प्रो. मिश्र ने अपने व्याख्यान का समापन किया। द्वितीय सत्र में डा. आर के सिंह द्वारा भारतीय परंपरा, धार्मिक विधि विधान एवं प्रतीकों के वैज्ञानिक कारणों की पृष्ठभूमि को समझाया जैसे उगते सूर्य को जल देना, जनेयु धारण करना, कर्ण छेदन, सिंदूर, बिछिया, एवम चूड़ी धारण करने के महत्व एवं प्रभाव के विषय में बताया।

अधिवक्ताओं का कार्य बहिष्कार शुरू

तीन दिनों तक नहीं करेंगे प्रशासनिक कार्य

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के मोहनलालगंज कोतवाली में अधिवक्ताओं पर दर्ज एफआईआर के विरोध में वकील आज से संघर्ष तेज करेंगे। तीन दिन के लिए राजधानी के वकीलों ने कामकाज ठप कर विरोध जताया। इस दौरान तहसीलों से लेकर राजधानी तक पुलिस प्रशासन का पुतला भी फूंका। यही नहीं, पुलिसकर्मियों पर एफआईआर के लिए वकील कोर्ट की शरण में हैं। मोहनलालगंज में दो वकीलों को हवालात में पीटने का आरोप लगाकर विरोध प्रदर्शन करने को लेकर पुलिस ने 300 वकीलों पर एफआईआर दर्ज कर दी। जिसके विरोध में राजधानी के वकीलों ने पुलिस के विरुद्ध मोर्चा खोल रखा है। महापंचायत के जरिए पुलिसकर्मियों पर एफआईआर और पुलिस अधिकारियों को हटाने की मांग कर चुके राजधानी के वकीलों ने मोहनलालगंज बार एसोसिएशन भवन में बैठक कर न्याय के लिए संघर्ष तेज करने का बिगुल फूंक दिया है। यूपी बार काउंसिल के सदस्यों की अगुवाई में राजधानी की समस्त बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने यह फैसला लिया है कि आज यानी सोमवार से बुधवार तक सभी तहसील और कलेक्ट्रेट में कामकाज ठप रहेगा। वकीलों ने रजिस्ट्री और सभी तरह के प्रशासनिक कार्य से विरत रहने की बात कही। जबकि बुधवार को समूची राजधानी में वकील प्रशासनिक के साथ ही न्यायिक कार्य का भी बहिष्कार कर पुलिस प्रशासन का पुतला दहन करेंगे। वकीलों ने पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज कराने के लिए कोर्ट में मुकदमा करने की बात तय की है। साथ ही यूपी बार काउंसिल के सदस्यों की अगुवाई में राजधानी की समस्त बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों की संयुक्त संघर्ष समिति बनाई गई है। जो कि आंदोलन तेज करने की रणनीति तय करेगी। बैठक में बार काउंसिल के सदस्य परेश मिश्र सेण्ट्रल बार एसोसिएशन के महामंत्री बृजेश यादव लखनऊ बार एसोसिएशन के महामंत्री कुलदीप नारायण मिश्र व अध्यक्ष सुरेश पाण्डेय तथा मोहनलालगंज बार एसोसिएशन के महामंत्री रामलखन यादव व अध्यक्ष कौशलेन्द्र शुक्ल केपी यादव, राजीव त्रिपाठी, शिव मोहन सिंह समेत अन्य पदाधिकारी व सैकड़ों वकील मौजूद रहे।

मारपीट के बाद लगा देते थे नशे का इंजेक्शन

मानव तस्करो के चंगुल से छूटी किशोरी की दास्तान सुन कांप जाती रूह

संवाददाता

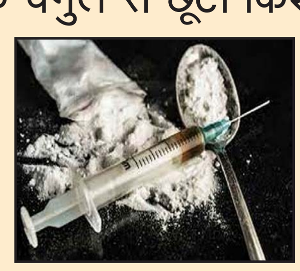

लखनऊ। एटा में मानव तस्करों के चंगुल से रिहा किशोरी की दर्दभरी कहानी सुन रूह कांप जाती है। उसने कहा कि गिरोह के लोगों के द्वारा उसे बंधक बनाकर रखा जाता था। जब किशोरी चीखती-चिल्लाती तो उसे नशीला पदार्थ खिलाकर घंटों तक बेहोश रखा जाता।करीब दो माह से इस तरह की यातनाएं झेल रही थी। किशोरी ने कहा कि उसे बचने की कोई उम्मीद ही नहीं थी उसे बस मौत का इंतजार था। पीड़िता की ओर से दिए गए बयान के बाद पुलिस ने मामले में कई गंभीर धाराओं को बढ़ाया है। रायपुरवा की 14 वर्षीय किशोरी 9 नवंबर को अपने घर से नाराज होकर कही चली गई थी। रास्ते में उसे एटा की रहने वाली पूजा नाम का महिला मिली। पीड़िता ने बताया कि पूजा ने बातचीत में उसका विश्वास जीता और मदद का आश्वासन दिया। इसके बाद वह अपने पति की मदद से किशोरी को अगवाकर ले गई। किशोरी को बदायूं निवासी नत्थूलाल को 50 हजार रुपए में बेंच दिया गया। नत्थूलाल और उसके लड़के ने किशोरी को कई दिनों तक बंधक बनाकर रखा। पीड़िता को लगातार यातनाएं दी जा रही थीं। रायपुरवा एसओ की ओर से दी गयी जानकारी के अनुसार पीड़िता को किसी तरह से नत्थूलाल का मोबाइल मिल गया और उसी के जरिए उसने परिजनों को जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों की मदद से उसे मुक्त करवाया। मामले को लेकर एसओ ने जानकारी दी कि पीड़िता छेड़छाड़ की बात कह रही है। आरोपी नत्थूलाल का बेटा उसके साथ अभद्रता करता था। उसी ने जबरन उसे शादी करवाने के लिए भी तैयार किया था। पुलिस ने मामले में पॉक्सो एक्ट, नशीला पदार्थ खिलाने और मारपीट समेत कई धाराओं को बढ़ाया है। इस मामले में नत्थूलाल के बेटे को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा। उसका मेडिकल भी करवाया जाएगा। पुलिस का कहना है कि पीड़िता ने अभी तक दुष्कर्म जैसी कोई बात नहीं बताई है। यदि वह इस संबंध में बयान देती है तो जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ उसकी धारा बढ़ाई जाएगी।

सम्पादकीय

जैन समाज की सुनो...

मेरी सभी धर्मों में आस्था है। क्योंकि ईश्वर एक है उसके पास पहुंचने के अलग-अलग रूप हैं। वैसे भी जैन धर्म नहीं, सही मायने में जीवन जीने की पद्धति है। जियो और जीने दो, परोपकार करो, अहिंसा पर चलो। बेशक मैं ब्राह्मण परिवार से हूं, क्षत्रिय परिवार में शादी हुई, मेरी मां ने गुरुद्वारे में चालीया सुख-सुख कर भाई मांगा और 5 साल उसे सरदार ही रखा और जिस घर में रहते थे उस घर में एक तरफब्रह्मकुमारी का स्थान था, दूसरी तरफ जैनियों का घर था और तीसरा घर गुप्ता परिवार का था, तो शुरू से सभी धर्मों के संस्कारों को लेकर चल रही हूं। विशेषकर जैन समाज को मैं बहुत मानती हूं। बहुत से जैन गुरुओं का आशीर्वाद प्राप्त है, इसलिए उनकी आस्था को भी समझती हूं। आज जैन समाज का सरकार से जो अनुरोध है उसे सरकार को जरूर सुनना चाहिए और उनकी आस्था को समझना चाहिए। यही नहीं जहां भी कोई भी किसी धर्म का तीर्थ स्थान है उसे आप तीर्थ पर्यटन घोषित कर वहां पर मांस, शराब या कोई और तरह की गंदगी को बैन कर जुर्म घोषित करना चाहिए। क्योंकि किसी भी तीर्थ स्थान से लाखों-करोड़ों लोगों की आस्था जुड़ी होती है।विशेषकर श्री सम्मेद शिखरजी झारखंड के गिरिडीह में पारसनाथ या पार्श्वनाथ पहाड़ी पर स्थित है। इस पहाड़ी का नाम जैनों के 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ जी के नाम पर पड़ा। जैन धर्म के 24 तीर्थंकरों में 20 तीर्थंकरों सहित असंख्य जैन संतों व मुनियों ने निर्वाण प्राप्त किया था इसलिए जैन समुदाय के लिए यह स्थल सबसे पावन स्थलों में से एक है। इतना ही नहीं पहाड़ पर 25 मंदिरों में जैन तीर्थंकरों के चरण चिन्ह मौजूद हैं। इस पहाड़ी की तराई में स्थित मधुबन में कई प्राचीन मंदिर हैं, इसलिए जैन समाज चाहता है कि यह उनकी आस्था का केन्द्र है। यह कोई पर्यटन स्थल नहीं। पर्यटन स्थल घोषित होने पर लोग मांस-मदिरा का सेवन कर सकते हैं, जिससे पवित्रता भंग होगी। इसलिए इस 0-25 कि.मी.घ्दायरे को पवित्र स्थल घोषित किया जाए। इसलिए मेरा मानना है कि जैन समाज को सुनना चाहिए और उनकी मांग को पूरा करना चाहिए। इसके साथ-साथ देश के हर धार्मिक स्थान पर ऐसे नियम लागू होने चाहिएं कि किसी भी धार्मिक स्थान की पविघ्त्रता पर विशेष ख्याल रखना चाहिए। श्री सम्मेद शिखरजी सिद्ध भूमि है जिसका एक-एक कण पूजनीय है, इसलिए इसे पवित्र तीर्थ क्षेत्र घोषित करना ही चाहिए। अगर भारत की संस्कृति, संस्कार जीवित हैं तो ऋषि-मुनियों और संतों के कारण हैं। जैन समाज को मेरा हमेशा नमन है। माथा टेकती हूं। सर्दी-गर्मी, तूफान में संत पैदल चलते हुए एक समय का आहार लेते हुए एक स्थान से दूसरे स्थान संस्कृति और संस्कारों का उपदेश देते हैं। कितना तप है इनके जीवन में कितना कठिन निस्वार्थ जीवन व्यतीत करते हैं। हजारों-लाखों लोग इनके अनुयायी हैं। यह समाज अहिंसक और शांतिप्रिय है। इनकी मांग भी बहुत ही जायज है और शांति प्रिय तरीके से रख रहे हैं।मेरी हाथ जोड़ कर विनती है कि किसी भी धर्म की आस्था को कायम रखना हमारा सबका परम धर्म है। विशेषकर जब इस सरकार द्वारा सभी धर्मों की रक्षा हो रही है, विशेषकर हिन्दू धर्म के स्थानों को विशेष महत्व और उनको उनका वैभव मिल रहा है। आज हर हिन्दू को गर्व है कि वह हिन्दोस्तानी हैं। मुझे याद है कि एक समय ऐसा भी आया था जब अश्विनी जी को आर्टिकल लिखना पड़ा था कि क्या इस देश में हिन्दू होना गुनाह है? अब वो हालात नहीं हैं, सरकार सबकी सुनती और रक्षा करती है तो इसलिए मेरी प्रार्थना है कि इनकी आवाज, इनकी मांग को सुनना चाहिए। सभी संतों के साथ बैठकर इसको जल्दी ही सुलझाना चाहिए। लेख लिखते-लिखते संज्ञान में आया कि पर्यावरण वन एवं पर्यटन मंत्रालय ने दो पेज के एक पत्र के माध्यम से झारखंड सरकार को आदेश दिए कि श्री सम्मेद शिखरजी को पर्यटक स्थल बनाने पर रोक लगा दी गई है। अब जैन समाज के इस पवित्र क्षेत्र में किसी भी प्रकार की मांस, शराब की बिक्री एवं अन्य अवांछित गतिविधि नहीं हो सकेगी। केन्द्र सरकार ने तीन वर्ष पूर्व जारी घ्किया गया आदेश वापिस ले लिया है। पवित्र जैन स्थल पर कोई अवांघ्छनीय गतिविधि न हों इसके लिए भी केन्द्र सरकार ने एक निगरानी समिति गठित कर दी है। सचमुच यह ऐलान सुखद भरा है, जैन समाज के इस धार्मिक स्थल को लेकर मोदी सरकार के प्रति जहां देश, विशेष रूप से जैन समाज प्रसन्न है, वहीं मैं लेखनी के माध्यम से इस जागरूक एवं कर्त्तव्यनिष्ठ सरकार के प्रति आभार व्यक्त करती हूं।

निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार को स्थानीय निकाय चुनावों में ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर राहत मिल ही गई। सुप्रीम कोर्ट ने योगी सरकार के हक में फैसला देते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाते हुए तीन महीने तक निकाय चुनावों कोटाल दिया है। इन तीन महीनों में पिछड़ा वर्ग आयोग आरक्षण की रिपोर्ट पेश करेगा और तब जाकर चुनाव होंगे। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ओबीसी आरक्षण रद्द करते हुए योगी सरकार से कहा था कि वह आरक्षण के बिना तत्काल शहरी निकाय चुनाव कराएं। उत्तर प्रदेश में विपक्षी दल इस मुद्दे पर योगी सरकार को घेरने का हरसम्भव प्रयास कर रहे थे और आरोप लगा रहे थे कि सरकार ओबीसी को आरक्षण देना ही नहीं चाहती। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा ने विपक्ष से हथियार छीन लिया है। निकाय चुनावों में ओबीसी आरक्षणपर न केवल उत्तर प्रदेश में बल्कि बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान में भी पेच फंस चुका है। आरक्षण का प्याला एक ऐसा अमृत प्याला बन चुका है जिसे हर राजनीतिक दल पी लेना चाहता है। कोई भी राजनीतिक दल इस मुद्दे को छोड़ना नहीं चाहता।उत्तर प्रदेश के नगर निकायों का कार्यकाल 19 जनवरी तक समाप्त हो रहा है और राज्य में 760 निकायों में चुनाव होना है। गत 5 दिसम्बर को योगी सरकार ने चुनाव को लेकर आरक्षण की अधिसूचना जारी की थी लेकिन कुछ लोग इसके घ्खिलाफ हाईकोर्ट पहुंच गए। हाईकोर्ट में याचिकाकर्ताओं की तरफसे दलील दी गई घ्कि योगी सरकार ने आरक्षण के लिए सुप्रीम कोर्ट के ट्रिपल टैस्ट फार्मूले का इस्तेमाल नहीं किया है। ट्रिपल टैस्ट दरअसल आरक्षण का त्रिस्तरीय मूल्यांकन है। दो वर्ष पहले महाराष्ट्र में नगर निकाय चुनावों को लेकर जब पेच फंसा था तब सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि अगर कोई राज्य सरकार, नगर निकाय चुनाव में ओबीसी वर्ग के लिए सीटें आरक्षित करना चाहती हैं, तो उससे पहले उसे एक डेडिकेघ्टेड ओबीसी कमीशन का गठन करना पड़ेगा, ताकि राज्य मेंघ् पिछड़ेपन को लेकर जानकारी जुटाई जा सके। आरक्षण की व्यवस्था इस तरीके से की जाए कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी को मिलाकर 50 फीसदी से ज्यादा आरक्षण की सीमा का उल्लंघन ना हो। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में साफ तौर पर कहा है कि स्थानीय निकाय चुनाव में पिछड़े वर्ग को आरक्षण तभी दिया जा सकता है जब सरकार ट्रिपल टैस्ट कराए। सरकार को यह पता लगाना चाहिए कि किस वर्ग को पर्याप्त राजनीतिक प्रतिनिधित्व नहीं मिल रहा है। महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में भी ऐसे ही चुनाव की घोषणा करने के बाद रोक लगा दी गई थी, जिसके बाद मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान ने ओबीसी के आंकड़े को पेश किया था, इसके बाद शहरी चुनाव हो सके थे। इसी संबंध में पटना हाईकोर्ट का मानना था कि बिहार में नगर निकाय चुनाव में ओबीसी और ईबीसी वर्ग को आरक्षण देने की जो व्यवस्था बनाई गई थी, वह सुप्रीम कोर्ट के आरक्षण के ट्रिपल टैस्ट से जुड़े दिशा-निर्देशों के खिलाफ था। ऐसे में पटना हाईकोर्ट ने राज्य निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया था कि वह नगर निकाय चुनाव पर रोक लगाए और ओबीसी वर्ग के लिए जो सीटें आरक्षित की गई थीं, उन्हें सामान्य वर्ग की सीटें घोषित करें। इसके बाद राज्य सरकार ने 19 अक्तूबर, 2022 को अति पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन किया। इसका उद्देश्य सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुसार आरक्षण की अनुशंसा करना था। दरअसल ट्रिपल टैस्ट आधारित आरक्षण में पहले चरण में सरकार को एक समर्पित आयोग का गठन करना होता है जो यह तय करना है कि आरक्षण देने से लाभार्थियों पर क्या असर पड़ेगा जिसके लिए आरक्षण का दायरा बढ़ाया जाएगा। क्या उसे इसकी जरूरत है भी या नहीं? आरक्षण को लेकर कानूनी दांव पेच चलते रहते हैं। निकाय चुनावों का सीधा संबंध आम जनता से होता है क्योंघ्कि जन्म प्रमाण पत्र से लेकर मृत्यु प्रमाण पत्र तक बनाने का काम स्थानीय निकाय ही करते हैं।

लोकतंत्र के मर्यादा मार्ग पर कदमताल की वेला

नरेश कौशल

अभी हाल ही में हरियाणा विधानसभा के शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन विधानसभा में जो शायराना मंजर सामने आया, उसने लोकतंत्र के मुरीदों में जहां सुखद अहसास पैदा किया वहीं निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को मर्यादा की सीमाओं में रहकर व्यवहार करने के हमारे पूर्वजों के उच्च मूल्यों की एक मिसाल भी पेश की। अवाम के तमाम जरूरी मुद्दों पर बहस हुई। एक तरफ सरकार के मुखिया मनोहरलाल खट्टर मोर्चा संभाले हुए थे तो दूसरी तरफ पूर्व मुख्यमंत्री तथा कांग्रेस के सीनियर लीडर भूपेंद्र सिंह हुड्डा। एक बार तो ऐसा लगा कि विधानसभा ही शायराना मिजाज की हो गई है। फिर चला सिलसिला हल्के-फुल्के अंदाज में शे'र-ओ-शायरी का। हल्के-फुल्के माहौल में शायराना अंदाज में खूब तंज भी कसे गये मगर जुबां में तल्खी न थी। मुद्दे जरूरी थे, अंदाज सलीकेदार थे मगर कड़वाहट न थी। ऐसे में सवाल ये पैदा हुआ कि देश की दूसरी विधानसभाओं और संसद में जनता के नुमाइंदों में ऐसी सोच क्यों नजर नहीं आती। क्या जरूरी है कि ऊंची आवाज में ही बात कही जाये? जरूरी है कि हर बात में तल्खी नजर आए? नये साल की नई सुबह खुशनुमा अहसासों की उम्मीद जगाती आई है। यह बात भी पक्की है कि साल तो आते जाते रहते हैं। फिर नये सवाल सामने आते हैं और उनसे जूझना हमारी नियति होती है। बीत गया साल भी ऐसे कई सवाल छोड़ गया है, जिनके जवाब आने अभी बाकी हैं। हम दुनिया की सबसे बड़ी जम्हूरियत हैं। इसके साथ ही सबसे बड़ा सवाल हमारे सामने आता है कि क्या हमारे नुमाइंदे इस बड़े लोकतंत्र के हिसाब से आचार व्यवहार करते हैं? क्या उनकी कथनी और करनी एक जैसी है? उनमें ऐसे गुण हैं कि हम अपने बच्चों से कह सकें कि तुम बड़े होकर फ्लां नेता जैसा बनना? यहां राजनीति में लगातार बढ़ रहे दागी लीडरों की संख्या का सवाल नहीं है। सवाल आम जनता के बीच से होकर गुजरता है। जब मुल्क आजाद हुआ तब कहीं भी ऐसे हालात न थे। अच्छे बुरे नेता हर दौर में होते हैं। आजादी के बाद के कुछ सालों तक तो स्वतंत्रता आंदोलन की कोख से पैदा हुए लीडरों ने सामाजिक जिंदगी में तमाम तरह की मिसालें पेश की थीं। मगर धीरे-धीरे मर्यादा में गिरावट का दौर तेजी पकड़ता रहा, जो अब थमने का नाम नहीं ले रहा है। देश की संसद से लेकर विधानसभाओं में विधायकों में मारपीट के तमाम किस्से बार-बार सामने आते रहे हैं। उत्तर प्रदेश में सपा व भाजपा के विधायकों की मारपीट के कई किस्से हम सबने सुने हैं। पिछले साल मार्च में बंगाल विधानसभा में भी विधायकों के बीच मारपीट का मामला सामने आया था। वहां बीजेपी और तृणमूल कांग्रेस के विधायकों में जमकर मारपीट हुई थी, जिसके बाद पांच विधायकों को सस्पेंड कर दिया गया था। ऐसी ही कई घटनाएं बिहार विधानसभा में भी हुईं। सवाल ये है कि अवाम के नुमाइंदे उनकी तरक्की और भलाई के लिये चुने जाते हैं तो लड़ाई झगड़ा किस लिये? लीडरों का यही आचरण जनता का भरोसा खोने की वजहबनता है। सही बात तो ये है कि देश की राजनीति आज इतनी बदरंग हो गई है कि जनता उसे भरोसे के काबिल नहीं समझती। एक समय था जब राजनीति में उसूलों को तरजीह दी जाती थी। एक बार संसद में पंडित नेहरू ने अपनी गलती का अहसास होने पर जनसंघ नेता श्यामा प्रसाद मुखर्जी से माफी मांगी थी। अटल बिहारी वाजपेयी देश के हाजिर-जवाब और बेबाक लीडर थे। विपक्ष में रहते हुए वे सरकार की नीतियों पर तीखे हमले बोलते थे। एक मौके पर पंडित नेहरू ने किसी से पूछा, ये तेजतर्रार लड़का कौन है? ये विपक्ष में क्या कर रहा है, हमारे साथ क्यों नहीं है? ऐसे ही जब पहली बार अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार एक वोट से गिरी तो उन्होंने जोड़तोड़ से सरकार बनाने की बजाय नये सिरे से चुनाव में जाने का मन बनाया। ऐसा ही वाकया नरसिम्हा राव की सरकार के दौर में हुआ जब कश्मीर के मुद्दे पर भारत की बात को जोरदार ढंग से रखने के लिये अटल बिहारी वाजपेयी को संयुक्त राष्ट्र की बैठक में भेजा गया। वहीं इससे पहले जब वर्ष 1971 में भारत ने बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में बदलावकारी भूमिका निभाई तो कुछ विपक्षी लीडरों ने इंदिरा गांधी के फैसले की आलोचना की। तब अटल बिहारी वाजपेयी ने उन्हें दुर्गा की संज्ञा देकर जिम्मेदार विपक्ष की मिसाल पेश की थी। ऐसे ही 1962 के युद्ध में जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने सैनिकों के लिये मददगार भूमिका निभाई तो पंडित नेहरू ने उनकी सराहना की थी। भारत की राजनीति में पहले ऐसे तमाम वाकये हुए हैं जब बड़े नेताओं ने बड़प्पन दिखाया। दुर्भाग्य से हाल के वर्षों में लीडरों ने अपनी साख को खोया है। उसकी वजह उनकी कथनी और करनी में फर्क होना है। वे अच्छे दिनों का सपना दिखाकर सत्ता में तो आ जाते हैं मगर अच्छे दिन का अहसास अवाम को नहीं होता। ज्यादा दूर जाने की जरूरत नहीं हैकृ दिल्ली के रामलीला मैदान में व्यवस्था बदलने के लिये जो आंदोलन अन्ना हजारे की रहनुमाई में चला, उसका हश्र सबने देखा। देश में एक उफान था कि व्यवस्था बदलने वाली है। भ्रष्टाचार के खिलाफजीरो टोलरेंस की नीति अब एक हकीकत बनेगी। अन्ना तो घर लौट गये मगर उस जनता की भावनाओं के उफान को अरविंद केजरीवाल ने लपक लिया। फिर केजरीवाद का जो दौर चला उसका किस्सा सबके सामने है। बदलाव के लिये जो नये नेता अरविंद केजरीवाल के साथ जुड़े थे वे एक-एक करके अलग होते गये। वे सुप्रीम लीडर हो गये और बाकी तीसमार खां निकलते गये। धीरे-धीरे सुप्रीम कोर्ट के प्रतिष्ठित वकील प्रशांत भूषण, सामाजिक कार्यकर्ता योगेंद्र यादव, आनन्द कुमार केजरीवाल का साथ छोड़ते गये। बाद में कवि कुमार विश्वास भी अलग हो गये। बाकी रह गया तो केजरीवाद। दुनिया के कई एक मुल्कों में लोकतंत्र कायम है और वहां की मिसालें भी काबिले तारीफहैं। पिछले दिनों ब्रिटेन की राजनीति में आला दर्जे की लीडरशिप नजर आई। ब्रिटेन में कंजरवेटिव पार्टी की लीडर व प्रधानमंत्री लिज ट्रस को जब लगा कि वह हुकूमत चलाने की स्थिति में नहीं हैं और जनता के भरोसे पर खरी नहीं उतर सकी हैं तो उन्होंने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। उनके जाने से एक भारतवंशी ऋषि सुनक को प्रधानमंत्री बनने का मौका मिल गया।

हल्द्वानी में फौरी राहत

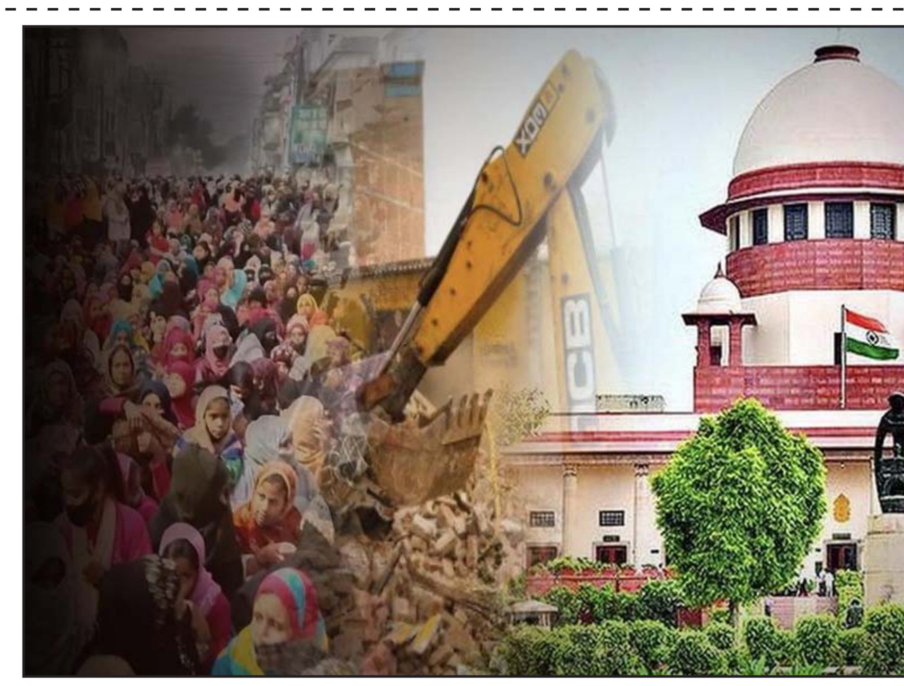

उत्तराखंड के हल्द्वानी में रेलवे की जमीन पर अतिक्रमण के नाम पर 4 हजार परिवारों को उनके आशियाने से बेदखल करने के आदेश पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला उन पचास हजार लोगों के लिए बड़ी राहत है, जो अपना घर बचाने के लिए कड़कड़ाती ठंड में प्रदर्शन कर रहे थे। यह फैसला इस बात की याद भी दिलाता है कि प्रशासन केवल किताब में लिखी इबारत पर आंख मूंद कर नहीं चल सकता। अगर कानूनी और प्रशासनिक अधिकार इंसानियत की कसौटी पर खरे न उतर सकें, तो वे बेमानी हैं। गौरतलब है कि हल्द्वानी के बनभूलपुरा इलाके की गफूर बस्ती, ढोलक बस्ती व इंदिरा कालोनी में 2016-17 में रेलवे और जिला प्रशासन ने एक संयुक्त सर्वे किया था और उसके बाद 4365 संपत्तियों को अतिक्रमण बताया था। रेलवे का कहना है कि उसके पास मौजूद पुराने नक्शे, 1959 का नोटिफिकेशन, 1971 का रेवेन्यू रिकॉर्ड और 2017 के सर्वे के नतीजों के मुताबिक यह जमीन उसकी है। रेलवे ने नैनीताल हाईकोर्ट से कहा था कि कोई भी अतिक्रमणकारी उस जमीन पर दावा करने के लिए कोई कानूनी दस्तावेज पेश नहीं कर सका। हाईकोर्ट ने इस मामले में सभी पक्षों को सुनने के बाद रेलवे के पक्ष में फैसला सुनाते हुए दिसंबर में आदेश दिया था कि 28 एकड़ जमीन से अतिक्रमण हटाया जाए। लेकिन रेलवे ने जिन संपत्तियों को अतिक्रमण बताकर हटवाना चाहा, वे केवल ईंट-पत्थर के निर्माण नहीं हैं। इसमें 4365 मकान, तीन सरकारी स्कूल, 11 निजी स्कूल, 10 मस्जिद, 12 मदरसे, एक पब्लिक हेल्थ सेंटर और एक मंदिर भी है। गफूर बस्ती व ढोलक बस्ती में ऐसे हजारों लोग हैं, जो कई पीढ़ियों से यहां रह रहे हैं और कई लोग ऐसे हैं जो रोजी-रोटी की तलाश में हल्द्वानी आए और यहीं के होकर रह गए। इन हजारों परिवारों ने गाढ़ी कमाई से अपने ऊपर छत का इंतजाम किया। लेकिन हाईकोर्ट के एक फैसले से उनके सामने जिंदगी-मौत का सवाल आ खड़ा हुआ। यही वजह है कि दिसंबर-जनवरी की सर्दी में जब लोग आराम से रजाई में दुबके रहना चाहते हैं, हल्द्वानी के इस इलाके में छोटे बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग सभी अपने घरों को बचाने सड़कों पर दिन-रात बैठे हुए थे। जवाब दो, हमारे भविष्य का क्या होगा। जवाब दो, हमारे साथ भेदभाव क्यों, ऐसे नारे लिखी तख्तियों को लेकर ये लोग सड़कों पर बैठे रहे, ताकि इनके घरों पर बुल्डोजर न चले। वैसे भी भाजपा के शासनकाल में बुल्डोजर इंसाफ का नया प्रतीक बन चुका है। राज्य की भाजपा सरकार ने इस मामले में जिस तरह की बेरूखी दिखलाई है, वो काफी हैरान करने वाली है। किसी राज्य के पचास हजार लोगों पर एकदम से बेघर होने की तलवार लटक जाए, तो कायदे से मुख्यमंत्री को सबसे पहले उन लोगों के पास पहुंच कर उन्हें राहत पहुंचाने, दिलासा देने की कोशिश करना चाहिए। यह भरोसा दिलाना चाहिए कि वे उनके साथ अन्याय नहीं होने देंगे। मगर इस इलाके के लोगों का कहना है कि राज्य सरकार के नुमाइंदों ने अदालत में उनके हक की पैरवी नहीं की। लोगों का कहना है कि इसे अतिक्रमण कहा जाना पूरी तरह गलत है क्योंकि यहां पर वे लोग सालों से रह रहे हैं और किसी भी कीमत पर अपने घरों को बचाएंगे। लोगों की सरकार से नाराजगी जायज है, क्योंकि हजारों मकान, स्कूल और धार्मिक स्थल रातों-रात खड़े नहीं हुए हैं जब ये सब बन रहे थे, तब प्रशासन क्यों अकर्मण्य बना रहा, यह सवाल उठेगा ही। जानकारी के लिए बता दें कि बनभूलापुर बस्ती की तरह इस राज्य की 582 बस्तियों पर अतिक्रमण के कारण कार्रवाई का खतरा है, क्योंकि 2016 में नियमावली बनने के बावजूद किसी भी बस्ती का नियमितीकरण नहीं हुआ। उस वक्त चुनाव से पहले हरीश रावत सरकार ने मलिन बस्तियों को नियमित करने के लिए सख्त दिशानिर्देश जारी किए थे। लेकिन ज्यादातर बस्तियां नदी-नाले या वनभूमि पर बनी थीं, तो नियमित नहीं हो पाई। फिर 2018 में अवैध निर्माण पर हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाई तो भाजपा सरकार ने कानून बनाकर इन बस्तियों को तीन साल के लिए राहत दे दी। लेकिन बनभूलापुर मामले में हाईकोर्ट के आदेश से हजारों जिंदगियों पर संकट आ गया था। हल्द्वानी के कांग्रेस विधायक सुमित ह्रदयेश व कुछ अन्य पक्षकार इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे और अदालत से जल्द सुनवाई करने की गुहार लगाई थी। जिस पर अब सुप्रीम कोर्ट ने रेलवे और उत्तराखंड सरकार से कहा है कि यह एक मानवीय समस्या है इसलिए इस मामले में व्यावहारिक समाधान निकालें। अब इस मामले में अगली सुनवाई 7 फरवरी को होगी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश से बनभूलपुरा के लोगों को फौरी तौर पर राहत जरूर मिली है और फिलहाल यह मामला कुछ दिनों के लिए शांत हो गया है। लेकिन इस मुद्दे का अंजाम क्या होगा, ये भविष्य के गर्भ में छिपा है। हल्द्वानी मामले में सरकार और प्रशासन का लचर रवैया और आम जनता के सरोकारों से बेपरवाही ही चिंता की बात नहीं है। बल्कि इस मामले को जिस तरह सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की गई, क्योंकि यहां अल्पसंख्यकों की तादाद अधिक है, यह पहलू भी काफी दुखद है। राहुल गांधी ने लालकिले के भाषण में कहा था कि मीडिया दिन-रात हिंदू -मुस्लिम करता रहता है, उनकी ये बात हल्द्वानी में भी सही दिखाई दी। क्योंकि कुछ चौनल इस मामले को लव जिहाद की तर्ज पर जमीन जिहाद दिखाने से बाज नहीं आए। हजारों लोग रातों-रात सड़क पर आ जाते, स्कूलों के टूटने से बच्चों के भविष्य पर असर पड़ता, मेहनत से बनाए घरों को मिट्टी में मिलने देख बुजुर्ग खून के आंसू रोते, इन बातों से बेफिक्र मीडिया के एक धड़े को इसमें भी धार्मिक विवाद से टीआरपी बढ़ाने का मौका दिखाई दिया। यह मामला अब टल गया है, लेकिन क्या मीडिया का पक्षपातपूर्ण रवैया खत्म होगा, ये सोचने की बात है।

राजस्थान में कांग्रेस दो सत्ता में लौटना है तो बदलनी होगी अपनी रणनीति

रमेश सर्राफधमोरा

आज बूथ से लेकर ग्राम इकाई, ब्लॉक इकाई व जिला संगठन में काम करने वाले अधिकांश पदाधिकारियों को सत्ता में कोई भागीदारी नहीं मिल पाई है। जो जमीनी स्तर पर काम करने वाले लोग हैं। कार्यक्रमों में दरिया बिछाते हैं। पार्टी के लिए मरने मारने पर उतारू रहते हैं।राजस्थान में अगले विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दलों ने अपनी चुनावी तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं। प्रदेश में सत्तारुढ़ कांग्रेस पार्टी, मुख्य विपक्षी दल भाजपा, तिकोनी टक्कर बनाने में जुटी बसपा, आम आदमी पार्टी, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, असदुद्दीन ओवैसी की ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन, वामपंथी दल, भारतीय ट्राइबल पार्टी सभी अगले विधानसभा चुनाव में सत्तारुढ़ होने का सपना देख रहे हैं। कांग्रेस के नेता जहां फिर से सरकार रिपीट करवाने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं भाजपा सरकार बनाने की अपनी बारी का इंतजार कर रही है। अन्य राजनीतिक दल इन दोनों ही दलों को पटखनी देकर अगली सरकार बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाना चाहते हैं। राहुल गांधी की राजस्थान में 18 दिनों तक चली भारत जोड़ो पदयात्रा को मिले जन समर्थन से कांग्रेस गदगद नजर आ रही है। वहीं भाजपा गहलोत सरकार के खिलाफप्रदेश में निकाली गई जनाक्रोश यात्राओं में ज्यादा भीड़ नहीं जुटा पाने से हताश नजर आ रही है। अन्य राजनीतिक दलों के नेता भी अपना प्रभाव बढ़ाने के प्रयास में लगे हुए हैं। सांसद असदुद्दीन ओवैसी भी राजस्थान के कई जिलों की यात्राएं कर जनमानस का मूड टटोल चुके हैं। बसपा भी अपने जर्जर संगठन को एक बार फिर नए सिरे से खड़ा करने का प्रयास कर रही है। आम आदमी पार्टी भी सभी 200 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने की घोषणा कर चुकी है। राहुल गांधी की पदयात्रा राजस्थान में आठ जिलों से होकर गुजरी थी। उस दौरान प्राय: सभी छोटे-बड़े नेताओं ने राहुल गांधी से मिलकर उन्हें अपने विचारों से अवगत करवाया था। राहुल गांधी ने सभी की बातें बड़े ध्यान से सुनी थीं। बहुत से लोगों ने राहुल गांधी को गहलोत सरकार की कई खामियों के बारे में भी बताया था। जिनको लेकर राहुल गांधी ने यात्रा के अंतिम दिन अलवर में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित अन्य प्रमुख नेताओं के साथ एक बैठक कर सभी बातों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की व प्रदेश में जो समस्याएं हैं उनका समाधान निकालने के लिए भी मुख्यमंत्री को कहा था। राजस्थान कांग्रेस में सितंबर महीने में चले राजनीतिक घटनाक्रम के बाद पार्टी की फूट खुलकर सड़कों पर आ गई थी। मगर राहुल गांधी की यात्रा के बाद कांग्रेस एक बार फिर से एकजुट नजर आने लगी है। अजय माकन के इस्तीफे के बाद पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा को राजस्थान कांग्रेस का नया प्रभारी बनाया गया है। वह भी प्रदेश में लगातार दौरे कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं से फीडबैक ले रहे हैं तथा पार्टी में आपसी एकता कायम करने की दिशा में काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अगली बार फिर से सरकार रिपीट करने को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा है कि आने वाला बजट पूरी तरह किसानों व गरीबों को समर्पित होगा। गहलोत सरकार द्वारा वोट बटोरने के लिये अगले बजट में कई लोक लुभावनी घोषणाएं भी की जाएंगी।कांग्रेस पार्टी के सभी बड़े नेता बढ़-चढ़कर दावा कर रहे हैं कि प्रदेश में कई हजार लोगों को राजनीतिक नियुक्तियां दी गई हैं। जिनकी बदौलत पार्टी को अगले चुनाव में बड़ी सफलता मिलेगी। मगर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित कांग्रेस के सभी बड़े नेता इस बात को भूल जाते हैं कि राजनीतिक नियुक्तियों में जिनको बड़े पद दिए गए हैं वह सभी पार्टी के बड़े नेता हैं। अधिकांश बड़े पदों पर विधायकों, पूर्व सांसदों, पूर्व विधायकों व संगठन में बड़े पदों पर रहे नेताओं को ही समायोजित किया गया है। आम जनता के बीच रहकर रात दिन पार्टी के लिए काम करने वाले उन कार्यकर्ताओं को क्या मिला जो बूथों पर जाकर पार्टी के पक्ष में वोट डलवाते हैं तथा विपक्षी दलों के लोगों से झगड़ा तक करते हैं। आज बूथ से लेकर ग्राम इकाई, ब्लॉक इकाई व जिला संगठन में काम करने वाले अधिकांश पदाधिकारियों को सत्ता में कोई भागीदारी नहीं मिल पाई है। जो जमीनी स्तर पर काम करने वाले लोग हैं। कार्यक्रमों में दरिया बिछाते हैं। पार्टी के लिए मरने मारने पर उतारू रहते हैं। रात दिन कांग्रेस के नाम की माला जपते हैं। वैसे लोगों का राजनीतिक नियुक्तियों में कहीं भी नाम नहीं है। राजनीतिक नियुक्तियों में उन्हीं लोगों को पद मिले हैं जो मौजूदा विधायकों या बड़े नेताओं के नजदीकी रहकर चापलूसी की राजनीति करते हैं। जो लोग सत्ता की दलाली करते हैं। वह जोड़ तोड़ कर सरकारी पदों पर आसीन हो जाते हैं। जबकि नीचे के स्तर पर काम करने वाले आम कार्यकर्ताओं को कोई भी नहीं पूछता है। कांग्रेस पार्टी में जब तक ग्रास रूट वर्कर को महत्व नहीं मिलेगा तब तक किसी भी स्थिति में फिर से सरकार नहीं बना पाएगी। सत्ता की मलाई खाने वाले अधिकांश नेता अपने राजनीतिक स्वार्थ के चलते मौका देखकर दल बदलने में भी देर नहीं लगाते हैं। जबकि जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं के मन में पार्टी के प्रति भावना कूट-कूट कर भरी रहती है और वह किसी भी स्थिति में पार्टी को नहीं छोड़ते हैं। उन्हीं जमीनी कार्यकर्ताओं के बल पर आज भी कांग्रेस पार्टी पूरे देश में टिकी हुई है। राजस्थान में भाजपा की स्थिति भी बहुत अच्छी नहीं कही जा सकती है। राजस्थान में गुटों में बंटी भाजपा गुटबाजी के दलदल में फंसी हुई है। यहां हर बड़े नेता का अपना गुट बना हुआ है। हर बड़ा नेता अपने को अगला मुख्यमंत्री मानकर चल रहा है। ऐसे में संगठन के स्तर पर भाजपा की हालत बहुत खराब हो रही है। लगातार सत्ता में रहने के कारण भाजपा कार्यकर्ताओं में भी चापलूसी हावी होती जा रही है। संगठन में कई ऐसे लोगों को बड़े पदों पर बैठा दिया गया है जो अपने गांव में पंच का चुनाव भी नहीं जीत सकते हैं। आपसी गुटबाजी के चलते ही भाजपा द्वारा प्रदेश में निकाली गई जन आक्रोश यात्राओं को उतना समर्थन नहीं मिल पाया जितना मिलना चाहिए था। पार्टी के ग्रास रूट के कार्यकर्ता अपनी उपेक्षा से क्षुब्ध होकर घर बैठ गए हैं। जोड़-तोड़ कर पद हासिल करने वाले लोगों के पास जनसमर्थन नहीं है। इसी कारण पार्टी के कार्यक्रम लगातार फेल हो रहे हैं। अब भाजपा में भी पैसों की राजनीति हावी होने लगी है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे व उनके समर्थक संगठन से अलग राह पर चल रहे हैं। जिससे जनता में अच्छा संदेश नहीं जा रहा है। आम आदमी पार्टी का प्रदेश में अभी कुछ भी प्रभाव नहीं है। नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी पर जातिवाद का ठप्पा लगा हुआ है। जिसे हटाये बिना पार्टी बड़ा जनाधार नहीं बना सकती है। बहुजन समाज पार्टी की प्रदेश में विश्वसनीयता समाप्त हो गई है। हर बार पार्टी के जीते विधायक दल बदल कर दूसरे दलों में शामिल हो जाते हैं। इससे बसपा को वोट देने वाले वोटर खुद को ठगा महसूस करते हैं। वामपंथी दलों का राजस्थान में आधार समाप्त हो गया है। प्रदेश की आदिवासी बेल्ट में पिछली बार भारतीय ट्राइबल पार्टी के दो विधायक जीते थे। मगर सत्ता सुख के चक्कर में उनकी विश्वसनीयता समाप्त हो गई है। असदुद्दीन ओवैसी मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। उनके प्रत्याशियों से सीधे भाजपा उम्चुनाव आते ही प्रदेश में कुकुरमुत्तों की तरह नेताओं की फौज खड़ी हो जाएगी। हजारों लोग मेरा विधानसभा क्षेत्र मेरा विधानसभा क्षेत्र लिखकर सोशल मीडिया पर कैंपेन चलाएंगे। मगर चुनाव बीत जाने के बाद पांच साल तक उनका कोई ठिकाना भी नहीं रहता है। प्रदेश की जनता को बिना किसी के प्रलोभन में आए ऐसी सरकार बनानी चाहिए जो ईमानदारी से आम जन की सेवा कर सके। तभी प्रदेश के आम लोगों का भला हो पाएगा।

मानव सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है : जनपद न्यायाधीश

अपर जिला जज अपर्णा तिवारी ने बुजुर्गों को कंबल दिये

संवाददाता

शाहजहाँपुर। विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन जनपद न्यायाधीश भानु देव शर्मा की अध्यक्षता में विनोबा सेवा आश्रम बनतारा में आयोजित किया गया। इस अवसर पर शिविर में मौजूद बुजुर्गों को अपर जिला जज अपर्णा तिवारी द्वारा कंबल का वितरण किया गया। वृद्धजनों के अधिकारों के बारे में बताते हुए जनपद न्यायाधीश भानु देव शर्मा ने कहा कि आप लोग अपने आपको असहाय न समझें, मानव सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। सचिव/अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश पीयूष तिवारी ने प्राधिकरण के उद्देश्यों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी, उन्होंने शिविर को संबोधित करते हुए आगामी 11 फरवरी को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में बताया कि अदालत में अपराधिक शमनीय वाद, धारा 138 पराक्रम्य लिखत अधिनियम, प्री–लिटिगेशन बैंक वसूली वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकाएं पारिवारिक वाद, श्रम वाद, भूमि अधिग्रहण वाद, राजस्व वाद, भारतीय उत्तराधिकार एवं जल आदि से संबंधित वादों का निस्तारण अधिक से अधिक संख्या में सुलह समझौते के आधार पर किया जाता है, जिसका लाभ उठाएं। तहसीलदार सदर भानु प्रताप सिंह ने वृद्धावस्था पेंशन व सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। गुलिस्ता खान पैनल लॉयर ने घरेलू हिंसा, वृद्धजनों के अधिकार के बारे में बताया। अमित सक्सेना सुलह अधिकारी सदर ने सुलह समझौते पर जोर दिया। विनोबा सेवा आश्रम के संस्थापक रमेश भैया व विमला बहन द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया। संचालन लोक अदालत लिपिक मोहम्मद अफ़ज़ल ने किया।

अभ्युदय में हुआ वर्कशॉप का आयोजन

संवाददाता

शाहजहाँपुर। गांधी फैजाम कालेज में उत्तर प्रदेश सरकार के यूपीएससी कोचिंग कार्यक्रम में इतिहास विषय की एक दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसमें बोलते हुए प्रशिक्षक डॉ. विकास खुराना ने कहा कि अब इतिहास का आधार धर्म से हट कर अर्थ पर केंद्रित हो गया है। इसी आर्थिक आधार पर इतिहास की घटनाओं का कार्य कारण संबंध ढूंढने का प्रयास किया जाता है। मुगल साम्राज्य के पतन के कारणों की विवेचना करते हुए उन्होंने कहा कि शुरुआती इतिहासकार बस औरंगजेब आलमगीर को इसका जिम्मेदार मानते हुए प्रश्न से इति श्री कर लेते थे किंतु अब इस प्रश्न के उत्तर में आर्थिक, शैक्षणिक पृष्ठभूमि तथा सांस्कृतिक विफलता की चर्चा बहुतायत में की जाती है। ठीक उस समय जब यूरोप पूर्णजागरण के फलस्वरूप तकनीकी के क्षेत्र में नित्य नए आयाम गढ़ रहा था, भारत में शेख अहमद सरहिंदी जैसे धर्म गुरु गणित और विज्ञान की शिक्षा के विरुद्ध थे। जिसके कारण तोपखाने कभी सशक्त नही बन पाए। कोर्स कॉर्डिनेटर डॉ. तारिक ने कहा कि यूपीएससी के लिए तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को यह समझना चाहिए कि तुलनात्मक अध्ययन ही अच्छा विकल्प है और मेहनत करके टारगेट तक पहुंचा जा सकता है। सहायक कोर्स कार्डिनेटर डॉ. स्वप्निल यादव ने कहा कि अभ्युदय कोचिंग के अंतर्गत विभिन्न विषयों की वर्कशाप का आयोजन समय समय पर किया जाता है ताकि संबंधित विषय के कांसेप्ट क्लियर हो सकें। वर्कशॉप में विद्यार्थियों के लिए एक प्रश्नकाल का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर दिव्यांशी मिश्रा, कमलेश अवस्थी, कामरान, अनमोल, हर्ष, संध्या, लविश इत्यादि अनेक छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

पूरनपुर में फरवरी से शुरू हो रहे एमएलए विंटर कप सीजन के मैच

संवाददाता

पूरनपुर। भाजपा विधायक के सहयोग से पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र के खिलाड़ियों के लिए विशाल ग्राउंड तैयार किया जा रहा है। मिलेनियम वर्ल्ड स्कूल में 15– 20 फरवरी से प्रतियोगिताएं शुरू हो जाएंगी। इसके साथ ही 26 जनवरी तक फ्रेंचाइजी ली जा सकती है। भाजपा विधायक बाबूराम पासवान ने मिलेनियम वर्ल्ड स्कूल में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र के खिलाड़ियों को ग्राउंड उपलब्ध कराने के लिए फरवरी से क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजन कराने की तैयारी है। डे नाइट मैच में पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मौका मिलेगा। आयोजन में 20 टीमें खेलेंगी और उनको मिलेनियम बर्ड स्कूल का ग्राउंड उपलब्ध होगा। भाजपा विधायक के पुत्र ऋतुराज पासवान और मिलेनियम वर्ल्ड स्कूल के एमडी मनराज मंडेर ने बताया कि आईपीएल की तर्ज पर सभी मैच खेले जाएंगे और फाइनल मैच जीतने वाली टीम को 151000 का पुरस्कार दिया जाएगा। क्रिकेट टूर्नामेंट में उपविजेता टीम को एक लाख नगद राशि का पुरस्कार मिलेगा और सेमीफाइनल टीम को 25– 25 हजार की पुरस्कृत राशि दी जाएगी। क्रिकेट कोच अमन वर्मा और सहायक अजय रात्रा और मनीष कुमार ने बताया कि एमएलए विंटर कप सीजन वन के ट्रायल फार्म 12 जनवरी से उपलब्ध होंगे। उन्होंने बताया कि पूरनपुर विधानसभा से ताल्लुक रखने वाले सभी खिलाड़ी इन मैच में भाग ले सकते हैं।

जंगल किनारे पहुंचे पालतू कुत्ते को रेंजर ने मारी गोली, मची खलबली

संवाददाता, पूरनपुर। जंगल किनारे पहुंचे पालतू कुत्ते पर रेंजर ने फायर झोंक दिया। इससे वह गंभीर रुप से घायल हो गया। घटना को लेकर क्षेत्र में खलबली मच गई। कुत्ता स्वामी सहित कई लोगो ने मौके पर पहुंचकर हंगामा काटा। मामले की तहरीर पुलिस को दी गई है। तहसील क्षेत्र के गांव रायपुर मुस्तकिल रामपुर से कुछ ही देरी पर पीलीभीत टाइगर रिजर्व की माला रेंज का जंगल है। गांव के ही रजवंत सिंह का पालतू कुत्ता जंगल की तरफ पहुंच गया। आरोप है रेंजर विजय कुमार ने कुत्ते को गोली मार दी। घटना को लेकर कुत्ता मालिक ने ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंचकर नाराजगी जाहिर कर जमकर हंगामा काटा। पेट में लगी गोली आर पार हो गई। इस दौरान ग्रामीणों की रेंजर सहित अन्य वनकर्मियों से तीखी नोकझोक भी हुई। मामल की वीडीयों भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इसमें रेंजर जंगल में घुसकर वन्यजीवों को नुकसान पहुंचने पर कुत्ते को गोली मारने की बात कह रहे हैं। घायल कुत्ते को उपचार के लिए माधोटांडा के पशु चिकित्सालय में भर्ती कराया है। इस मामले में कुत्ता मालिक ने रेंजर के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। ग्रामीण का कहना है कुत्ता नहर किनारे टहल रहा था। इसी बीच रेंजर ने उसको गोली मार दी। रेंजर ने बताया ग्रामीण का पालतू कुत्ता जंगल की सीमा में घुसकर कई वन्यजीवों को नुकसान पहुंचा चुका है।

आगामी 10 जनवरी को पीलीभीत सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पद का चुनाव निर्धारित किया गया है

संवाददाता

पीलीभीत। चुनावी तैयारियों के बीच अधिवक्ता जीत के जतन करते दिखाई दे रहे हैं। पीलीभीत सेंट्रल बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव में चार वरिष्ठ अधिवक्ताओं के बीच मतदान होना है। पीलीभीत के धुरंधर अधिवक्ताओं में शामिल और पूर्व अध्यक्ष रहे शिव शर्मा, अशोक बाजपेई व कुलविंदर सिंह के अलावा घनश्याम कश्यप चुनाव मैदान में हैं। निर्वाचन अधिकारी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता जीएस मोहन ने बताया कि आगामी 10 जनवरी को ही मतदान के बाद अध्यक्ष की घोषणा कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इस बार वार्षिक चुनाव में 229 अधिवक्ता मतदान के लिए तैयार हैं।

चुनावी तैयारियों के बीच धुरंधर अधिवक्ताओं में चुनाव प्रचार जारी

महासचिव की दौड़ में अधिवक्ता विवेक अवस्थी, विमल कुमार सिंह और विकारूल हसन शामिल है। कोषाध्यक्ष के लिए अधिवक्ता कामरान बेग, राहुल शर्मा और अशोक भारती नामांकन करा चुके हैं। इसके साथ ही वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में अधिवक्ता संतोष कुमार मिश्रा को निर्विरोध चुना गया है और कनिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए अधिवक्ता परमिंदर सिंह, दिनेश वर्मा, निशांत सिंह और शरद त्रिवेदी भी निर्विरोध चुने गए हैं। इनके साथ ही सहायक सचिव प्रकाशन के पद पर अधिवक्ता भूपेंद्र यादव और सहायक सचिव प्रशासन के लिए अधिवक्ता जागीर सिंह यादव को निर्विरोध चुना गया । दो सदस्य भी निर्विरोध चुने गए है जिसमें एक मनीष वर्मा व एक अन्य शामिल हैं। आगामी 10 जनवरी को होने वाले मतदान की पूरी तैयारियां कर ली गई हैं और एल्डर कमेटी के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता जीएस मोहन के नेतृत्व में निर्वाचन अधिकारी पलविंदर सिंह व सहायक निर्वाचन अधिकारी खरग सेन सिंह वर्मा चुनाव संपन्न कराएंगे। निर्विरोध चुने गए अधिवक्ता मिठाई बांटकर खुशी का इजहार कर रहे

बीसलपुर के कस्वा टिकरी में जुटी कवियों की महफिल

संवाददाता, पीलीभीत। तहसील पत्रकार एसोसिएशन के शपथ ग्रहण समारोह एवं अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन कस्वा टिकरी मे किया गया ।जिसमे देश की नाम चीन हस्थिया एव प्रख्यात कवियो ने सिरकत की।बीसलपुर के कस्वा टिकरी मे तहसील पत्रकार एसोसिएशन का शपथ ग्रहण समारोह एवं अखिलभारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।समारोह का शुभारंभ वरिष्ठ पीसीएस एव मुख्य मंत्री के फोटो काल अधिकारी डाक्टर आशीष गुप्ता एव बृदाबन पीठाधीश्वर बाल्य ब्यास जी महाराज ने मा सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया।बीसलपुर के टिकरी माफी मे गुरुवार को तहसील पत्रकार ऐसोसिएशन का सपथ ग्रहण समारोह एव अखिल भारतीय कविसम्मेलन का आयोजन मे किया गया जिसमे आईपीएस अधिकारी शशिकांत तिवारी, बिशिष्ट अतिथि सुकरात यूनीवर्सिटी दिल्ली के उप कुलपति डा0 आशीष गुप्ता, दिल्ली की समाजसेवी नीलम गंगवार सहित कई दिग्गज रहे।देश के मशहूर कवि कुलदीप रंगीला देवास, मोहन मुंतजिर उत्तराखण्ड, डा0 विनय आशू उन्नाव, अभिमन्यु तरंग सुल्तानपुर, तबस्सुम अस्क उज्जैन, शकील बरेलबी दिल्ली, मयंक शर्मा छत्तीसगढ़, गोबिंद गजब रायबरेली, हेमा पाण्डेय लखनऊ, अपूर्वा चतुर्वेदी मध्य प्रदेश, विजय विचित्र मध्य प्रदेश, वियोगी मानव बण्डा, राजेन्द्र अवस्थी किंकर माधौटांडा, दिलीप कुमार पाठक सरस, राजेश मिश्र प्रयास आदि ने अपनी कविताओ के माध्यम से देश की समाजिक एवं राजनैतिक व्यावस्था पर अपनी रचनाये प्रस्तुत कर देश को सही दिशा देने का भरसक प्रयास किया कविओ की कविताओ पर पुरी रात लोगो की तालिया गूजती रही अंत मे तहसील पत्रकार एसोसिएशन के अध्यक्ष पातीराम को बिश्व चेतना ट्रस्ट मंच के द्वारा साहित्यिक क्षेत्र मे उत्कृष्ट कार्य किये जाने पर संरक्षक दिलीप कुमार पाठक सरस एव सचिव राजेश मिश्र प्रयास के द्वारा कलम रतन से सम्मानित किया गया।एव विजिन बर्ड रिकार्ड वुक मे नाम दर्ज किया गया।समारोह को सम्बोधित करते हुये डाक्टर आशीष गुप्ता ने कहा की साहित्यिक को जाने बाले एक ऐसे ब्यक्ति पातीराम ने साहित्यिक को माला की तरह पोकर ऐसी उचाईयो पर साहित्यिक को ले जाने का काम किया।

उत्तर प्रदेश साहित्य सभा ने शफीकुर्रहमान कश्फी को बनाया जिला जालौन का संयोजक

संवाददाता

उरई (जालौन)। उत्तर प्रदेश साहित्य सभा के प्रधान संयोजक अंतराष्ट्री कवि सर्वेश अस्थाना एवं अध्यक्ष डॉ,विष्णु सक्सेना ने जिले के मशहूर शायर शफीकुर्रहमान कश्फी को एक पत्र जारी करते हुए उत्तर प्रदेश साहित्य सभा का जिला संयोजक बनाया इस आशा और विश्वास के साथ कि वो जिले में सभा के मूल उद्देशों को सफलता पूर्वक अमली जामा पहनाएंगे और अतिशीघ्र जिले की कार्यकरणी गठित कर मजबूती प्रदान करेंगे कश्फी के संयोजक बनने पर जिले सभी कलमकारों समाजिक लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी बधाई देने वालों में गिरधर खरे प्रदेश संयोजक, अर्जुन सिंह चाँद बुन्देलखण्ड प्रभारी, वरिष्ठ साहित्यकार यगदत्त त्रिपाठी, विनोद गौतम, अब्दुल मलिक अब्बासी, साकी रसूल अहमद सागर रामपुरा, बच्चू महाराज, मिर्जा साबिर बेग, संजू दुबे, असरार अहमद, मुकरी, नरेंद्र मोहन मित्र कोंच, माया सिंह, वीरेंद्र तिवारी, यूसुफ अंसारी, कृपाराम किरपालु, प्रिया श्रीवास्तव, दिव्यम रुचि बाजपेई, राघवेन्द्र कनकने, अनुज भदौरिया, शिखा गर्ग, फरीद अली बशर, अभिषेक सरल, परवेज अख्तर, दिव्यांशु आदि सैंकड़ों लोगों ने हर्ष व्यक्त कर बधाई दी।

राजपथ पर दिखेगा सीतापुर का लाल एन सी सी सिनियर अंडर ऑफिसर अंकित शुक्ला का गणतंत्र दिवस परेड में हुआ सेलेक्शन उत्तर प्रदेश का करेंगे प्रतिनिधित्व

संवाददाता

बिसवा। बिसवा के लिए यह गर्व की बात होगी कि किसान परिवार का बेटा अंकित शुक्ला इस गणतंत्र दिवस दिल्ली में होने वाली परेड में कदमताल करते हुए दिखाई देंगे अंकित शुक्ला शहर क्षेत्र के लखनऊ विश्वविद्यालय में बी ए द्वितीय वर्ष का छात्र हैं साथ ही एनसीसी में कैडेट सीनियर अंडर ऑफिसर हैं वो उत्तर प्रदेश से प्रतिनिधित्व कर रहा हैं बता दें कि अंकित शुक्ला के पिता मनोज शुक्ला एक साधारण किसान हैं, जिनके लिए यह गर्व का क्षण है अंकित शुक्ला ने बताया कि मेरी उपलब्धि का पूरा श्रेय लेफ्टिनेंट डॉ. उमेश सिंह सर को जाता है जिन्होंने प्रवेश के साथ मुझे हमेशा राजपथ के लिए प्रेरित किया और कहा कि आपको भारतीय सेना को एक अधिकारी के रूप में चुनना है 2022 के बाद अंकित शुक्ला ने फिर से देश का मान बढ़ाया पिता बोले– यह बहुत खुशी की बात अंकित शुक्ला के पिता मनोज शुक्ला कहते हैं कि मेरे लिए यह बहुत खुशी की बात है लेफ्टिनेंट डॉ. उमेश कुमार की कड़ी मेहनत, शक्ति के साथ वह आगे बढ़ी है यह उन्नाव के लिए बड़ी गौरव की बात है कि 5 साल बाद सुनहरा मौका आया हुआ है वहीं अंकित शुक्ला की मित्र अश्वनी बताते हैं कि मेरा और अंकित शुक्ला का सेलेक्शन साथ में हुआ था हम आईजीसी कैंप तक साथ में गए थे। दुर्घटना वंश मैं वहां तक नहीं जा पाया और उसका सेलेक्शन राजपथ के लिए हो गया आरडीसी में चयन की प्रक्रिया बेहद कठिन एनसीसी सीनियर अंकित शुक्ला ने बताया कि आरडीसी में चयन की प्रक्रिया बेहद कठिन होती है 3 महीने की कड़ी मेहनत के बाद कैडेट को यह पद मिलता है महाविद्यालय स्तर से प्रारंभ कर पुनः बटालियन स्तर पर और उसके बाद मुख्यालय द्वारा चयनित विद्यार्थियों को आईजीसी कैंप में भेजा जाता है, जहां से उत्तर प्रदेश निदेशालय की टीम का चयन किया जाता है

विशेष टीकाकरण पखवाडा 2023 का शुभारंभ बच्चों को पोलियो की खुराक देकर किया

संवाददाता

सिद्धार्थनगर। यूनिसेफ के सहयोग से विशेष टीकाकरण पखवाड़ा 2023 का सुभारम्भ जिला रतिरक्षण अधिकारी डॉक्टर एके आजाद द्वारा प्राथमिक विद्यालय नीबी दोहनी पर बच्चो को पोलियो की खुराक दे कर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुये कहा गया की यदि बच्चो का टीकाकरण पूरा करा दिया जाए। तो वो कम बीमार पड़ते है । यूनिसेफ के डीएमसी अमित शर्मा द्वारा बताया गया की 9 जनवरी से 20 जनवरी , 13 फरवरी से 24 फरवरी , 13 मार्च से 24 मार्च 2023 के बीच पखवाड़े के रूप में यह कार्यक्रम चलाया जाएगा उन्होंने बताया की सभी धर्म गुरुओं एवम इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा भी इस पखवाड़े के लिए अपील जारी कर के जनता से बच्चो एवम गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण करने की गुजारिश की है एवम एएनएम, आशा,आंगनवाड़ी को इस आभियान में सहयोग देने की अपील की है,इस अवसर पर ैडव् क्त नुपुर गर्ग ,डवपब डॉक्टर तंउ छपूं, बीसीपीएम सुरेंद्र पाल, बीएमसी यूनिसेफअशोक विश्वकर्मा उपस्थित रहे । आशा राजमति आंगनवाड़ी अनीता मौजूद रही ।

केन्द्रीयमंत्री द्वारा मण्डलीय अस्पताल में सीरोलॉजी एवं इम्यूनोलॉजी लैब का किया गया उदघाटन

संवाददाता

मीरजापुर । केन्द्रीय राज्य मंत्री वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार/जनपद की मा0 सांसद अनुप्रिया पटेल द्वारा मेडिकल कालेज से सम्बद्ध मण्डलीय चिकित्सालय पहुँचकर माइक्रो बायोलॉजी विभाग के अन्तर्गत सीरोलॉजी एवं इम्यूनोलॉजी लैब का फीता काटकर उदघाटन किया गया। उदघाटनोंपरान्त मा0 राज्यमंत्री ने कहा कि इस प्रयोगशाला के प्रारम्भ हो जाने से नई–नई आने वाली संक्रामक बीमारियों के रोकथाम के लिये सूक्ष्म जीवाणुओं की जाँच के लिये मरीजो को वाराणसी व प्रयाराज नही जाना पड़ेगा। सभी संक्रामक बीमारियों की जांच मण्डलीय अस्पताल में ही की जा सकेगी तथा मरीजो का समुचित उपचार हो सकेगा। उन्होने कहा कि वाराणसी या प्रयागराज से जाँच रिपोर्ट आने में जो समय लगता था उसकी बचत होगी। इस दौरान मा0 राज्यमत्री द्वारा सम्बन्धित चिकित्सको से प्रयोगशालाओं के संयत्रों के संचालन के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। तदुपरान्त मा0 मंत्री जी द्वारा रक्त संग्रह केन्द्र का निरीक्षण करते हुये वहाँ पर उपस्थित कुछ मरीजो के तीमारदारों से अस्पताल में चिकित्सको द्वारा किये जा रहे इलाज व मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी भी प्राप्त की गयी। इस अवसर पर प्राचार्य मेडिकल कालेज डॉ0 आर0बी0 कमल, प्रमुख अधीक्षक मण्डलीय अस्पताल डॉ अरविन्द कुमार,अशोक पटेल, श्याम सुन्दर केसरी, शंकर सिंह चौहान सहित अन्य जन प्रतिनधि व चिकित्साधिकारी उपस्थित रहें।

संक्षिप्त समाचार

शत्रु संपत्ति पर प्लाटिंग काटने का मामला जा पहुंचा गृह सचिव के दरबार

संवाददाता, पीलीभीत। शेरपुर कला की मीनारा हवेली एक बार फिर चर्चा में है , शेरपुर के नवाबों की इस हवेली के साथ शत्रु संपत्ति और सीलिंग की जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत गृह सचिव से की गई हैं। शेरपुर कला में नवाबों की संपत्ति आज भी विवादों के बीच गिरी हुई है और पूरे मामले में कई शिकायतें की गई। संपत्ति को लेकर मुकदमेदारी भी जग जाहिर है। अब एक बार फिर उसी मामले में नए सिरे से शेरपुर कलां के वसीम बेग पुत्र खलीक बेग ने मीनारा हवेली को शत्रु संपत्ति और वक्फ बोर्ड की जमीन पर अवैध कब्जे दारी के मामले में पुरातन विभाग से लेकर गृह सचिव नई दिल्ली को पत्राचार किया है। उन्होंने शेरपुर कलां के ही तमाम लोगों पर अवैध कब्जे दारी का आरोप लगाया है। वक्फ बोर्ड और सीलिंग भूमि पर अनाधिकृत रूप से कब्जे का मामला साथ ही जिले के एक माननीय का भी उल्लेख करते हुए संपत्ति को खुर्द–खुर्द होने से बचाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा निदेशक सीबीआई, केंद्रीय सतर्कता आयोग, निदेशक आर्थिक अपराध शाखा शासन उत्तर प्रदेश को पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में उल्लेख किया गया है कि सुन्नी वक्फबोर्ड में दर्ज संपत्ति को भी अवैध कब्जे दार प्लाटिंग काटकर कब जा कर रहे हैं। मामले की प्रतिलिपि जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार, संजय सिंह गंगवार गन्ना राज्यमंत्री और पुलिस अधीक्षक के साथ उप जिला अधिकारी पूरनपुर को भी भेजी गई है

विचार क्रांति के कणों को जन–जन तक पहुंचाना है

संवाददाता, शाहजहाँपुर। जिला केंद्र गायत्री शक्तिपीठ, गौहरपुरा में जनपद स्तरीय संगोष्ठी आयोजित हुई जिसमें शांतिकुंज से आए प्रतिनिधि डी पी सिंह एवं जिला समन्वयक सूरज वर्मा ने चिंतन शिविर के विषय में चर्चा परिचर्चा की जिसमें 2026 को लेकर संगोषंठी में उपस्थित लोगों से गुरुदेव की बात की। डी पी सिंह बाबू ने अपने उद्बोधन में शांतिकुंज के संदेश में बताया कि जिले के 2282 गांव में विचार क्रांति के कणों को जन–जन तक पहुंचाना है, साथ ही साथ 2400 लोगों का चयन कर एक माला नियमित रूप से करने के लिए प्रेरित करना है। जिला समन्वयक श्री सूरज वर्मा ने सभी से प्रेम और स्नेह की डोरी में बांधकर गुरु के अनुशासन और उनकी कसौटी पर खरे उतरने की आवश्यकता बताई एवं जिला सह समन्वयक श्री सुरेश चंद्र श्रीवास्तव बाबूजी जी ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में शक्तिपीठ युवाप्रकोष्ठ का सहयोग रहा।

स्वतंत्रता सेनानी की पुण्यतिथि पर कंबल वितरण

संवाददाता, उरई (जालौन) 8 जनवरी। स्वतंत्रता सेनानी की पुण्यतिथि पर निर्धन, असहायो को कंबल वितरित किए गए। स्वतंत्रता सेनानी प्रताप नारायण मिश्र की धर्मपत्नी श्रीमती सावित्री देवी निवासी ग्राम गोहन की पुण्यतिथि पर उनके दोनों पुत्रों मंगला प्रसाद मिश्रा, प्रसन्नानन नाथ मिश्रा पौत्रों मानवेंद्र व राजा ने ग्राम गोहन, इस्लामपुर सहित पड़ोसी गावो के 60 निर्धन,असहायो को गलन भरी ठंड से निजात दिलाने हेतु ऊनी गर्म कंबलो का वितरण किया। कंबल प्राप्त करने वालों में श्याम प्रसाद, कैलाश प्रजापति, सुरेश, रामकुमार, रामबाबू, आभाराम, नत्थू, महेश, रामजी, मलखान, कालीचरण, कैलाश, श्रीराम, बालकराम, हरिकिशन सहित 60 निर्धन शामिल है। इस दौरान ग्राम प्रधान वीरेंद्र कुमार त्रिपाठी ने सराहनीय कार्य के लिए स्वतंत्रता सेनानी परिवार का आभार प्रकट किया।

आपरेशन कायाकल्प के संबंध में समीक्षा बैठक सम्पन्न

संवाददाता, सिद्धार्थनगर। आपरेशन कायाकल्प के संबध में समीक्षा बैठक जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी संजीव रंजन ने विद्यालयों में आपरेशन कायाकल्प के अन्तगर्त 14 मूलभूत सुविधाओं से संतृप्तकरण की स्थिति के सम्बन्ध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से जानकारी प्राप्त की। जिस पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि जनपद में कुल 2262 विद्यालय हैं। ज्यादातर विद्यालयों में आपरेशन कायाकाल्प के अन्तगर्त सौन्दयीर्करण का कार्य कराया जा चुका है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि कम्पोजिट ग्रांट निधि से संतृप्त होने वाले कार्यो को कराये। दिव्यांगों हेतु शौचालय का निर्माणध्मरम्मत कराये तथा सभी विद्यालयों में जहां पर शौचालय नही है वहां पर शौचालय का निर्माण कराये। शौचालय निर्माण मानक के अनुरूप होना चाहिए। इसके अलावा विद्यालयों में बाउन्ड्रीवाल, पेयजल, फर्नीचर आदि होना चाहिए। जहां पर बाउन्ड्रीवाल नही है शीघ्र बाउन्ड्रीवाल का निर्माण समय से पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की बैठक सम्पन्न

संवाददाता, मीरजापुर। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना 2022–23 के प्रगति के बारे में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक कर जानकारी ली गयी। जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत समय से प्रीमियम का प्रेषण एवं डाटा अपलोड किए जाने का निर्देश दिया। कतिपय बैंको की फीडिंग कम होने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुये फीडिंग कराने का निर्देश दिया। बैठक में वित्तीय समावेशन योजना, बैंकों और राज्य सरकार द्वारा 'क्रेडिट प्लस' क्रियाकलापों के प्रति आरसेटी जैसी प्रशिक्षण संस्थान द्वारा की गई गतिविधि की निगरानी, वित्तीय समावेशन को प्राप्त करने के लिए वित्तीय साक्षरता का प्रयास, ऋण जमा अनुपात में अपेक्षित वृद्धि, वार्षिक ऋण योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के पात्र किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड से संतृप्त करना, किसानों की आय को दोगुना करना आदि बिंदुओं के विभिन्न आयामों पर गहनता से विचार–विमर्श किया गया।

आगरा लखनऊ एक्सप्रेस–वे पर हुआ भीषण एक्सीडेंट, चार की हुई मौत 10 लोग घायल

संवाददाता, उन्नाव। आगरा लखनऊ एक्सप्रेस–वे पर सोमवार सुबह 4 बजे आगरा से लखनऊ की ओर जा रहे एक डीसीएम में पीछे से चल रही स्लीपर बस की भिड़ंत हो गई। हादसा होते ही बस में सवार तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक महिला ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। वहीं हादसे में 10 से 12 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। हादसे की सूचना पर डीएम मौके पर पहुंची। कोहरे के चलते हादसा हुआ है। औरास थाना क्षेत्र के आगरा लखनऊ एक्सप्रेस–वे के किलोमीटर 268 पर सोमवार सुबह चार बजे आगरा से लखनऊ की ओर डीसीएम कोहरे के चलते धीमी रफ्तार में जा रहा था। पीछे से गुजरात के राजकोट से लखीमपुर के तिकुनिया बॉर्डर को जा रही स्लीपर बस की भिड़ंत हो गई। हादसा होते ही बस में सवार यात्रियों में चीख–पुकार मच गई। हादसे की सूचना औरास थाना पुलिस को मिली। मौके पर औरास प्रभारी निरीक्षक राजकुमार पुलिस बल के साथ पहुंचे। हसनगंज के एसडीएम अंकित शुक्ला ने बताया कि एक्सीडेंट की सूचना पर तत्काल प्रभाव से घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया है। बस में सवार अन्य यात्रियों को दूसरे वाहनों से उनके गंतव्य तक पहुंचाया जा रहा है। बस में सवार एक यात्री दीपेन्द्र ने बताया, श्शहम लोग नेपाली लोग हैं।

कांग्रेस पार्टी की तरफ से लिखित समर्थन भारतीय किसान यूनियन को मिला

संवाददाता

लखीमपुर खीरी। बजाज हिंदुस्तान शुगर मिल गोला पर चल रहे विगत सप्ताह से गन्ना बकाया भुगतान को लेकर के किसान आंदोलन को कांग्रेस पार्टी की तरफ से लिखित समर्थन भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी ग्रुप के महासचिव सरदार अमनदीप सिंह एवं राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के जिला अध्यक्ष अंजनी कुमार दीक्षित को अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी प्रहलाद पटेल ने सौंपा साथ में पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश महासचिव रामकुमार वर्मा, जिला महासचिव प्रेम कुमार वर्मा, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पंडित रामकिशोर मिश्रा, पिछड़ा वर्ग विभाग के जिला महासचिव हरिवंश मौर्या, पीसीसी सदस्य किरन पटेल, पंकज पटेल सहित आधा दर्जन कांग्रेस जन उपस्थित रहे साथ में भी घोषणा की है जनपद में जहां-जहां भी किसान आंदोलन हो रहे हैं वहां पर कांग्रेस पार्टी के नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे हम खुलकर किसानों की समस्याओं के लिए लड़ेंगे चाहे इसके लिए जो भी करना पड़े।

जिलाधिकारी अनुज सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुयी

संवाददाता

सीतापुर। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अभी तक चिन्हित किये गये ब्लैक स्पाटों की स्थिति की जानकारी करते हुये संबंधित अधिकारी को निर्देश दिये कि जिन स्थानों पर दुर्घटना ज्यादा हुयी हैं वहां के ब्लैक स्पाटों को चिन्हित करते हुये बोर्ड जरूर लगवाये जायें। कैंची पुल पर बनाये गये हाईट बैरियर ऊंचा करें ताकि महत्वपूर्ण वाहनों को आवागमन न रूके तथा बड़ी गाड़ियों के डायवर्जन का सांकेतिक चिन्ह जरूर लगायें। उन्होंने कहा कि सभी अवैध अतिक्रमण को चिन्हित करते हुये अवैध अतिक्रमण को हटाने हेतु विशेष अभियान चलाया जाये और अतिक्रमण करने वाले लोगों को नोटिस भी जारी की जाये। अवैध कटों के बारे में जानकारी करते हुये निर्देशित किया कि अवैध कटों को बन्द किया जाये। सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत की जा रही जागरूकता अभियान की स्थिति की जानकारी करते हुये सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि सड़क सुरक्षा से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कराये जायें, जिसमें लोगों को सड़क सुरक्षा से संबंधित नियमों की जानकारी दी जाये। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिये कि डायल 100 पर चलने वाले कर्मचारियों का प्रशिक्षण जरूर करा दिया जाये, प्रशिक्षण में उन लोगों को दुर्घटना से घायल व्यक्ति को बचाने के उपायों के बारे में बताया जाये। माध्यमिक शिक्षा एवं बेसिक शिक्षा द्वारा किये गये सड़क सुरक्षा सप्ताह संबंधी कार्यों की स्थिति की जानकारी करते हुये संबंधित को निर्देशित किया कि विद्यालयों में सड़क सुरक्षा से संबंधित वाल पेटिंग करायी जाये तथा बच्चों को भी नियमों के प्रति जागरूक किया जाये। उन्होंने नगरीय निकाय के अधिकारी को निर्देश दिये कि अवैध पार्किग स्थल को हटवाये जाने की कार्यवाही की जाये तथा डिवाइडर को सही कराना, पर्याप्त मात्रा में प्रकाश व्यवस्था, आवारा पशु को पकड़ने आदि कार्यों को करायें। उन्होंने कहा कि सभी जगहों पर वैध पार्किंग स्टैण्ड संचालित किये जायें ताकि वाहन अव्यवस्थित ढंग से खड़े न हों। वन विभाग के अधिकारी को निर्देश दिये कि सड़क किनारे पर लगे वृक्षों का सर्वे करते उनकी कटाई छटाई अवश्य करा दी जाये ताकि वृक्ष आवागमन में बाधा उत्पन्न न करें। उन्होंने अग्निशनम विभाग के अधिकारी को निर्देश दिये कि आपातकालीन स्थिति में सभी स्कूलों में निकासी हेतु उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाये तथा स्कूलों की बसों में अग्निशमन यंत्र जरूर स्थापित किये जाने के साथ समय-समय पर उसकी जांच करते रहें। उन्होंने संबंधित को निर्देशित किया कि सभी ट्रैक्टर ट्रालियों में रिफ्लेक्टर अवश्य लगवा दिये जाये।

एमसीएच विंग में कोविड संक्रमण से बचाव और मरीजों की देखभाल को लेकर लगाई गई कर्मचारियों की पाठशाला

संवाददाता

लखीमपुर खीरी। कोविड के संभावित खतरे को देखते हुए मातृ एवं शिशु चिकित्सालय ओयल व जिला चिकित्सालय पुरुष के संयुक्त तत्वाधान में सावधानी और बचाव के लिए प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। मातृ एवं शिशु चिकित्सालय के सीएमएस डॉ ए0सी0 श्रीवास्तव ने बताया कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य चिकित्सालय में कार्यरत स्टाफ नर्स, वार्ड बॉय और सफाई कर्मियों को कोविड के प्रति जागरूक करना और उससे स्वयं को बचाना और मरीजों की विषम परिस्थितियों में देखभाल करना शामिल था। जिसमें एनेस्थेटिस्ट डॉ. एसके मिश्रा व डॉ. रवी मोहन गुप्ता, जीरियाट्रिक फिजीशियन डॉ शिखर बाजपेई व स्वयं उनके द्वारा सोमवार को पहले बैच का प्रशिक्षण संपन्न कराया गया। यह प्रशिक्षण उनकी देखरेख में संपन्न हुआ है। इसमें एमसीएच विंग और जिला चिकित्सालय के करीब 30 कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। इन सभी को ऑक्सीजन और दवा आदि के बारे में समुचित जानकारी देते हुए प्रयोगात्मक प्रदर्शन किया गया। जिसमें पीपीई किट को पहनना और उसे सही तरीके से उतारने सहित हाथों को सही तरीके से धुलने और मरीजों की देखभाल व इलाज के दौरान इस्तेमाल हो रहे सामान्य के वेस्टेज या कचरे को सही तरीके से और सही डस्टबिन में डालने का भी प्रयोगात्मक प्रदर्शन किया गया।

सहारा इंडिया निवेशकों का संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर के साथ जमावड़ा

संवाददाता, सीतापुर। सहारा इंडिया में निवेशकों की जमा धनराशि वापसी के लिए संयुक्त किसान मोर्चा के तत्वावधान में चल रहे धरना प्रदर्शन के तीसरे दिन सैंकड़ों की संख्या में उपस्थित भुक्तभोगी आम जनमानस आज धरना स्थल पहुंचा, एक रोड शो लालबाग चौराहे से होकर शहीद पार्क पहुंच कर भविष्य की रूपरेखा तैयार की !अनिश्चित कालीन धरने में उपस्थित पीड़ित निवेशकों और संयुक्त किसान मोर्चा पदाधिकारियों ने निर्णय लिया कि यह धरना प्रदर्शन तब तक चलता रहेगा,जब तक इस घोटाले के जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध ठोस एवं प्रभावी कार्रवाई के साथ धन वापसी हेतु कोई निर्णय नहीं लिया जाता !जिला प्रशासन सीतापुर की जिम्मेदारी बनती है कि शीतलहर के प्रकोप को झेल रहे, धरना स्थल पर अपनी जिंदगी की परवाह न करके बैठे पीड़ित लोगों की समस्या निराकरण हेतु शासन से वार्ता कर निराकरण सुनिश्चित किया जाऐ।

संक्षिप्त समाचार

सद्भावना कप के दूसरे लीग मैच में स्टार क्रिकेट एकेडमी विजई

संवाददाता, बछरावां रायबरेली। कस्बे के मिनी ग्रामीण इंडोर स्टेडियम में चल रही साप्ताहिक क्रिकेट प्रतियोगिता के दूसरे लीग मैच में स्टार क्रिकेट एकेडमी रायबरेली तथा 5क् क्रिकेट एकेडमी लखनऊ के बीच मैच खेला गया स जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए स्टार क्रिकेट एकेडमी ने तीस ओवरों में 173 रनों का लक्ष्य दिया स लक्ष्य का पीछा करने उतरी 5क् क्रिकेट एकेडमी लखनऊ की टीम मात्र 137 रन ही बना सकी स स्टार क्रिकेट एकेडमी के स्विंग बॉलर सोमेंद्र सिंह के ऑलराउंड प्रदर्शन से स्टार क्रिकेट टीम ने 50 रनों से जीत दर्ज कीस जिसके लिए सोमेन्द्र सिंह को मैन ऑफद मैच का खिताब दिया गया स आपको बता दे विगत नौ वर्षों से क्षेत्र के ही नहीं अपितु जनपद के युवाओं की प्रतिभाओं को निखारने के लिए सद्भावना कप का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता हैस जिसका आयोजन स्टार स्पोर्ट्स क्लब बछरावां द्वारा किया जाता है ।

मानक विहीन नाले का निर्माण कर ग्राम प्रधान ने उड़ाई सरकारी मानक की धज्जियां

संवाददाता, रायबरेली। जहां एक तरफप्रदेश की योगी सरकार ग्राम विकास कार्य हेतु लाखो करोड़ो रूपये खर्च कर रही है तो वहीं दूसरी ओर भ्रष्टाचार में संलिप्त ग्राम प्रधानों के चेहरे सामने आ रहे हैं। जी हां एक ऐसा ही मामला रायबरेली जनपद के सरेनी क्षेत्र के अंतर्गत मदाखेड़ा गांव का है। जहां ग्राम प्रधान ने सरकारी मानक की इस कदर धज्जियां उड़ाई कि पिले ईंट व मानक विहीन मसाले से नाले का निर्माण करा डाला। जबकि सरकार प्रत्येक ग्राम विकास कार्य हेतु अधिक बजट की धनराशि ग्राम पंचायतों को उपलब्ध कराता है जिससे बेहतर से बेहतर विकास व निर्माण कार्य हो सके तो वहीं सरकारी धनराशि का दुर उपयोग कर हजम करने में तुले मदाखेड़ा ग्राम प्रधान। घटिया ईंट व मानक विहीन नाले का निर्माण कर ईमानदार बीडीओ सरेनी की छवि को भी धूमिल करने में तुले मदाखेड़ा ग्राम प्रधान। वहीं सूत्रों की माने तो अपने किसी रिलेटिव के फार्मा से स्वयं ही काम करा रहे हैं मदाखेड़ा ग्राम प्रधान अब देखना यह है कि सरकार की मंशा को पलीता लगा रहे ग्राम प्रधान पर । ईमानदार बीडीओ सरेनी कोई एक्शन लेते हैं या नहीं ।

स्मृति पटेल महाविद्यालय द्वारा सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

संवाददाता

रायबरेली। स्मृति पटेल महाविद्यालय द्वारा सम्मान समारोह का हुआ आयोजन रायबरेली पटेल समाज रायबरेली के द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में स्मृति पटेल महाविद्यालय के प्रबंधक पटेल उमाशंकर द्वारा जिले के सभी ब्लॉकों से हजारों की संख्या में शिक्षा चिकित्सा राजनीत पत्रकारिता व्यवसाय में पटेल समाज के लोगों द्वारा समाज व राष्ट्र हित और सामाजिक समरसता बढ़ाने के लिए और समाज में एकजुटता करके समाज उत्कृष्ट कार्य करने वाले सभी गैर राजनैतिक विचारधारा नूतन वर्ष 2023 में विद्यालय परिवार की ओर से और जिला पंचायत सदस्य आशीष पटेल के सहयोग से सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया जिसमें प्रबंधक उमाशंकर पटेल और जिला पंचायत सदस्य आशीष पटेल द्वारा जिले के कोने-कोने से आए पटेल समाज के लोगों को अंग दस्त देकर सम्मानित किया गया इस सम्मान समारोह में बीडी सिंह राम हर्ष नगर पंचायत अध्यक्ष शिवेंद्र सिंह सहित हजारों की संख्या में सम्मान समारोह का भव्य आयोजन महाविद्यालय परिसर मुबारकपुर हरचंदपुर में संपन्न हुआ।

खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार ने अत्याधुनिक जिम का किया लोकार्पण

स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रदेश सरकार आधुनिक जिम करा रही उपलब्ध : गिरीश चन्द्र यादव

संवाददाता

रायबरेली। प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव ने खेल निदेशालय के तत्वाधान में आज मोतीलाल नेहरू स्टेडियम रायबरेली में बने अत्याधुनिक जिम का लोकार्पण प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने के साथ फीता काटकर किया। उद्यान मंत्री ने आयोजित कार्यक्रम में कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के संरक्षण में सेवा करेन प्रदेश के खेल मंत्री को जनपद वासियों की तरफ से ध्यानवाद दिया। जनपद रायबरेली के लोगों के लिए स्वास्थ्य के लिए एक बेहतर जिम है। उन्होंने कहा कि इस जिम से लगातार जनपद रायबरेली के लोग व शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चे आकर अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाये रखने व अपने शरीर मजबूत करेंगे और प्रदेश व देश में जाकर जनपद रायबरेली को नाम रोशन करेंगे।

मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने गरीबों को कंबल वितरण कर उनका कुशलक्षेम जाना

संवाददाता

रायबरेली। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने विकास खंड राही के पूरे इंची मजरे परौरा में आज माननीय मंत्री जी ने गरीबों को कंबल वितरण कर उनका कुशलक्षेम जाना और बताया कि उन्होंने कहा कि योगी सरकार हर वर्ग की चिंता करती है और उनके हितों का ध्यान रख रही है। उन्होंने किसानों को उद्यान विभाग की विभिन्न लाभकारी योजनाओ की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि औद्योनिक खेती करके किसान अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकते है। उद्यान विभाग द्वारा कृषि व लघु उद्योग की स्थापना हेतु विभिन्न प्रकार की सब्सिडी दी जा रही है, जिसका लाभ किसान ले सकते हैं।

गरीब के खाते से धोखाधड़ी करके बैंक मित्र ने निकाले रुपए

संवाददाता

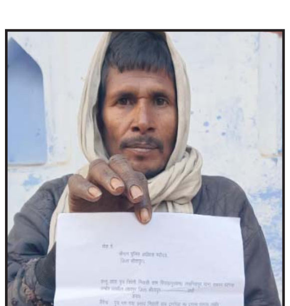

सीतापुर। आपको बताते चलें की सकरन क्षेत्र के ग्राम पंचायत पिपरहा पुरवा लखनिया पुर के निवासी छन्नू लाल पुत्र त्रिवेणी उपरोक्त पते का स्थाई निवासी हैं। तथा विदित हो कि प्रार्थी को किसान सम्मान निधि योजना की 12वि किस्त आई थी जिसमें से प्रार्थी ने आवश्यक कार्य के लिए दो किस्त निकलवा ली थी।

जिस से प्रार्थी का खातासंख्या 06 10 10 33 1592 इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक मैं खाता खुला हुआ था जिसमें कुल 200000 शेष रह गया था। जब प्रार्थी दोबारा पैसे निकलवाने गया अपने नजदीकी सेंटर पर तो प्रार्थी को जानकारी मिली उसमें पैसा नहीं बचा जब प्रार्थी ने बताया वीरेंद्र पुत्र गया प्रसाद अरविंद पुत्र गया प्रसाद ने धोखे से उनसे अंगूठा लगवा लिया और पीड़ित छन्नूलाल के खाते का सारा पैसा अपने खाते में ट्रांजैक्शन कर लिया जब इस बारे में पीड़ित ने बैंक मित्र से पैसे मांगा तो विपक्षी अरविंद व वीरेंद्र आमादा फौजदारी व जान से मारने की धमकी दे डाली कहां जो कुछ तुमको करना हो कर लो जा करके हम तुमको एक पैसा नहीं देंगे और इतना ही नहीं पीड़ित का फोन लेकर ओटीपी के माध्यम से नया पेटीएम आईडी बना कर सारा पैसा अपनी आईडी पर ट्रांजैक्शन कर लिया और जब पीडित को पता चला तो पीड़ित ने थाना सकरन पर इस मामले को लेकर जब प्रार्थना पत्र दिया तो पुलिस के द्वारा दबाव बनाया जा रहा हैं कि 7000 ले लो और बाकी जब होगा तब दिया जाएगा पीड़ित बहुत ही गरीब परिवार का रहने वाला है ।पीड़ित ने आज कप्तान महोदय साहब को प्रार्थना पत्र देकर अपनी आपबीती बताई और कहां है बैंक मित्र के द्वारा हमारे साथ धोखाधड़ी कर पैसा निकाला गया हैं वह हमें वापस किया जाए अब देखना यह है कि पीड़ित छन्नूलाल को बैंक मित्र अरविंद व वीरेंद्र के द्वारा धोखाधड़ी से निकाला गया पैसा वापस होता है या नहीं आखिर इस मामले पर पुलिस के द्वारा क्या होती है कारवाही या ऐसे ही मामले को रफा-दफा कर दिया जाएगा।

राजपथ पर दिखेगा सीतापुर का लाल

- एनसीसीसिनियर अंडर ऑफिसर अंकित शुक्ला का गणतंत्र दिवस परेड में हुआ सेलेक्शन उत्तर प्रदेश का करेंगे प्रतिनिधित्व

संवाददाता

सीतापुर। राजपथ पर दिखेगा बिसवा की बेटा बिसवा के लिए यह गर्व की बात होगी कि किसान परिवार का बेटा अंकित शुक्ला इस गणतंत्र दिवस दिल्ली में होने वाली परेड में कदमताल करते हुए दिखाई देंगे अंकित शुक्ला शहर क्षेत्र के लखनऊ विश्वविद्यालय में बी ए द्वितीय वर्ष का छात्र हैं

साथ ही एनसीसी में कैडेट सीनियर अंडर ऑफिसर हैं वो उत्तर प्रदेश से प्रतिनिधित्व कर रहा हैं बता दें कि अंकित शुक्ला के पिता मनोज शुक्ला एक साधारण किसान हैं, जिनके लिए यह गर्व का क्षण है अंकित शुक्ला ने बताया कि मेरी उपलब्धि का पूरा श्रेय लेफ्टिनेंट डॉ. उमेश सिंह सर को जाता है जिन्होंने प्रवेश के साथ मुझे हमेशा राजपथ के लिए प्रेरित किया और कहा कि आपको भारतीय सेना को एक अधिकारी के रूप में चुनना है 2022 के बाद अंकित शुक्ला ने फिर से देश का मान बढ़ाया पिता बोले- यह बहुत खुशी की बात अंकित शुक्ला के पिता मनोज शुक्ला कहते हैं कि मेरे लिए यह बहुत खुशी की बात है लेफ्टिनेंट डॉ. उमेश कुमार की कड़ी मेहनत, शक्ति के साथ वह आगे बढ़ी है यह उन्नाव के लिए बड़ी गौरव की बात है कि 5 साल बाद सुनहरा मौका आया हुआ है वहीं अंकित शुक्ला की मित्र अश्वनी बताते हैं कि मेरा और अंकित शुक्ला का सेलेक्शन साथ में हुआ था हम आईजीसी कैंप तक साथ में गए थे। दुर्घटना वंश मैं वहां तक नहीं जा पाया और उसका सेलेक्शन राजपथ के लिए हो गया आरडीसी में चयन की प्रक्रिया बेहद कठिन एनसीसी सीनियर अंकित शुक्ला ने बताया कि आरडीसी में चयन की प्रक्रिया बेहद कठिन होती है 3 महीने की कड़ी मेहनत के बाद कैडेट को यह पद मिलता है महाविद्यालय स्तर से प्रारंभ कर पुन: बटालियन स्तर पर और उसके बाद मुख्यालय द्वारा चयनित विद्यार्थियों को आईजीसी कैंप में भेजा जाता है, जहां से उत्तर प्रदेश निदेशालय की टीम का चयन किया जाता है।

शहीद किसानों की शहादत के प्रति उदासीन है सरकार : ओपी यादव

संवाददाता

रायबरेली। स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी परिवार के सदस्य एवं सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष पूर्व डीजीसी (फौ0) ओपी यादव ने अपने साथियों के साथ शहीद चौक पर जाकर शहीद किसानों को नमन किया एवं शहीद स्तम्भ पर पुष्प चक्र अर्पित किया। इस अवसर श्री यादव ने कहा कि 7 जनवरी 1921 को मुंशीगंज में अंग्रेजों ने निहत्थां किसानों के ऊपर गोली चलायी उससे सैकड़ों किसानों की जान चली गयी सईका पानी लाल हो गया था। यह घटना जलियावाले बाग से कम नहीं थी, लेकिन शहद किसानों की शहादत के प्रति सरकार की उदासीनता के कारण शहीद स्थल को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता नहीं मिलसकी है। 7 जनवरी के दिन जिलाधिकारी ने शहीद स्थल पर जाना गवांरा नहीं किया। जिलाधिकारी की अनुपस्थिति का लाभ उठाते हुए शिक्षा-स्वास्थ्य एवं विकास विभाग भी नदारत रहे। शहीद स्थल पर प्रदर्शनी लगाना तो दूर रहा,विभागीय कमचारी एवं अधिकारी उपस्थित भी नहीं रहे। आर.डी.ए. द्वरा डी.एम. के माध्यम से सई नदी विकास योजना हेतु भेजा गया 4 करोड़ रूपये का प्रोजेक्ट मुख्यमन्त्री के यहाँ धूल खा रहा है। प्रशासन की लापरवाही के चलते शहीद स्थल अव्यवस्था की भेंट चढ़ गया ।सई नदी का बयां किनारा टूटा हुआ है, जिसमें आए दिन लोग गिरकर चोट खाते हैं। बच्चे अक्सर चोट खा जाते उसे प्रशासन ठीक नहीं करा रहा है।

धौरहरा सांसद रेखा अरुण वर्मा ने किया एमआर उन्मूलन महाअभियान का शुभारंभ

- 5 लाख बच्चों को एमआर उन्मूलन महाअभियान के अंतर्गत लगाए जाएंगे टीके
- जनवरी, फरवरी-मार्च में मनाया जाएगा विशेष पखवाड़ा

संवाददाता

लखीमपुर खीरी। मीजल्स रूबेला विशेष टीकाकरण महाअभियान स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाया जा रहा है। जिसकी शुरुआत हो गई है। इस महा अभियान को तीन चरणों में चलाया जाना है। पहले पखवाड़े का शुभारंभ सीएचसी बेहजम पर धौरहरा सांसद रेखा अरुण वर्मा के कर कमलों द्वारा किया गया। इस दौरान उनके साथ सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता मुख्य रुप से उपस्थित रहे। इस अभियान के अंतर्गत वैक्सीनरोधी बीमारियों से छूटे सभी बच्चों को वैक्सीनेटेड किया जाएगा। इस दौरान उनके द्वारा जहां सीएचओ को लैपटॉप वितरित किए गए तो वहीं आशाओं को मोबाइल वितरित किए गए। जिससे यह सभी अपने क्षेत्र में और अधिक डिस्टल स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करा सके। सांसद रेखा अरुण वर्मा ने इस दौरान कहा कि मीजल्स रूबेला उन्मूलन महाअभियान शासन के निर्देश पर तीन चरणो में जनवरी, फरवरी व मार्च में आयोजित किया जा रहा है। इस बीमारी मे बुखार के साथ-साथ शरीर में चकत्ते पड़ जाते हैं जो कि जानलेवा भी हैं। इससे जीरो से 5 वर्ष की आयु वर्ग के सभी बच्चों को पूरी तरह से सुरक्षित करने के लिए यह महा अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार आम जनमानस तक स्वास्थ्य की बेहतर सेवाएं पहुंचा रही है और देश के नन्हे-मुन्ने बच्चों को जानलेवा बीमारियों से बचाने के लिए गांव गांव तक टीकाकरण सत्र आयोजित किए जाते हैं परंतु किन्ही कारणों से कुछ बच्चे छूट जाते हैं जिनकी ड्यू लिस्ट बनाकर अब स्वास्थ्य विभाग मीजल्स रूबेला उन्मूलन महा अभियान चला रहा है जिससे इन सभी बच्चों को पूरी तरह से वैक्सीनेटेड किया जा सके। सरकार ने गांव-गांव तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए कम्युनिटी हेल्थ सेंटर शुरू किए हैं जहां पर कम्युनिटी हेल्थ ऑफीसर की तैनाती की गई है इन सभी को आज लैपटॉप दिया गया है ।

एमएस धोनी ने कहा कि टीचिंग सिर्फ एक पेशा नहीं है, यह एक कला है

एजेंसी, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने कहा कि शिक्षण एक पेशा ही नहीं बल्कि कला है जिसमें आप छात्रों को अनुशासित करके तराशते हैं। उन्होंने मशहूर तकनीक और शिक्षाविद प्रोफेसर के के अब्दुल गफ्फार की आत्मकथा के विमोचन के मौके पर यह बात कही। धोनी ने शनिवार को यहां एक कार्यक्रम में प्रोफेसर गफ्फार की आत्मकथा ' अनजान साक्षी' का विमोचन किया। दुबई स्वास्थ्य प्राधिकरण के सीईओ मारवान अल मुल्ला को किताब की पहली प्रति धोनी ने भेंट की। इस मौके पर धोनी ने कहा ,'' एक शिक्षक को अपने छात्रों को समझाने के लिये हर चीज सरल करनी होती है। हर छात्र का आई क्यू स्तर अलग होता है और आपको सभी को समझाना होता है। मुझे लगता है कि यह एक पेशा ही नहीं बल्कि कला है। इसमें आप छात्रों को अनुशासित करके उनके मजबूत और कमजोर पक्ष बताते हैं। मैं हमेशा से अपने स्कूल के शिक्षकों का बड़ा प्रशंसक रहा हूं।'' उन्होंने कहा ,'' मैं कभी कॉलेज नहीं गया लेकिन मुझे लगता है कि मैने जीवन में अच्छा ही किया।'' धोनी अपने करीबी मित्र डॉक्टर शाजिर गफ्फार के पिता की आत्मकथा के विमोचन के लिये खास तौर पर रांची से यहां आये थे।

पंड्या ने कहा कि अभी यह सुनिश्चित किया है कि युवा खिलाड़ी इस स्तर पर खेलने के लायक हों

युवा टीम की कप्तानी करना आसान नहीं होता लेकिन एशियाई चौम्पियन श्रीलंका पर टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में 2-1 की जीत के दौरान भारत की कप्तानी करने वाले हार्दिक पंड्या का मानना है कि यह इतना मुश्किल नहीं था क्योंकि उन्हें सिर्फ यह सुनिश्चित करना था कि वे इस स्तर पर खेलने के हकदार हैं। श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के साथ पंड्या के नेतृत्व में भारतीय टीम ने एक नए युग की शुरुआत की है। पंड्या ने यहां श्रृंखला जीतने के बाद कहा, ''यह वास्तव में उतना मुश्किल नहीं है। मेरे लिए चीजें काफी आसान हो जाती हैं जब अनुभवी खिलाड़ी होते हैं, मैं उनसे ज्यादा कुछ नहीं कहता। वे इस स्तर पर खेल रहे हैं क्योंकि उन्होंने अपने जीवन में बहुत अच्छी चीजें की हैं।'' भारतीय टीम में रोहित शर्मा, लोकेश राहुल और विराट कोहली के रूप में तीन सीनियर बल्लेबाज शामिल नहीं थे जबकि श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत, रविंद्र जडेजा, भुवनेश्वर कुमार, रविचंद्रन अश्विन, मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी भी विभिन्न कारणों से श्रृंखला का हिस्सा नहीं थे। भारत ने मुंबई में पहले मैच में दासुन शनाका की अगुआई वाली श्रीलंका की टीम को दो रन से हराकर शुरुआत की। पुणे में दूसरे मैच में भारत 207 रन के कड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए हार गया जबकि निर्णायक मैच में सूर्यकुमार यादव की 51 गेंद में नाबाद 112 रन की पारी से मेजबान ने पांच विकेट पर 228 रन बनाए। इसके जवाब में श्रीलंका की टीम 16.4 ओवर में 137 रन पर ढेर हो गई। युवा टीम का समर्थन करते हुए भारत के नए कप्तान ने कहा कि वे गलतियां करेंगे लेकिन यह उन्हें स्वीकार करने और सीखने के बारे में है। पंड्या ने कहा, ''प्रबंधन मुश्किल नहीं है लेकिन हां, यह एक युवा टीम है। वे गलतियां करेंगे, वे इससे सीखेंगे। हमने इस पर जोर दिया है कि एक बार जब आप गलती करते हैं तो आप सुनिश्चित करें कि आप इससे सीखें। इसमें चीजों को स्वीकार करना बेहद महत्वपूर्ण है। यदि आप इसे स्वीकार नहीं करते तो फिर चीजें काफी मुश्किल हो जाती हैं।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन जब एक युवा टीम होती है तो मैं सिर्फ उन्हें आत्मविश्वास देकर मदद कर सकता हूं। कैसे सुनिश्चित करें कि वे एक स्तर पर हैं, जब वे यहां खेल रहे हैं, तो उन्हें लगना चाहिए कि वे यहां खेलने के हकदार हैं।'' आतिशी शतक जड़ने वाले सूर्यकुमार की प्रशंसा करते हुए पंड्या ने कहा, ''आज मैंने महसूस किया कि यह सूर्यकुमार बनाम श्रीलंका मुकाबला था। इससे मेरे लिए चीजें आसान हो जाती हैं। मैं हमेशा कहता हूं कि सफेद गेंद के क्रिकेट में सूर्यकुमार जैसा कोई खिलाड़ी हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने कहा, ''जिस तरह से वह कुछ शॉट खेलता है, जिस तरह से वह मैच को बदलता है, यह वास्तव में गेंदबाज का मनोबल तोड़ता है और इससे दूसरे बल्लेबाज को भी मदद मिलती है।'' पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने पहले ही ओवर में इशान किशन का विकेट गंवा दिया लेकिन उसके बाद राहुल त्रिपाठी ने 16 गेंद में 35 रन बनाकर मेजबान टीम को लय दी और पंड्या ने महाराष्ट्र के बल्लेबाज सराहना की। उन्होंने कहा, ''राहुल त्रिपाठी का भी विशेष उल्लेख, उन्होंने जिस तरह का इरादा दिखाया वह कुछ ऐसा है जो उनके लिए बहुत स्वाभाविक है। यह मैच की लय को बदल सकता है। अगर आप शुरुआती कुछ ओवरों में भांप लें कि गेंद मूव कर रही है और बाहर बैठे लोगों को भी लगे कि विकेट में कुछ मदद है। लेकिन इसके बावजूद उसके इरादे के कारण गेंद मूव होना बंद हो गई। उन्होंने अपनी लेंथ बदल दी और फिर यह सब ऐसा था जैसे वे मैच में पीछा ही कर रहे हैं। कुल मिलाकर सूर्यकुमार और त्रिपाठी ने शानदार बल्लेबाजी की।'' टीम इंडिया के आक्रामक रुख के बारे में उन्होंने कहा, ''ऐसा नहीं है कि हम हिटिंग के मामले में हमेशा आक्रामक खेलते हैं। ऐसा भी हो सकता है कि हम ऐसे ही खेलें लेकिन अंत में 150 रन ही बना पाएं।'' पंड्या ने कहा, ''लेकिन जो महत्वपूर्ण है वह इरादा है, आप बाउंड्री की तलाश करते हैं लेकिन जब एक अच्छी गेंद होती है तो आप उस गेंद का सम्मान करते हैं। लेकिन अगर आपकी रक्षात्मक मानसिकता है तो भले ही एक खराब गेंद हो आप उस पर बाउंड्री नहीं लगा सकते।

असलम ने खेल मंत्री से आईएचएफ को पुनर्जीवित करने की अपील की

एजेंसी, पूर्व ओलंपियन और 1975 की विश्व चैंपियन भारतीय हॉकी टीम के सदस्य असलम शेर खां ने 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी की बोली लगाने का इरादा जाहिर करने के लिए खेल मंत्री अनुराग ठाकुर को बधाई दी और साथ ही उनसे अपील की कि वे भारतीय हॉकी महासंघ (आईएचएफ) को पुनर्जीवित करें जिससे कि आठ बार की ओलंपिक चौंपियनभारतीय हॉकी टीम की पुरानी प्रतिष्ठा को लौटाया जा सके। भारत ने ओलंपिक में अपना आखिरी स्वर्ण पदक 1980 में मॉस्को ओलंपिक में जीता था लेकिन इसके बाद भारत को अपना अगला पदक जीतने के लिए 2020 तोक्यो ओलंपिक तक इंतजार करना पड़ा जहां 2021 में उसने कांस्य पदक जीता। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने 2036 में ओलंपिक मेजबानी की बोली लगाने की भारत की इच्छा जाहिर की है। लोकसभा सांसद असलम ने ठाकुर को लिखे पत्र में कहा, ''मैं भारतीय हॉकी महासंघ की ओर से आपको यह पत्र लिख लिखते हुए 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के आपके इरादे के लिए आपको तहेदिल से बधाई देता हूं। यह साहसिक और रोमांचक कदम है तथा मुझे कोई संदेह नहीं है कि इस अभियान में आप भारत की सफ्लतापूर्वक अगुआई करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''खेलों के प्रति आपका समर्पण और हमारे खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ हासिल करने की आपकी प्रतिबद्धता आपके कार्यों से जाहिर होती है। मुझे कोई संदेह नहीं है कि इस साल मुंबई में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के सत्र में भारत की ओलंपिक दावेदारी की तैयारी में आप इन्हीं सिद्धांतों को लागू करेंगे।'' असलम ने खेल मंत्री से अपील की कि वह आईएचएच में नई जान फूंकने की दिशा में कदम उठाएं। उन्होंने कहा, ''अनुराग, मैं आपको अपील करता हूं कि आप आईएचएच को पुनर्जीवित करने की दिशा में कदम उठाएं और भारतीय हॉकी की पुरानी प्रतिष्ठा बहाल करें। मुझे पता है कि वास्तविक अंतर पैदा करने के लिए आपके पास प्रभाव और संसाधन हैं। मुझे आप पर भरोसा है और आप इनका समझदारी से इस्तेमाल करेंगे।

भारत को लगा बड़ा झटका

जसप्रीत बुमराह हुए टीम से बाहर

एजेंसी, भारत को एक बड़ा झटका लगा है। दरअसल, चोट के बाद टीम इंडिया में वापसी कर रहे जसप्रीत बुमराह एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। बुमराह को हाल में ही सीरीज का हिस्सा बनाया गया था। लेकिन कुछ दिन बाद ही उन्हें टीम से बाहर रखा गया है। दरअसल, जब श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए टीम इंडिया का ऐलान हुआ था तो उसमें जसप्रीत बुमराह का नाम नहीं था। बाद में जसप्रीत बुमराह को टीम इंडिया में शामिल किया गया। लेकिन एक बार फिर से उन्हें हटाया गया है। दरअसल, पहले एकदिवसीय मुकाबले के लिए टीम इंडिया गुवाहाटी पहुंची है। लेकिन साथ में जसप्रीत बुमराह नहीं पहुंचे। 3 जनवरी को उन्हें टीम में शामिल किया गया था। उस समय दावा किया गया था कि जसप्रीत बुमराह अब पूरी तरह से फिट है और खेलने के लिए भी तैयार है। हालांकि सूत्रों ने बताया है कि जसप्रीत बुमराह को लेकर बीसीसीआई फिलहाल कोई रिस्क नहीं लेना चाहता। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि भारत को इस साल एकदिवसीय विश्वकप मुकाबला खेलना है। यह मुकाबला भारत में ही होगा ऐसे में जसप्रीत बुमराह टीम इंडिया के लिए काफी अहम साबित हो सकते हैं। यही कारण है कि जसप्रीत बुमराह को लेकर बीसीसीआई कोई जल्दबाजी नहीं चाहता और उन्हें वापसी का पूरा वक्त देना चाहता है। टीम इंडिया के लिए बड़ा झटका यह भी है कि ऋषभ पंत चोटिल हैं। उनके भी विश्वकप में खेलने की संभावनाओं पर संशय बरकरार है। आपको बता दें कि जसप्रीत बुमराह 2022 सितंबर से ही क्रिकेट से दूर है। टी20 विश्व कप में उन्हें पहले टीम में शामिल किया गया था लेकिन चोट की वजह से वह बाद में बाहर हो गए थे। बीसीसीआई के सूत्र ने बताया कि बुमराह टीम के साथ गुवाहाटी नहीं गए हैं। पूर्ण फिटनेस हासिल करने के लिए उसे अब भी कुछ समय चाहिए क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के दौरान उसकी जरूरत पड़ेगी। फिलहाल यह देखना होगा कि बुमराह न्यूजीलैंड के खिलाफ 18 जनवरी से शुरू हो रही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए उबर पाते हैं या नहीं और क्या उन्हें एक भी घरेलू मैच खेले बिना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का मौका मिलेगा।

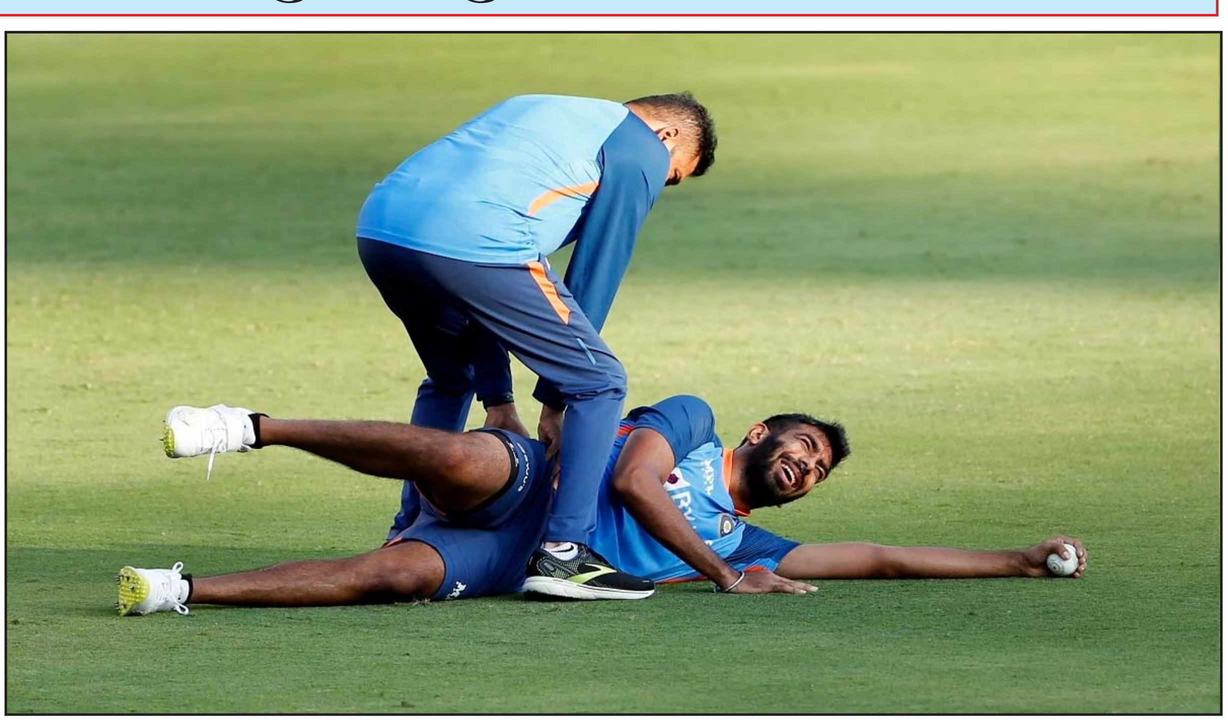

भारत के खिलाफ बड़ी श्रृंखला के लिये सभी पहलुओं पर पूरी तैयारी करना चाहते हैं कमिंस

आस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस भारत के खिलाफ अगले महीने होने वाली बड़ी श्रृंखला के लिये तैयारी पक्की करना चाहते हैं और उनका मानना है कि स्पिनर नाथन लियोन के अलावा एश्टोन एगर और ट्रेविस हेड भी गेंदबाजी की धुरी होंगे।

आस्ट्रेलिया ने यहां दक्षिण अफ्रीका को टेस्ट श्रृंखला में 2 . 0 से हराया। अब भारत के खिलाफ नौ फरवरी से नागपुर में शुरू हो रही चार मैचों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की तैयारी शुरू करनी होगी। कमिंस ने मैच के बाद कहा ,'' यह बड़ी श्रृंखला है और हम अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम उतारना चाहते हैं।'' भारत दौरे को ध्यान में रखकर एगर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टेस्ट में उतारा गया। उन्होंने 252 ओवर में 58 रन दिये और कोई विकेट नहीं ले सके। कमिंस ने कहा ,'' एगर बायें हाथ का स्पिन गेंदबाज है और वह भारत जरूर जायेगा। हमने उसे ट्रायल के लिये टीम में नहीं रखा था। भारत की विकेट अलग है और वहां ऐसा गेंदबाज काफी उपयोगी साबित होता है।'' उन्होंने कहा ,'' ट्रेविस अलग तरह का आफस्पिनर है और वह हमारे लिये काफी मददगार हो सकता है। मैं उसके प्रदर्शन से खुश हूं और वह टीम का हिस्सा होगा।'' ऊंगली में फ्रेक्चर के कारण सिडनी टेस्ट से बाहर रहे हरफनमौला कैमरन ग्रीन भारत दौरे से पहले ठीक हो जायेंगे। उन्होंने कहा ,'' ग्रीन छठे नंबर पर बल्लेबाजी करता है जिससे तीन तेज गेंदबाजों को उतारने की सहूलियत मिल जाती है।

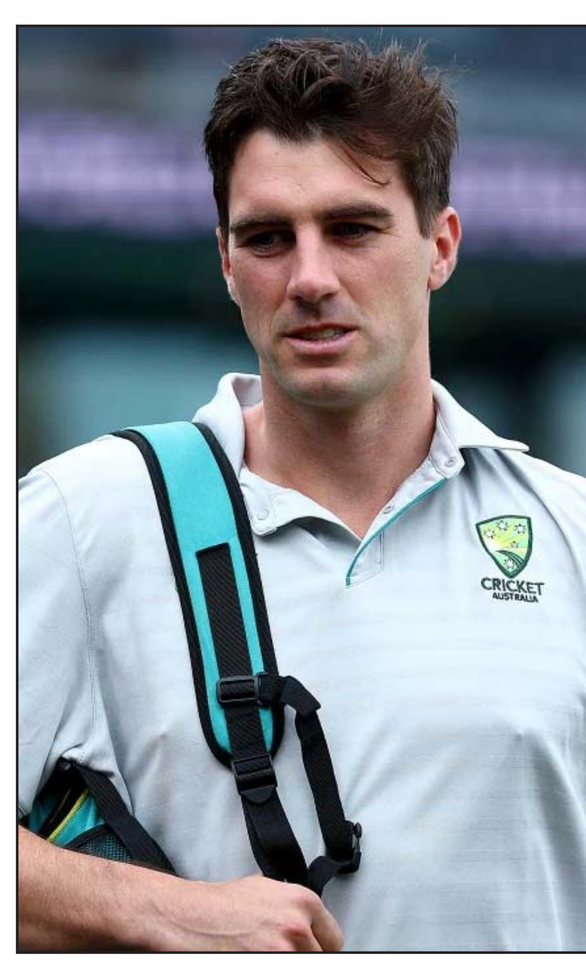

देर से पदार्पण, संघर्ष ने रनों की भूख बढ़ाई : सूर्यकुमार

एजेंसी, राजकोट सूर्यकुमार यादव जब भारत के लिए पदार्पण कर रहे थे तब उनकी उम्र 30 साल से ज्यादा थी, लेकिन इस तेजतर्रार बल्लेबाज का कहना है कि देर से चयन ने उनके संकल्प को और मजबूत किया। सूर्यकुमार ने भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ से कहा, 'इससे मेरी (रनों की) भूख अब और बढ़ गई। मैंने जितनी घरेलू क्रिकेट खेली है, मैंने हमेशा अपने राज्य मुंबई के लिए खेलने का लुत्फ उठाया और हमेशा अच्छा प्रदर्शन करने का प्रयास किया है। सूर्यकुमार ने शनिवार को श्रीलंका के खिलाफ तीसरे और अंतिम टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में 51 गेंद में नाबाद 112 रन की शानदार पारी खेली, जिससे भारत ने 91 रन की जीत के साथ श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा, 'यहां भी बल्लेबाजी का आनंद लिया। हां, पिछले कुछ वर्षों में यह थोड़ा चुनौतीपूर्ण था, लेकिन मैं खुद से कहता रहा कि तुम इस खेल को क्यों खेलते हो, इसका आनंद लो, इस खेल के प्रति जुनून ने मुझे आगे बढ़ाया, इसलिए मैं आगे बढ़ता रहा। बीसीसीआई टीवी पर द्रविड़ ने हल्के-फुल्के अंदाज में बातचीत की शुरुआत करते हुए कहा, 'यह अच्छा है कि यहां मेरे साथ कोई है, जिसने बचपन में मुझे बल्लेबाजी करते हुए नहीं देखा। इस पर सूर्यकमार ने जवाब दिया, 'नहीं, मैंने देखा (आपको बल्लेबाजी करते हुए) है। जिस तरह से द्रविड़ ने क्रिकेट खेला, सूर्यकुमार की बल्लेबाजी उसके बिलकुल विपरीत है और भारत के पूर्व कप्तान भी उसी ओर इशारा कर रहे थे। द्रविड़ ने पूछा कि क्या वह एक या दो पारियां चुन सकते हैं, जो उन्हें लगता है कि उनकी सर्वश्रेष्ठ हैं। सूर्यकुमार ने कहा, 'वास्तव में मेरे लिए किसी एक पारी को चुनना मुश्किल है। मैंने उन सभी कठिन परिस्थितियों में बल्लेबाजी का आनंद लिया, जहां मैं बल्लेबाजी करने गया था। मैंने पिछले एक साल में जो कुछ भी किया, वहां सिर्फ अपने खेल का आनंद लिया। मैं फिर वही काम कर रहा हूं। मैं जितना संभव हो आनंद लेने और खुद को जाहिर करने की कोशिश करता हूं। उन कठिन परिस्थितियों में टीम मैच जीतने की कोशिश करती हैं। मैं मैच में टीम को बनाए रखने की कोशिश करता हूं। अगर यह मेरे और टीम के लिए अच्छा काम करता है तो मैं खूश हूं। सूर्यकुमार ने हाल के दिनों में अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार को और द्रविड़ को भी दिया। उन्होंने कहा, 'मेरी क्रिकेट यात्रा में परिवार की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण रही है। जब मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया तो वे ही थे जिन्होंने मेरी मदद की। मेरे पिताजी एक इंजीनियर हैं, इसलिए मेरे परिवार में खेल का कोई इतिहास नहीं है। मुझे थोड़ा अलग होना पड़ा, जिससे कि उन्हें मेरे अंदर चिंगारी दिखे और वह मेरा साथ दें। सूर्यकुमार ने कहा, 'उन्होंने और जाहिर तौर पर मेरी पत्नी ने काफी त्याग किया है। हमारी शादी के बाद से वह पोषण और फिट रहने के मामले में मेरे ऊपर काफी जोर दे रही है।

जवानी में ही बुढ़ा कर देगी कैल्शियम की कमी, दवाइयां नहीं ये नेचुरल चीजें खाएं

कैल्शियम हमारे शरीर के लिए कितना जरूरी है ये तो हम सब जानते हैं। इसकी कमी हो तो दांतों और हड्डियों में कमजोरी आने लगती है। नाखून कच्चे हो जाते हैं। महिलाओं को 30 के बाद इसकी कमी होने लगती है इसलिए डाक्टर्स कुछ सप्लीमेंट्स व टेबलेट्स खाने के लिए कहते हैं लेकिन अगर आप नैचुरल आहारों के जरिए कैल्शियम का सेवन करेंगे तो किसी तरह की दवा खाने की आपको जरूरत नहीं होगी लेकिन कैसे पता चलेगा कि शरीर में कैल्शियम की कमी हो रही हैं।

कैल्शियम की कमी के लक्षण

कैल्शियम की कमी होगी तो आपके मसल्स में दर्द, ऐंठन रहेगी।

उठने-बैठने व चलते समय दर्द होगा जांघों में भी दर्द महसूस हो सकता है।

कमजोरी के चलते हड्डियों के जोड़ों में दर्द रहता है।

शरीर में कमजोरी के चलते चक्कर आते हैं आप किसी काम में ध्यान नहीं लगा पाते।

याद्दाश्त कमजोर होने लगती है।

नाखून कच्चे होने लगते हैं और सफेद निशान पड़ने लगते हैं।

बाल झड़ने लगते हैं।

दांतो में दर्द, मसूड़ों से खून, दांतों की जड़ें कमजोर होने लगती है।

अब आपको बताते हैं कि नैचुरली तरीके से कैल्शियम को पूरा कैसे रखना है?

सामान्य अवस्था में व्यस्कों को एक दिन में करीब 700 मिलीग्राम कैल्शियम की आवश्यकता होती है इसलिए आपको अपने भोजन में उन चीजों को शामिल करने की जरूरत होती है जो कैल्शियम भरपूर हो।सबसे पहले तो डेयरी प्रॉडक्ट्स खाएं। दूध जरूर पीएं और दूध से बनी चीजें खाएं जैसे दही, पनीर आदि। हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे ब्रोकोली, भिंड्डी,साग, पालक आदि का सेवन करें। एक कप उबला हुआ पालक आपके शरीर में 25 प्रतिशत तक कॉ्ल्शियम की आपूर्ति कर सकता है। नॉन वेज खाते हैं तो अंडे और मछली को डाइट में शामिल करें। मुट्ठीभर नट्स खासकर बादाम खाएं। नट्स में कैल्शियम होता है जो हड्डियों को मजबूती देता है।

इनमें मैग्नीशियम और फास्फोरस भी होते है। मैग्नीशियम हड्डियों में कैल्शियम के अवशोषण में सहायता करता है।

केला और संतरा जरूर खाएं

विटामिन डी की सही मात्रा भी शरीर में होनी बहुत जरूरी है क्योंकि विटामिन डी अगर शरीर में कम होगा तो कैल्शियम की कमी रहेगी। दरअसल, विटामिन डी ही कैल्शियम को अवशोषित करने में मदद करता है। इसलिए सुबह की ताजी गुनगुनी धूप लें।

अगर इन चीजों से भी शरीर में कैल्शियम या विटामिन डी की कमी रहती है तो डॉक्टर से संपर्क करें ताकि वह आपको जरूरतानुसार दवा व सप्लीमेंट्स दें। शरीर में कैल्शियम की कमी से खून की कमी भी हो सकती है इसलिए कैल्शियम उचित मात्रा में जरूर खाते रहें।

जाड़े के मौसम में स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी है बथुआ

डायटीशियन के अनुसार, बथुआ के पत्तों में अमीनो एसिड की उच्च मात्रा पाई जाती है। अमीनो एसिड्स शरीर के लिए बेहद जरूरी माने जाते हैं, क्योंकि यह कोशिका निर्माण और कोशिका की मरम्मत के लिए आवश्यक हैं।

ठंड का मौसम वास्तव में आपकी सेहत के लिए बेहद अच्छा माना जाता है। दरअसल, इस मौसम में आपको कई तरह की हरी पत्तेदार सब्जियां खाने का मौका मिलता है और यह तो हम सभी जानते हैं कि हरी सब्जियां सेहत के लिए कितनी लाभकारी हैं। इन हरी पत्तेदार सब्जियों में एक है बथुआ। सर्दियों में लोग अक्सर बथुआ को कभी रायता तो कभी परांठे के रूप में खाते हैं। लेकिन अगर आपने अभी तक इसे अपनी डाइट में शामिल नहीं किया है तो चलिए आज हम आपको इससे मिलने वाले बेमिसाल फायदों के बारे में बताते हैं-

अमीनो एसिड्स से भरपूर

डायटीशियन के अनुसार, बथुआ के पत्तों में अमीनो एसिड की उच्च मात्रा पाई जाती है। अमीनो एसिड्स शरीर के लिए बेहद जरूरी माने जाते हैं, क्योंकि यह कोशिका निर्माण और कोशिका की मरम्मत के लिए आवश्यक हैं।

फाइबर में उच्च

आमतौर पर हम फाइबर की महत्ता को शरीर के लिए समझ नहीं पाते, लेकिन यह आपके लिए बेहद जरूरी है। दरअसल, यह आपको लंबे समय तक फुल रखता है, जिसके कारण आप ओवर ईटिंग से बच जाते हैं। साथ ही फाइबर पाचन तंत्र के लिए भी बेहद लाभदायक माना जाता है। बथुआ में भी फाइबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। ऐसे में आपको इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

कम कैलोरी

हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि अगर आप हेल्थ कॉन्शियस हैं, तब भी आप बथुआ का सेवन बेहद आसानी से कर सकते हैं। दरअसल, अन्य सभी हरी सब्जियों की तरह, बथुआ में कैलोरी काफी कम पाई जाती है। 100 ग्राम बथुआ से आपको लगभग 43 कैलोरी की मिलती है।

लिवर के लिए लाभदायक

हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि अगर आप बथुआ को अपनी डाइट का हिस्सा बनाते हैं तो इससे आपके लिवर को भी काफी लाभ प्राप्त होता है।

राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर अवश्य जाएं और देश के लिए शहादत देने वालों को नमन कर

राष्ट्रीय समर स्मारक को युद्ध स्मारक के नाम से भी जाना जाता है। यह दिल्ली के इंडिया गेट के आसपास के क्षेत्र में फैला हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 25 फरवरी 2019 को 44 एकड़ में बने नेशनल वॉर मेमोरियल को राष्ट्र को समर्पित किया था। राष्ट्रीय समर स्मारक की मांग कई दशकों से हो रही थी लेकिन इसे पूरा किया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने। 2014 में राष्ट्रीय समर स्मारक बनाने के लिए प्रक्रिया शुरू की गयी और 2019 में इसका लोकार्पण किया गया। राष्ट्रीय समर स्मारक बनने से पहले तक इंडिया गेट पर स्थित अमर जवान ज्योति पर ही देश के शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी जाती थी। लेकिन जब राष्ट्रीय समर स्मारक बना तो रक्षा बलों के राष्ट्र के लिये किये गये योगदान को सराहने वाली इस पहल का देश ने भरपूर स्वागत किया। इस साल अमर जवान ज्योति की ज्योति का भी राष्ट्रीय समर स्मारक में विलय कर दिया गया। राष्ट्रीय समर स्मारक को युद्ध स्मारक के नाम से भी जाना जाता है। यह दिल्ली के इंडिया गेट के आसपास के क्षेत्र में फैला हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 25 फरवरी 2019 को 44 एकड़ में बने नेशनल वॉर मेमोरियल को राष्ट्र को समर्पित किया था। इस मेमोरियल में जाने के लिए कोई प्रवेश शुल्क नहीं है। यहां बड़ी संख्या में देश के विभिन्न भागों से तो लोग आते ही हैं साथ ही स्कूली छात्र भी समूहों में आकर हमारे वीर जांबाजों के शौर्य के बारे में जानते हैं। यहां सुंदर बगीचे सबका मन मोह लेते हैं और सुरक्षा बलों के शौर्य से जुड़े प्रतीकों के साथ लोग फोटो खिंचवाते हैं। हालांकि यहां कैमरा ले जाने के कुछ नियम भी हैं। इसके अलावा आप यहां स्थित विक्रय केंद्र से प्रतीक स्वरूप विभिन्न तरह के उत्पाद भी खरीद सकते हैं। राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में 25,942 सैनिकों के नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखे गए हैं। इस युद्ध स्मारक में 1947-48 के युद्ध से गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ संघर्ष तक शहीद हुए सैनिकों के नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित है।

साड़ी के साथ हर बार ब्लाउज कैरी करना नहीं है जरूरी, ऐसे करें खुद को स्टाइल

अगर आप अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंटल होना चाहती हैं तो ऐसे में ट्यूब टॉप को भी साड़ी के साथ स्टाइल किया जा सकता है। ट्यूब टॉप आपके लुक को एक मॉडर्न टच देते हैं और अगर आप किसी पार्टी के लिए रेडी हो रही हैं तो साड़ी के साथ ट्यूब टॉप पहनना एक अच्छा आइडिया हो सकता है।

जब साड़ी को स्टाइल करने की बात आती है तो महिलाएं सबसे पहले अपने ब्लाउज के स्टाइल व पैटर्न पर ध्यान देती हैं। यह सच है कि ब्लाउज का स्टाइल आपके साड़ी लुक को एन्हॉन्स करता है। इतना ही नहीं, कई बार तो महिलाएं प्लेन साड़ी के साथ हैवी ब्लाउज स्टाइल करके एक स्टेटमेंट लुक कैरी करती हैं। यकीनन आप भी ऐसा ही करती होंगी। हालांकि, यह जरूरी नहीं है कि हर बार साड़ी के साथ ब्लाउज ही कैरी किया जाए। ब्लाउज के बिना भी ऐसे कई ऑप्शन हैं, जो साड़ी में आपके लुक को ट्विस्ट देंगे। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ ऑप्शन के बारे में बता रहे हैं-

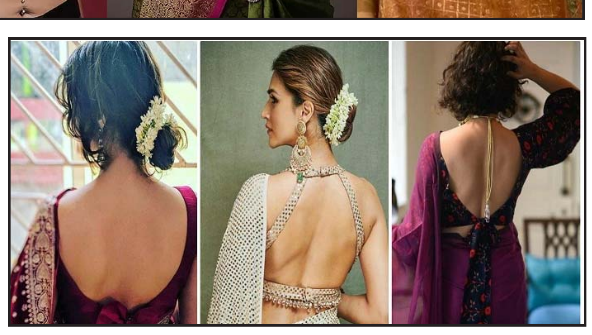

पहनें शर्ट

अगर आप साड़ी को एक इंडो-वेस्टर्न लुक में कैरी करना चाहती हैं तो इसका सबसे अच्छा तरीका है कि आप इसके साथ शर्ट को स्टाइल करें। यह साड़ी स्टाइलिंग का ऐसा ऑप्शन है, जो पिछले लंबे समय से चलन में है। आप चाहें तो अपनी साड़ी के साथ कॉन्ट्रास्टिंग शर्ट को पेयर कर सकती हैं। वहीं, अगर आपको कुछ समझ नहीं आ रहा है, तो आप व्हाइट बेसिक शर्ट को पहन सकती हैं। यह एक ऐसा ऑप्शन है, जो किसी भी साड़ी के साथ अच्छा लगेगा।

पहनें क्रॉप टॉप

यह भी एक अच्छा ऑप्शन है, जो साड़ी में आपके लुक को इंस्टेंट स्टनिंग लुक देता है। आजकल मार्केट में डिफरेंट स्टाइल के क्रॉप टॉप अवेलेबल हैं। आप अपनी साड़ी को ध्यान में रखते हुए क्रॉप टॉप के कलर, पैटर्न व स्टाइल को सलेक्ट कर सकती हैं। इतना ही नहीं, एक ही साड़ी के साथ हर बार डिफरेंट क्रॉप टॉप पेयर करके आप एक न्यू लुक क्रिएट कर सकती हैं।

पहनें ट्यूब टॉप

अगर आप अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंटल होना चाहती हैं तो ऐसे में ट्यूब टॉप को भी साड़ी के साथ स्टाइल किया जा सकता है। ट्यूब टॉप आपके लुक को एक मॉडर्न टच देते हैं और अगर आप किसी पार्टी के लिए रेडी हो रही हैं तो साड़ी के साथ ट्यूब टॉप पहनना एक अच्छा आइडिया हो सकता है।

लगातार चश्मा पहनने से नाक पर पड़ गए हैं काले धब्बे? इन घरेलू उपायों से करें दूर

लगातार चश्मा पहनने से नाक पर काले निशान पड़ जाते हैं जो देखने में बेहद खराब लगते हैं। कई लोग इन धब्बों को हटाने के लिए महंगी क्रीम और ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। लकिन आप घर पर मौजूद कुछ चीजों का इस्तेमाल करके इन धब्बों से छुटकारा पा सकते हैं

आज के समय में हमारा अधिकतर समय कंप्यूटर या मोबाइल फोन चलाते हुए बीतता है। यही वजह है कि आजकल बड़े से लेकर बच्चों तक को कमजोर नजर के कारण चश्मा लग गया है। लगातार चश्मा पहनने से नाक पर काले निशान पड़ जाते हैं जो देखने में बेहद खराब लगते हैं। कई लोग इन धब्बों को हटाने के लिए महंगी क्रीम और ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। लकिन आप घर पर मौजूद कुछ चीजों का इस्तेमाल करके इन धब्बों से छुटकारा पा सकते हैं -

टमाटर

टमाटर भी चेहरे के दाग-धब्बों को दूर करने में कारगर होता है। इसमें त्वचा को एक्सफोलिएट करता है जिससे चेहरे की मृत त्वचा हट जाती है। टमाटर का पेस्ट बनाकर इसे नाक पर निशान वाली जगह पर लगाएं। ऐसा करने से आपको कुछ ही दिनों में फर्क नजर आने लगेगा।

एलोवेरा जेल

अगर चश्मे के कारण नाक पर काले धब्बे हो गए हैं तो एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करें। एलोवेरा में एंटीएजिंग गुण होते हैं और इसके साथ ही यह त्वचा को नमी प्रदान करता है। इसके लिए एलोवेरा की पत्ती को बीच से काटकर उसके गूदे का पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को धब्बे पर लगाएं और हल्के हाथों मसाज करें। आप चाहें तो बाजार में मिलने वाले एलोवेरा जेल का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

आलू

आप नाक पर बने चश्मे के निशान को हटाने के लिए आलू का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। आलू का रस एक त्वचा पर एक ब्लीचिंग एजेंट की तरह काम करता है और दाग-धब्बों को हटाने में मदद करता है। नाक पर मौजूद चश्मे के निशान मिटाने के लिए आलू का रस लगाएं।

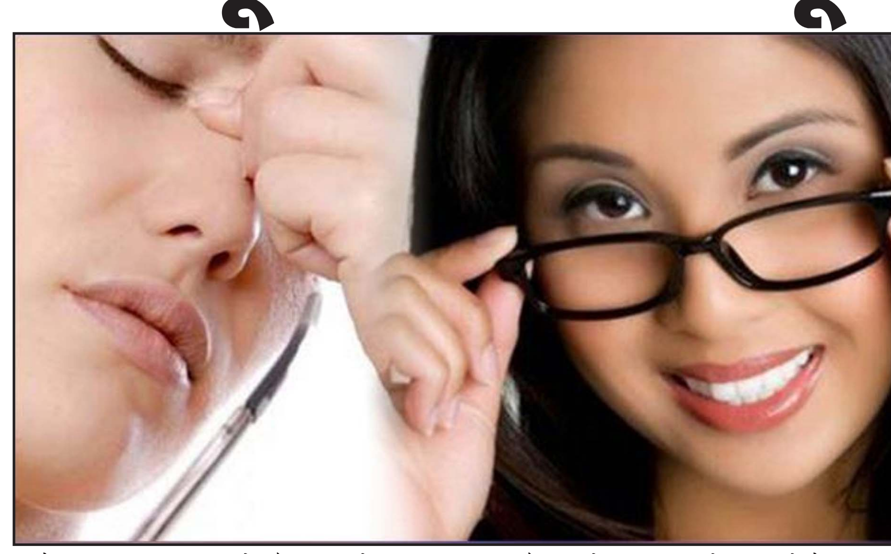

इसके लिए एक कच्चा आलू लें और इसे कद्दूकस कर लें। अब इसे निचोड़कर इसका रस निकाल लें। आलू के रस को प्रभावित हिस्से पर लगाएं और 10-15 मिनट तक रखें। इसके बाद साफ पानी से चेहरा धो लें।

शहद

शहद भी त्वचा पर मौजूद दाग-धब्बे हटाने के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटीसेप्टिक गुण पाए जाते हैं जो त्वचा के दाग-धब्बे दूर करने में मददगार होते हैं। इसके लिए शहद को धब्बों पर लगाकर हल्के हाथों मसाज करें। इसके बाद सूख जाने पर साफ पानी से चेहरा धो लें।

संतरे के छिलके

चश्मे के कारण पड़ने वाले निशान को दूर करने के लिए आप संतरे के छिलके का इस्तेमाल कर सकते हैं। संतरे के छिलके में ब्लीचिंग गुण होते हैं जो दाग-धब्बों को हटाने में मदद करते हैं। इसके लिए संतरे के छिलके पीसकर इसमें दूध मिलाकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को प्रभावित हिस्से पर लगाकर हल्के हाथों से मसाज करें।

सर्दी में बॉडी को गर्म रखेगी ये चाय

पूरे उत्तर भारत में इन दिनों कड़कती हुई सर्दी पड़ रही है। ऐसे में शरीर को कई तरह की बीमारियां घेरने लगता है। कड़कती सर्दी से स्वंय को बचाने के लिए आपको अपनी डाइट का खास ध्यान रखना चाहिए, ऐसे में आप अपनी डाइट में कुछ चीजें शामिल करके हैल्दी रह सकते हैं जो आपके शरीर को गर्माहट दें। तो चलिए आपको बताते हैं ऐसे ड्रिंक्स जिनका सेवन आप सर्दियों की कड़कती सर्दी से बचने के लिए कर सकते हैं...

हर्बल टी

सर्दियों में शरीर को गर्माहट देने के लिए आप हर्बल टी का सेवन कर सकते हैं। यह आपके शरीर को गर्माहट देगी। इसके अलावा हर्बल टी आपके शरीर को अंदर से गर्माहट देती है।

दालचीनी ड्रिंक

दालचीनी में एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटीइंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं यह गुण आपके शरीर को गर्म बनाए रखने में मदद करते हैं। यदि आप सर्दी से बचना चाहते हैं तो दालचीनी को पानी में उबाल कर पिएं। इससे आप कड़कती सर्दी से बचे रहेंगे।

बादाम का दूध

बादाम का दूध भी स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभदायक होता है। खासकर बादाम की तासीर गर्म होती है जो शरीर को गर्म करने में मदद करती है। बादाम को पीसकर दूध में डालें। इसके बाद दूध को उबालकर इसका सेवन करें। इससे शरीर भी गर्म रहेगा और शरीर में से विटामिन्स और मिनरल्स की कमी भी दूर होगी।

हल्दी का दूध

हल्दी का दूध भी कड़कती सर्दी से बचने के लिए एक बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। खासकर हल्दी में एंटीऑक्सीडेंट्स, एंटीवायरल और एंटीइंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं जो शरीर को अंदर से गर्म रखने में मदद करते हैं। नियमित हल्दी का दूध पीने से आपके शरीर में गर्माहट बनी रहती है और आप कड़कती सर्दी से भी बचे रहेंगे ।

नींबू पानी

गर्म पानी में नींबू डालकर पीने से आपके शरीर में गर्माहट बनी रहेगी। लेमन वॉटर पीने से आपके शरीर की इम्यूनिटी बढ़ेगी और इसके अलावा आपका शरीर भी टॉक्सिन्स फ्री हो जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक विद्यावती दूबे द्वारा बी डी प्रिन्टींग प्रेस गणेशपुर, रहमानपुर निकट रघुनन्दन आशियाना फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ से मुद्रित तथा- C 3/76, विभूतिखण्ड गोमती नगर लखनऊ से प्रकाशित । मो0 9450615356, फोन नं. 0522- 4102634